हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

यहां थी बिल्डिंग ... धमाके में उड़ गई हो गया 20 फीट गड्ढा

भूकंप-सा कंपन, तेज धमाका विस्फोट ऐसा कि बिल्डिंग उड़ी

मजदूरों के चीथड़े उड़े रेस्क्यू के बाद पता चलेगा कितने मरे

कलेक्टर ने संभाली कमान ... देर रात तक डटे रहे अफसर, उप मुख्यमंत्री साव भी पहुंचे

- घायलों को रायपुर इलाज के लिए भेजा गया इलाज के दौरान एक मजदूर की मौत
- दूर तक बिखरे मानव अंग, घायलों को रायपुर भेजा गया, ग्रामीण भड़के

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर/भिलाई/बेमेतरा

हरिभूमि लाइव

बेमेतरा जिले के ग्राम बोरसी पिरदा में स्थित बारूद फैक्ट्री में शनिवार की सुबह लगभग 7 बजकर 55 मिनट पर जोरदार धमाका हुआ। जिला और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौकेपहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार स्पेशल ब्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड पिरदा में अलग-अलग पालियों में 500 मजदूर काम करते हैं। बारूद फैक्ट्री के भीतर अलग-अलग यूनिट बनी हुई है। शनिवार की सुबह लगभग 7 बजकर 55 मिनट में पीटीएन प्लांट में जोर का धमाका हुआ। इस धमाके से मौके पर लगभग 20 फीट खाई बन गई और पीटीएन प्लांट भरभराकर खाई में जमींदोज हो गया। इसके मलबे में वहां ▶▶ शेष पेज 4 पर

धमाके के बाद शवों के ऐसे बिखरे हैं हिस्से

अभी तक प्रशासन मृतकों की संख्या बताने की स्थिति में नहीं, रेस्क्यू अभी भी जारी

भूकंप-सा कंपन.. तेज धमाका और चारों ओर धुएं का गुबार। विस्फोट इतना तेज कि 2 किलोमीटर तक घरों में दरारें पड़ गईं। आसपास रहने वाले डरकर भागने लगे। देखते ही देखते बोरसी समेत आसपास के गांव के लोग स्पेशल ब्लास्ट फैक्ट्री की ओर लोग भागे, लेकिन तब तक भयानक तबाही हो चुकी थी। मंजर इतना खतरनाक था कि लोग हतप्रभ रह गए। बारूद की सफेदी ने पूरे परिसर को अपनी जद में ले लिया। हर तरफ बारूद नजर आने लगा। बोरसी के स्पेशल ब्लास्ट फैक्ट्री में ब्लास्ट की घटना 7 बजकर 55 मिनट पर हुई। विस्फोट इतना भयंकर था कि आसपास की घरों में दरारें पड़ गईं। जिस जगह ब्लास्ट हुआ, वहां 20 फीट का गड्ढा हो गया। जिन घरों के लोग इस फैक्ट्री में काम करते थे, उन घरों के लोग फैक्ट्री की ओर दौड़े। जो घायल नजर आए, उन्हें अस्पताल पहुंचाने एंबुलेंस को बुलाया। हालांकि ग्रामीण इस बात से परेशान थे कि जो लोग वहां थे, उनकी स्थिति का पता नहीं चल पा रहा था। यही वजह है कि काफी देर तक स्थानीय पुलिस और प्रशासन को ग्रामीणों के गुस्से का सामना करना पड़ा।

सीएम का ऐलान मृतकों के परिजनों को पांच लाख

बेमेतरा जिले के बोरसी गांव स्थित बारूद फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना में मृत और घायलों को मुआवजा देने का ऐलान किया है। अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि बेमेतरा जिले के बोरसी गांव स्थित बारूद फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले के दंडाधिकारी जांच के आदेश दे दिए गए हैं। दुर्घटना में हुई मौत पर मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपए एवं घायलों को पचास हजार रुपए आर्थिक सहायता देने के आदेश भी दे दिए गए हैं। ईश्वर से मृतक की आत्मा की शांति एवं घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

मजिस्ट्रियल जांच होगीः साव

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। एक व्यक्ति की मौत और 6 लोगों के घायल होने की सूचना मिली है। मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपए की सहायता दी जा रही है। घायलों को 50-50 हजार की सहायता दी जा रही है। घटना की मजिस्ट्रियल जांच भी की जाएगी।

- अरुण साव, उपमुख्यमंत्री

प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

बोरसी गांव में सुबह 7.55 बजे विस्फोट हुआ। विस्फोट की जानकारी मिलते ही तत्काल प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। रेस्क्यू का काम भी शुरू कर दिया गया है। एसडीआरएफ की टीम लगातार मलबा हटाने का काम कर रही है। इंडस्ट्रियल एक्सपर्ट्स की भी मदद ली जा रही है।

- रणबीर शर्मा, कलेक्टर बेमेतरा

इन्होंने सुनाई आप बीती

हाईटेंशन तार में लटका पिलर का टुकड़ा

फैक्ट्री में विस्फोट कितना भयंकर था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पास से गुजर रही हाईटेंशन तारों में पिलर का टुकड़ा जा लटका। जबकि हाईटेंशन तार की ऊंचाई कम से कम से कम जमीन से 100 से 150 फीट ऊपर होती है। इसी तरह फैक्ट्री परिसर के आसपास भी मशीनों के अवशेष बिखरे नजर आए।

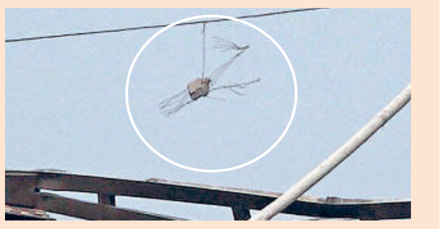

मजूदरों की आप बीती...

अचानक धमाका हुआ आंखों के सामने अंधेरा छा गया, सुनाई देना बंद

बेमेतरा स्थित पिरदा में स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में विस्फोट कितना भयावह था इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां विस्फोट के बाद बाजू के ब्लाक में काम कर रहे मजदूरों की आंखों के सामने अंधेरा छा गया, तेज धमाके से कान के पर्दे सुन्न हो गए। मजदूर कुछ समझ पाते इसके पहले जिस बिल्डिंग में विस्फोट हुआ वहां मजदूर दौड़कर पहुंचे तो उन लोगों ने देखा की कल तक जो बिल्डिंग ▶▶ शेष पेज 4 पर

ऐसा धमाका पहली बार

स्पेशल ब्लास्ट फैक्ट्री में आए दिन ब्लास्ट कर बारूद का टेस्ट किया जाता है। इसकी गूंज आसपास कुछ दूर तक तो सुनाई देती है, लेकिन ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार को 2 किलोमीटर तक तो कई घरों में दरारें पड़ गईं। कई किलोमीटर दूर तक धमाके की आवाज सुनी गई। यही वजह है कि ग्रामीण अपने घरों से निकले और तत्काल फैक्ट्री की ओर पहुंचे।

मृतक सेवकराम साहू

रजिस्टर देखने मचा बवाल

घटना के बाद ग्रामीण इस बात से बेहद नाराज नजर आए कि भीतर मौजूद लोगों के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। यही वजह है कि लोग फैक्ट्री के कार्यालय का गेट खोलकर भीतर रजिस्टर ढूंढ़ने लगे ताकि भीतर गए लोगों की जानकारी मिल सके। इस दौरान पुलिस और प्रबंधन के साथ ग्रामीणों की जमकर बहस भी हुई। काफी समझाइश के बाद ग्रामीण लौटे।

बड़ी घटना की आशंका बनी रही

प्रशासन की टीम ने जानकारी दी, जितने विस्फोटक में विस्फोट हुआ है, पूरे परिसर में उससे 6 गुणा अधिक विस्फोटक मौजूद है। यही वजह है कि परिसर के बाहरी हिस्से में गोदाम में आग लगते ही प्रशासन हरकत में आया। तत्काल इसे बुझाने का काम शुरू किया गया। बारूद और विस्फोटक से भरे ट्रकों को भी परिसर से बाहर भेजा गया।

भतीजे और बेटों की राह देख रहे हैं पिता और चाचा

पिरदा स्थित बारूद फैक्ट्री में धमाके के बाद आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में फैक्ट्री के गेट के पास एकत्रित हो गए। इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जिनके परिजन फैक्ट्री में काम करने आए हुए थे। ग्राम के पुनाराम यादव ने हरिभूमि से दुख साझा करते हुए बताया कि शंकर यादव 19 वर्ष उसका भतीजा है। सुबह 6 बजे वह घर से बारूद फैक्ट्री में काम करने निकला था। 8 बजे के आसपास धमाके की आवाज सुनकर गांव वालों के साथ वह भी फैक्ट्री आया है। लेकिन उसे अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। पीटीएन प्लांट में उसका भतीजा शंकर काम करता है। परिवारों वालों को इसकी सूचना ▶▶ शेष पेज 4 पर

हरिभूमि रणभूमि लोकसभा
सत्ता संग्राम-2024

चुनावों पर नजर रखने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार लोकसभा चुनाव लड़ रहे करीब 121 उम्मीदवारों ने खुद को अनपढ़ घोषित किया है। वहीं 359 ने कहा है कि उन्होंने 5वीं कक्षा तक पढ़ाई की है, जबकि 647 उम्मीदवारों ने अपनी शिक्षा का स्तर 8वीं कक्षा तक बताया है। करीब 1,303 उम्मीदवार 12वीं पास हैं और 1,502 उम्मीदवारों के पास स्नातक की डिग्री है। पीएचडी करने वाले उम्मीदवारों की संख्या 198 हैं।

लोकसभा प्रत्याशी 121 अनपढ़, 359 पांचवी, 647 आठवीं, 1,303 प्रत्याशी 12वीं पास, 1,502 ग्रेज्युएट, 198 पीएचडी डिग्रीधारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

एडीआर ने चुनाव लड़ रहे 8,360 उम्मीदवारों में से 8,337 की शैक्षणिक योग्यता का विश्लेषण करके यह रिपोर्ट तैयार की है। यह रिपोर्ट हर चरण में प्रत्याशियों की ओर से दायर की गई हलफनामे पर तैयार की गई है। चुनाव 19 अप्रैल से एक जून तक सात चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं। मतगणना चार जून को होगी। लोकसभा चुनाव के 6 चरण पूरे हो चुके हैं जबकि सातवां चरण एक जून को निर्धारित है। चुनाव का परिणाम 4 जून को आएगा।

पहले चरण में कितने पढ़े-लिखे, कितने अनपढ़

चुनाव के पहले चरण में, 639 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 5वीं और 12वीं कक्षा के बीच बताई, जबकि 836 उम्मीदवार स्नातक स्तर या उससे अधिक पढ़े लिखे हैं। इसके अतिरिक्त, 36 उम्मीदवारों ने खुद को सिर्फ साक्षर घोषित किया, 26 ने निरक्षर और चार ने अपनी शैक्षणिक योग्यता का खुलासा नहीं किया।

लोकसभा चुनाव 2024 : लोकसभा चुनाव लड़ रहे माननीयों का हाल

छठे चरण में 22 डिप्लोमा धारक उतरे

छठे चरण में, 332 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 5वीं और 12वीं कक्षा के बीच घोषित की, जबकि 487 ने स्नातक या उच्चतर शिक्षा प्राप्त बताया है। 22 डिप्लोमा धारक हैं, 12 उम्मीदवार सिर्फ साक्षर हैं और 13 निरक्षर हैं।

सातवें चरण में 430 स्नातक, 24 निरक्षर

सातवें चरण में, 402 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 5वीं और 12वीं कक्षा के बीच बताई, जबकि 430 ने खुद को स्नातक या उच्चतर शिक्षित बताया। 20 डिप्लोमा धारक हैं, 26 उम्मीदवार साक्षर हैं और 24 निरक्षर हैं। दो उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता का खुलासा नहीं किया।

दूसरे चरण में तीन ने नहीं बताई योग्यता

दूसरे चरण के चुनाव के दौरान, 533 उम्मीदवारों ने अपनी शिक्षा का स्तर 5वीं और 12वीं कक्षा के बीच घोषित किया, जबकि 574 उम्मीदवारों ने स्नातक या उच्चतर शिक्षा प्राप्त होने की सूचना दी। वहीं 37 उम्मीदवारों ने खुद को सिर्फ साक्षर, आठ ने निरक्षर और तीन ने अपनी शैक्षणिक योग्यता नहीं बताई।

तीसरे चरण में रहे इतने उम्मीदवार कम पढ़े-लिखे

बता दें कि तीसरे चरण में, 639 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 5वीं और 12वीं कक्षा के बीच बताई, जबकि 591 उम्मीदवारों ने खुद को स्नातक या उच्चतर शिक्षित बताया। इसके अतिरिक्त, 56 सिर्फ साक्षर हैं और 19 निरक्षर हैं। तीन उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता का खुलासा नहीं किया।

चौथे चरण में 26 प्रत्याशी रहे निरक्षर

चौथे चरण के लिए, 644 उम्मीदवारों ने अपनी शिक्षा का स्तर 5वीं और 12वीं कक्षा के बीच घोषित किया, जबकि 944 ने स्नातक या उच्चतर बताया। तीस उम्मीदवारों ने खुद को सिर्फ साक्षर बताया और 26 ने निरक्षर बताया। चार उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता का खुलासा नहीं किया।

पांचवे चरण के 349 उम्मीदवार स्नातक

पांचवें चरण में, 293 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 5वीं और 12वीं कक्षा के बीच बताई, जबकि 349 ने खुद को स्नातक या उच्च डिग्री वाला बताया। लगभग 20 उम्मीदवार सिर्फ साक्षर हैं और पांच निरक्षर हैं। दो उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता का खुलासा नहीं किया।

सोशल मीडिया

फवाद साहिब आप अपने देश को सँभालिये, पाक के हालात खराब हैं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने परिवार संग वोट डालने के बाद एक पोस्ट डाली मैंने तानाशाही, बेरोज़गारी और महंगाई के ख़िलाफ़वोट डाला। आप भी वोट डालने ज़रूर जाएँ। इस पर पाकिस्तान के पूर्व मंत्री और इमरान खान की पार्टी के नेता चौधरी फवाद हुसैन ने रिपोस्ट करते हुए लिखा, 'उम्मीद है शांति और सद्भाव नफरत और उग्रवाद की ताकतों को परास्त करेंगी। इस पर केजरीवाल पोस्ट किया, 'चौधरी साहिब, मैं और मेरे देश के लोग अपने मसलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। आपके ट्वीट की ज़रूरत नहीं है। इस वक़्त पाकिस्तान के हालात बहुत ख़राब हैं। आप अपने देश को सँभालिये।

पीओके भारत का है, रहेगा और हम उसे लेकर ही रहेंगे

धर्मशाला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हमीरपुर में भाजपा प्रत्याशी अनुराग ठाकुर और कांगड़ा में राजीव भारद्वाज के समर्थन में जनसभा में कहा कि मैं डंके की चोट पर कहता हूं पीओके भारत का है, रहेगा और हम उसे लेकर रहेंगे। शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी हिमाचल प्रदेश और यहां की जनता से बेहद प्यार करते हैं यही कारण है कि हिमाचल में मोदी सरकार के कार्यकाल में विकास के नये आयाम स्थापित हुए हैं। कहा कि यदि मोदी ने पूरे देश में 100 प्रतिशत विकास करवाया है तो हिमाचल में इस पैमाने की दर 150 प्रतिशत रही है।

छठे चरण में शिकायतों की भरमार, कहीं ईवीएम खराब, कहीं मतदान बहिष्कार

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

लोकसभा चुनाव-2024 के तहत यूपी की 14 सीटों पर हो रहे छठे चरण के चुनाव में भी सुबह से ही शिकायतों की भरमार रही। कहीं ईवीएम की खराबी तो कहीं से मतदान बहिष्कार की खबरें सुर्खियों में रहीं। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल लगातार आयोग से शिकायतें कर खामियों को दूर करने की मांग करते रहे। प्रयागराज में सोरांव विधान सभा के मऊआइमा विकास खंड के तहत प्राइमरी स्कूल इस्माइलपुर के दोनों बूथों पर 18 मिनट की देरी से मतदान शुरू हो पाया। इस दौरान सैकड़ों मतदाता कतार में खड़े इंतजार करते रहे। बताया गया कि यहां मतदान कर्मी बैलेट मशीन को यूनिट से नहीं जोड़ पा रहे थे।

सड़क नहीं तो वोट नहीं, किया बहिष्कार

सिद्धार्थनगर की डुमरियागंज सीट पर बूथ संख्या 159 पर लोगों ने मतदान बहिष्कार कर दिया। यहां 365 महिला और 440 पुरुष वोटर हैं। पोखरा काजी गांव के लोगों ने 'सड़क नहीं तो वोट नहीं' का नारा लगाते हुए चुनाव का बहिष्कार कर दिया। इसी प्रकार नसीरापुर बूथ में भी कई मतदाताओं ने अपनी समस्याओं को लेकर मतदान का बहिष्कार किया। इस दौरान कई मतदाता बिना मतदान किए वापस लौट गए।

पीठासीन अधिकारी की तबीयत हुई खराब : इस बीच 310 बस्ती सदर के सेक्टर दो के बूथ नंबर 58 पर पीठासीन अधिकारी 3 की तबीयत अचानक खराब होने पर उन्हें तुरंत एम्बुलेंस बुलाकर अस्पताल भिजवाया गया।

छठे चरण की वोटिंग के बाद 486 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद

धर्मेंद्र प्रधान, मनोहर लाल खट्टर, मनोज तिवारी, कन्हैया कुमार और महबूबा मुफ्ती

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में यूपी समेत छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेश की कुल 58 सीटों पर शनिवार को हुए मतदान के बाद 486 सीटों पर मतदान पूरा हो गया। चुनाव के 6 चरणों में राजनीति के घाघ कहलाने वाले नेताओं का भविष्य ईवीएम में कैद हो गया है जिसका खुलासा 4 जून को होगा कि कौन अर्श पर पहुंचा और कौन फर्श पर गिरा। छठे चरण के साथ ही लड़ाई मुख्य रूप से देश की सत्ता के केंद्र यानी दिल्ली और उसके पड़ोसी राज्य हरियाणा में केंद्रित हो गई है। यहां सत्तारूढ़ भाजपा का काफी कुछ दांव पर लगा है और कांग्रेस या विपक्ष के पास खोने के लिए कुछ खास नहीं है। पिछले चुनाव में भाजपा को हरियाणा की सभी 10 और दिल्ली की सभी 7 सीटों पर जीत मिली थी और उसने क्लीन स्वीप किया था।

हरियाणा-दिल्ली का चुनाव बेहद दिलचस्प

ऐसे में इस चरण की लड़ाई बेहद दिलचस्प बन गई है। इस बार हरियाणा और दिल्ली में परिस्थितियां कुछ अलग हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन में चुनाव लड़ रही हैं। हरियाणा में आप एक सीट और दिल्ली में चार सीटों पर, शेष सभी सीटों पर कांग्रेस लड़ रही है। वहीं, हरियाणा में भाजपा सरकार से हाल ही में तीन निर्दलीय विधायक अलग हुए हैं। दुष्यंत चौटाला की पार्टी जननायक जनता पार्टी पहले ही सरकार से अलग हो गई है।

1 जून को 7वें और अंतिम चरण में 8 राज्यों की 57 सीटों पर होगा मतदान

चुनावी रण के अंतिम चरण में मोदी सहित कई बड़े दिग्गजों के भाग्य का होगा फैसला

लोकसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया 19 अप्रैल से प्रारंभ होने के बाद 25 मई शनिवार को इस महासंग्राम का छठा चरण पूरा हुआ। इसी के साथ अब लोकसभा चुनाव 2024 अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ गया है। लोकसभा चुनाव के 7वें और अंतिम चरण में एक जून, शनिवार को वोट डाले जाएंगे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

8 राज्यों की शेष 57 सीटों के लिए मतदान होगा। अंतिम चरण में कुल 904 उम्मीदवार मैदान में हैं। गौरतलब है कि 1 जून को होने वाले मतदान का यह सातवां चरण इस लोकसभा चुनाव की वोटिंग का अंतिम चरण है। इसके बाद 4 जून को वोटों की गिनती प्रारंभ होगी।

मोदी, रविकिशन, कंगना, अनुराग सहित कई दिग्गज मैदान में

इस चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गोरखपुर से भोजपुरी स्टार रवि किशन, हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से बीजेपी प्रत्याशी कंगना रनौत, कांग्रेस से विक्रामादित्य सिंह, हमीरपुर से केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और बिहार की पटना साहिब से भाजपा के रविशंकर प्रसाद सहित तमाम दलों को कई दिग्गज मैदान में हैं।

सबसे अधिक 328 प्रत्याशी पंजाब में

अगर यह देखा जाए कि 8 राज्यों में सबसे अधिक उम्मीदवार कहां है तो पता चलेगा कि पंजाब की 13 सीटों के लिए 328 उम्मीदवार अपना दावा ठोंक रहे हैं। उत्तर प्रदेश की शेष 13 सीटों पर 144 प्रत्याशी मैदान में हैं। बिहार की 8 सीटों पर 134 उम्मीदवार, ओडिशा की 6 सीटों पर 66, झारखंड की तीन सीटों के लिए 52, हिमाचल प्रदेश की चार सीटों के लिए 37, पश्चिम बंगाल की 9 सीटों के लिए 124 और चंडीगढ़ की एक सीट पर 19 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

इन सीटों पर होगा मतदान

लोकसभा चुनाव के 7वें चरण में बिहार में नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट और जहानाबाद सीट के लिए वोट डाले जाएंगे। झारखंड की राजमहल, दुमका और गोड्डा सीट के लिए वोट डाले जाएंगे। बता दें कि 1 जून, शनिवार को 7वें चरण में हिमाचल प्रदेश की सभी चार सीट कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर और शिमला लोकसभा सीट पर वोट डाले जाएंगे।

इन राज्यों की इतनी सीटों पर होगा मतदान

लोकसभा चुनाव के 7वें और अंतिम चरण में बिहार, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की शेष सीटों पर चुनाव होगा। इन 8 राज्यों की 57 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग को कुल 2105 नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे। जांच और नाम वापस लेने के बाद अब 904 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं।

नामांकन हुए थे 2105 मैदान में 904 प्रत्याशी

चुनाव आयोग के अनुसार लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें चरण में होने वाले मतदान के लिए 08 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 57 संसदीय क्षेत्रों के लिए कुल 2105 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। सभी 08 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए चरण 7 के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 मई, 2024 थी। दाखिल किए गए सभी नामांकनों की जांच के बाद 954 नामांकन वैध पाए गए। नाम वापसी के बाद मैदान में 904 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

किस राज्य से कितने नामांकन मिले

चरण 7 में, पंजाब में 13 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों से अधिकतम 598 नामांकन फॉर्म थे, इसके बाद उत्तर प्रदेश में 13 संसदीय क्षेत्रों से 495 नामांकन थे। बिहार के 36-जहानाबाद संसदीय क्षेत्र से सर्वाधिक 73 नामांकन पत्र प्राप्त हुए, इसके बाद पंजाब के 7-लुधियाना संसदीय क्षेत्र से 70 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। 7वें चरण के लिए एक संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 16 है।

बिहार में गरजे पीएम मोदी

सारे शहजादों का शटर गिरने वाला है, चार जून को बंटेंगे मनेर के लड्डू

एजेंसी ▶▶| बक्सर

पीएम नरेंद्र मोदी बिहार में चुनाव प्रचार करने के लिए बक्सर पहुंचे। मोदी ने भोजपुरी भाषा में बक्सर के लोगों को प्रणाम किया। कहा कि अब साफ दिख रहा है कि सारे शहजादों का शटर गिरने वाला है।

बिहार के शहजादे अब आराम से जमानत और अमानत का काम देखेंगे। कांग्रेस के शहजादे ने भी छुट्टियों की तैयारी भी शुरू कर दी है। यूपी के शहजादे को तो शायद सदमा लग गया होगा। कल कह रहे थे कि बनारस में मोदी चुनाव हारने वाला है। इतना ही नहीं इन्होंने यह भी कह दिया कि यूपी में

80 के 80 सीटें इंडी गठबंधन के लोग जीत रहे हैं। यूपी के शहजादे भाषण में यह बात बोल रहे थे। बार-बार साइकिल पंचर होने का सदमा लग गया या फिर कांग्रेस के शहजादे की संगत में आ गए उन्हें ऐसी संगत से बचना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि चार जून को बिहार में मनेर के लड्डू बटेंगे।

कांग्रेस देश को अपनी जागीर समझ रही है

पीएम नरेंद्र मोदी ने राजद, कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले हर यज्ञ में विघ्न डालने वाले लोग हैं। यह लोग राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में नहीं आए। कांग्रेस देश को अपनी जागीर समझ रही है। वह शहजादे को ही अपना वारिस मानते हैं। इंडी गठबंधन वाले कहते हैं कि पांच साल में पांच प्रधानमंत्री बनेंगे। भ्रष्टाचार इनके संस्कारों में इतना घुस चुका है कि यह लोग देश को भी लूटना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी पर साधा निशाना

महंगाई और बेरोजगारी पर कुछ नहीं बोलते प्रधानमंत्री : प्रियंका

एजेंसी ▶▶| गोरखपुर

इडिया गठबंधन की गोरखपुर में संयुक्त जनसभा में कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी बाड्रा ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर जम कर निशाना साधा। कहा कि लोकसभा चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री आज जनता के सामने आते है तो बेरोजगारी और महंगाई पर कुछ नहीं बोलते है। लेकिन संविधान बदलने की बात करते हैं। चेताया कि ये मताधिकार का अधिकार भी कमजोर कर देंगे। आह्वान किया कि ऐसी सरकार लाइए जो आपके लिए काम कर दिखाए। अपील किया कि जिस तरह से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने इस गठबंधन के साथ एकजुटता से काम किया है, उसी तरह इंडिया गठबंधन भी देश को

अच्छी सरकार देगा। प्रधानमंत्री मोदी के मुंह से कर्ज माफी शब्द नहीं निकलता।

देश में 70 करोड़ लोग हैं बेरोजगार

जनसभा में प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में 70 करोड़ लोग बेरोजगार हैं, यह 45 साल की सबसे बड़ी बेरोजगारी है। बेरोजगारी क्या होती है? महंगाई इस कदर की हर चीज महंगी हो गई।

इंडी गठबंधन सिर्फ मुद्दों की बात करता है

प्रियंका ने कहा कि प्रधानमंत्री संविधान की बात करते हैं लेकिन संविधान के प्रति आदर का भाव नहीं रखते। उनके प्रत्याशी संविधान बदलने की बात करते हैं। इंडिया गठबंधन सिर्फ मुद्दों की बात करता है। महिला, किसान, नौजवान के भविष्य की बात करते हैं। उन्होंने प्रियंका गांधी ने न्याय पत्र में घोषित पांच न्याय एवं 24 गारंटियों की जानकारी दी।

जिस लोकसभा में है मतदान का अधिकार उस क्षेत्र से है आप का प्रत्याशी मैदान में

पहला ऐसा चुनाव जब सोनिया, राहुल, प्रियंका और वाड्रा ने कांग्रेस को नहीं दिया वोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में दिल्ली की सात संसदीय सीट पर मतदान हुआ। देश के हर आम मतदाता की तरह भारत की सबसे पुरानी पॉलिटिकल फैमिली गांधी परिवार के लिए भी ये चुनाव बेहद खास है। यह पहला मौका है जब लोकसभा के चुनावों में गांधी परिवार ने अपनी पार्टी यानी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार को मतदान नहीं किया।

सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और उनके पति राबर्ट वाड्रा दिल्ली के मतदाता हैं। ये सभी राजनेता नई दिल्ली लोकसभा सीट पर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने पहुंचे थे।

दिल्ली में कांग्रेस के सिर्फ 3 उम्मीदवार

बता दें कि कांग्रेस इस बार दिल्ली में केवल तीन यानी उत्तर पूर्वी दिल्ली (कन्हैया कुमार), उत्तर पश्चिमी दिल्ली (उदित राज) और चांदनी चौक सीट (जय प्रकाश अग्रवाल) को उतारकर चुनाव लड़ रही है। दिल्ली में ये पहला ऐसा आम चुनाव है जिसमें आप, कांग्रेस ने बीजेपी के खिलाफ संयुक्त उम्मीदवार उतारा है।

दिल्ली की चार सीट से ये हैं आप के उम्मीदवार

दिल्ली की बची चार सीटों पर गठबंधन के उम्मीदवारों को जिताने की अपील राहुल गांधी ने भी की थी। आप के 4 कैंडिडेट की बात करें तो नई दिल्ली से सोमनाथ भारती, पूर्वी दिल्ली से कुलदीप कुमार, पश्चिमी दिल्ली से महाबल मिश्रा और दक्षिणी दिल्ली से सहीराम पहलवान चुनाव लड़ रहे हैं।

आम आदमी पार्टी व कांग्रेस मिलकर लड़ रहे चुनाव

दिल्ली में इंडी अलायंस के तहत आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस और आप दोनों के बीच हरियाणा और दिल्ली में समझौता है। ये पहला मौका है जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी 4 सीटों पर चुनाव लड़ रही है तो कांग्रेस मात्र तीन सीटों पर लड़ रही है। जबकि हरियाणा में कांग्रेस 9 और आम आदमी पार्टी एक सीट पर लड़ रही है।

समझौते के तहत आप को दी गई सीट

बीते कई आम चुनाव से कांग्रेस नई दिल्ली लोकसभा संसदीय सीट से अपने उम्मीदवार को मैदान में उतारती रही है लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। समझौते के तहत ये सीट आम आदमी पार्टी को दी गई। ऐसे में गांधी परिवार ने गठबंधन धर्म के तहत पहली बार आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार सोमनाथ भारती को वोट डाला होगा।

रायपुर, रविवार 26 मई 2024 | ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष तृतीया | वर्ष : 22, अंक : 307 | पृष्ठ : 12+4+4 = 20, मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दो सबसे महंगे खिलाड़ियों का जलवा

24.75 करोड़ — मिचेल स्टार्क, कोलकाता

मैच: 13 / विकेट: 15
स्ट्राइक रेट: 15.53
इकोनॉमी: 11.07
1 विकेट : 1.65 करोड़ का

20.05 करोड़ — पैट कमिंस, हैदराबाद

मैच: 15 / विकेट: 17
स्ट्राइक रेट: 20.82
इकोनॉमी: 9.29
1 विकेट : 1.20 करोड़ का

आईपीएल : पॉवर हिटर और पेसर चेन्नई में मचाएंगे तूफान
हैदराबाद और कोलकाता के बीच महामुकाबला आज

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

आईपीएल 2024 सीजन को दो फाइनलिस्ट मिल गए हैं और रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होना है। दोनों ही टीमों ने इस सीजन बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया है और अपने प्रभावी प्रदर्शन के दम पर कोलकाता और हैदराबाद तालिका में शीर्ष दो पर रही थी। आज के मैच में कोलकाता के पॉवर हिटर्स और हैदराबाद के पेसर के बीच रोमांचक मुकाबला खेला ▶▶ शेष पेज 4 पर

फ्री में देखें मैच

टॉस : शाम 7 बजे

मैच : शाम 7.30 बजे

स्टार स्पोर्ट्स करेगा प्रसारण

जियो सिनेमा पर लाइव रोमांच

जियो सिनेमा में इस मैच का प्रसारण हो रहा है। इस एप में लाइव मैच देखने के लिए आपको किसी तरह का शुल्क देने की आवश्यकता नहीं है। आप अपने फोन में जियो सिनेमा एप इंस्टॉल करके फ्री में आईपीएल का पहला मुकाबला देख सकते हैं।

स्पिनर को मिलेगी मदद

चेन्नई में स्पिनरों को मदद मिल सकती है। कोलकाता के पास सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती जैसे अनुभवी स्पिनर मौजूद हैं जो हैदराबाद के बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। वहीं, हैदराबाद के पास भी शाहबाज अहमद और अभिषेक शर्मा है जिन्होंने क्वालिफायर-2 में राजस्थान के खिलाफ जीत में अहम योगदान दिया था। राजस्थान के खिलाफ गेंद काफी स्पिन कर रही थी जिससे बल्लेबाज बड़े शॉट नहीं खेल पा रहे थे।

तीन हजार लीटर पेट्रोल-डीजल से भड़की आग, जांच के आदेश

गेम जोन में भीषण आग, ढह गया ढांचा
12 बच्चों समेत 27 जिंदा जल गए

एजेंसी ▶▶ राजकोट

गुजरात के राजकोट में टीआरपी गेम जोन में भीषण आग लग गई। आग लगने से ढांचा गया और 27 जिंदा जल गए। इसमें 12 बच्चे भी शामिल हैं। गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने 27 मौत की पुष्टि की है। आग कैसे लगी इसकी कोई जानकारी नहीं है। राज्य सरकार ने एसआईजी जांच के आदेश दिए हैं। इसके लिए पांच अफसरों की टीम बनाई गई है।

गुजरात सरकार मृतकों के परिवारों को 4 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपये मुआवजा देगी। इस संबंध में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर पूरे मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। वहीं, इस अग्निकांड पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, पीएम मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत सभी राजनीतिक हस्तियों ने दुख जाहिर किया है।

अधिकारियों ने बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे गेमिंग एक्टिविटी के लिए बनाए गए फाइबर डोम में आग लग गई थी। इसके बाद से खबर लिखे जाने तक टीआरपी गेम जोन में पांच घंटे बाद भी राहत और बचाव अभियान जारी था। राजकोट गेम जोन के संचालक, मालिक समेत 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सुभाष त्रिवेदी की अगुवाई में 5 अधिकारियों की एसआईटी जांच करेगी। सामने आया है कि इस गेमिंग जोन का मालिक युवराज सिंह सोलंकी है और नितिन जैन मैनेजर है। इन दोनों के अलावा पुलिस ने ▶▶ शेष पेज 4 पर

गेम जोन के पास नहीं था फायर डिपार्टमेंट का एनओसी

जांच के लिए एसआईटी गठित

गेम जोन अग्निकांड मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने एसआईटी जांच के आदेश दिए हैं। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सुभाष त्रिवेदी की अगुवाई में 5 अधिकारियों की टीम मामले की एसआईटी जांच करेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि, राजकोट में गेम जोन में आग लगने की घटना में शहर प्रशासन को तत्काल बचाव और राहत कार्य करने का निर्देश दिया गया है।

दबे लोग निकल नहीं पाए

भीषण आग के कारण ढांचा ढह गया और उसमें लोग दब गए। इसके कारण यह अग्निकांड और भयावह हो गया। ढांचे में दबे लोग निकल नहीं सके और उसमें से कई लोगों की जान चली गई। मरने वालों में 12 बच्चे भी शामिल हैं। जब आग लगी तब बच्चों सहित कई लोग खेल खेल रहे थे।

गेमिंग जोन को नहीं मिला था एनओसी

राजकोट गेम जोन दुर्घटना मामले में कलेक्टर ने कहा कि आग इलेक्ट्रिक कारणों से लगी थी। हालांकि मुख्य वजह अभी तक सामने नहीं आ सकी है। इस गेमिंग जोन को फायर विभाग की ओर से एनओसी नहीं मिला था।

सभी गेमिंग जोन को बंद करने का आदेश

आग लगने के बाद, राजकोट के पुलिस आयुक्त राजू भार्गव ने मीडियाकर्मियों को बताया कि आग लगने के कारण की जांच की जाएगी। शहर के सभी गेमिंग क्षेत्रों को परिचालन बंद करने के लिए एक संदेश जारी किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि, राजकोट में गेम जोन में आग लगने की घटना में शहर प्रशासन को तत्काल बचाव और राहत कार्य करने का निर्देश दिया गया है।

जप्पेमरका में दो, बेलपोच्चा जंगल में 1 नक्सली ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को लगातार सफलता मिल रही है। शनिवार को बीजापुर जिले के मिरतुर थाना क्षेत्र स्थित जप्पेमरका व कामकानार के जंगलो में हुए मुठभेड़ में जवानों ने दो महिला नक्सलियों को मार गिराया। वहीं सुकमा जिले के बेलपोच्चा के जंगल में जवानों ने एक माओवादी को मार गिराया। दोनों मुठभेड़ के बाद स्थल से भारी मात्रा में ▶▶ शेष पेज 4 पर

मौके से हथियार व विस्फोटक व भारी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद

- दो दिन में मारे गए 11 नक्सलियों की अब तक नहीं हुई शिनाख्त
- 12 बोर बंदूक, वायरलेस सेट, पिट्ठू, माओवादी वर्दी, दवाइयां बरामद

सुकमा में अज्ञात नक्सली का शव बरामद

शनिवार को सुकमा जिले के ग्राम बेलपोच्चा के जंगल और पहाड़ियों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया। सर्चिंग करने पर एक अज्ञात नक्सली का शव, शव के पास एक नग हथियार, बड़ी मात्रा में विस्फोटक और अन्य ▶▶ शेष पेज 4 पर

प. बंगाल में सबसे ज्यादा वोटिंग भाजपा उम्मीदवार पर बरसे पत्थर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव छठे चरण में छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 58 निर्वाचन क्षेत्रों में शनिवार को शाम 5 बजे तक 61.11 फीसदी प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के दौरान पश्चिम बंगाल में झाड़ग्राम से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार को भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

छठे चरण में 58 सीटों के लिए 61.11 फीसदी मतदान

राष्ट्रपति ने दिल्ली में किया मतदान

दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय मंत्रियों एस जयशंकर और हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली की मंत्री आतिशी, कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी और गौतम गंभीर ने वोट डाला।

नवजात की मौत, नहीं मिला शव वाहन

- बाइक पर शव ले गए परिजन
- पूर्व विधायक कमरो ने खड़े किए कई सवाल

बैकुंठपुर। कोरिया जिले के सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के दौरान एक नवजात शिशु की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। नवजात की मौत के बाद शव वाहन नहीं मिलने पर परिजन को बाइक में शव लेकर जाना पड़ा।

मेले में तीन व्यावसायियों की संदिग्ध मौत से हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

डिज्नीलैंड मेले में कपड़े का व्यवसाय करने वाले तीन युवकों की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। तीनों को पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत पर अस्पताल लाया गया था। मौत का कारण फूड प्वाइजनिंग या किसी भी विषैले जीव का काटना बताया जा रहा है।

- फूड प्वाईजनिंग की जताई जा रही आशंका, पीएम रिपोर्ट से होगा खुलासा

उल्लेखनीय है कि कुलदीप वस्त्रकार द्वारा पिछले कुछ दिनों से बुधवारी स्थित मैदान में डिज्नीलैंड मेले का संचालन किया जा रहा है। मेले में दुकान का संचालन करने वाले व्यवसायी रात में खुद भोजन बनाकर ▶▶ शेष पेज 4 पर

विषैले जीव के काटने के मिले निशान

सीन ऑफ क्राइम के वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. सत्यजीत कोसरिया ने अस्पताल जाकर तीनों युवकों के शव का निरीक्षण किया है। इसमें किसी विषैले जीव द्वारा काटने का निशान पाया गया। शव पर मिले निशान को देखते प्रथम दृष्टिया किसी विषैले जीव के काटने से मृत्यु होना प्रतीत होना पाया गया है। मृत्यु के स्पष्ट कारण की जानकारी के लिए पीएम के दौरान आवश्यक प्रदर्श परीक्षण हेतु एफएसएल भेजने सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है।

कांग्रेस जिनके साथ चुनाव लड़ रही वह उसके लिए भष्मासुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

इस चुनाव में नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और अन्य चुनावी मुद्दों पर वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय ने कहा कि 2024 का चुनाव इन्हीं के इर्दगिर्द ही है। देश की राजनीति में कांग्रेस को और मजबूती के साथ आगे आना चाहिए, लेकिन वो जिन दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, वह उसके लिए भष्मासुर साबित होंगे। श्री राय ने कहा कि विपक्ष अभी भी कमजोर है। विपक्ष के पास तालमेल और मुद्दों की कमी है। तो समझिए कि भाजपा को 2024 के चुनाव में 2019 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। उनसे *हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी* की हुई बातचीत के कुछ अंश प्रस्तुत हैं।

प्रश्न. तीन दशक के बाद भाजपा को 2014 में स्पष्ट जनादेश मिला। 2024 के चुनाव को कैसे देखते हैं?

उत्तर : 2014 के चुनाव को जनता ने लड़ा था, राजनीतिक पार्टियां पीछे रहीं। जब इसका चुनाव परिणाम आया तो यह संभावनाओं और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला रहा। 2024 को चुनाव अब तक हुए 17 चुनावों में से अलग चुनाव है। 2019 के चुनाव में मोदी को की लोकप्रियता के के आधार पर लड़ा गया था। यह उसी प्रकार है जैसे 1957 के चुनाव को जवाहर लाल नेहरू की लोकप्रियता के आधार पर लड़ा गया। उनकी लोकप्रियता 1952 के चुनाव की आपेक्षा अधिक थी। 1962 में उनकी लोकप्रियता में कमी आई। वैसे ही 2024 के चुनाव में मोदी की लोकप्रियता की अपेक्षा उनकी उपलब्धियों के आधार पर लड़ा जा रहा है। उन्होंने कई क्षेत्रों में काम किया। उसे इस चुनाव में भुनाने का प्रयास किया जा रहा है। चुनाव में विपक्ष कमजोर है। पहले इसमें 24 पार्टियां थीं, अब 22 ही रह गई हैं। विपक्ष के पास मुद्दों और तालमेल की कमी दिखती है। 1977 को चुनाव लोकतंत्र की बहाली के लिए लड़ा गया था। विपक्ष के महागठबंधन में केजरीवाल और ममता ने नीतिश कुमार को कन्वेनर नहीं बनने दिया। उन्होंने खड़गे को कन्वेनर बना दिया। एक-दूसरे के प्रति अविश्वास के चलते विपक्ष का गठबंधन कमजोर हो गया। इस चुनाव में मोदी की इमेज ही काफी है।

प्रश्न. नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़े जा रहे, फिर चुनाव में दागियों के लिए कालिन क्यों बिछाए जा रहे, अशोक चौहान जैसे लोगों को टिकट देकर?

उत्तर : ऐस निर्णयों से भाजपा वाले परेशान होंगे। जो सवाल आप उठा रहे हैं, उसका संबंध धर्म से है। राजनीति में विजय सत्य होता है। धर्म में सत्य विजय होता है। यह अति आत्मविश्वास की राजनीति है। कांग्रेस 1 लाख गांवों तक नहीं पहुंची और भाजपा 6.50 लाख गावों तक नहीं पहुंची, लेकिन मोदी के विचार वहां तक पहुंचे हैं। 2004 में जो पार्टी 182 सीट लेकर आई थी तब भाजपा सोच नहीं सकती थी पूर्ण बहुमत आएगा। 2019 में भाजपा कार्यकर्ताओं में जो उत्साह था वैसा अभी नहीं दिखा, इसका दूसरा पक्ष है कि लोगों ने मन बना लिया है।

प्रश्न. जो कहा से किया का नारा देने वाली भाजपा ने विदेशों से कालाधन लाने, नोटबंदी से भ्रष्टाचार रोकने, किसानों की आय दोगुनी करने, सीमाओं की सुरक्षा रखने की बात कहीं, क्या यह हो पाया?

उत्तर : भाजपा का वादों के प्रति कमिटमेंट है। विश्वनाथ प्रताप सिंह जब पीएम बने थे तो उन्होंने बोफोर्स की जांच और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने का वादा किया था। 11 माह उनकी सरकार रही। भ्रष्टाचार का राजनीतिकरण उनके समय में ही हुआ। मनमोहन सिंह के समय में ईडी और सीबीआई पीएमओ से नहीं 10 जनपथ से संचालित होते थे। कार्रवाई राजनीतिक रूप से तय होती थी। इस समय ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियां स्वतंत्र होकर कार्रवाई कर रही हैं।

प्रश्न. चुनाव में हिन्दू-मुसलमान को लेकर कौन से राजनीतिक दल अधिक कर रहा है।

उत्तर : मेरा अनुमान है था कि इस चुनाव में संविधान ही प्रमुख मुद्दा होगा। जो व्यक्ति संविधान को संगित मानता है। संविधान बनाने के बाद सब भूल गए। मोदी के आने के बाद संविधान दिवस मनाना शुरू किया गया। मोदी ने तो जवाब दिया कि आप लोगों ने ही हिंदू-मुसलमान शुरू किया। मनमोहन सिंह की सरकार थी तब सच्चर कमेटी बनाई। यह 1940 में विभाजन के समय बनी कमेटी की तरह धार्मिक आरक्षण का समर्थन किया। रंगनाथन कमेटी बनी तो उसने भी इसका समर्थन किया। यह कांग्रेस के छलावे को बताती हैं। आज सपा की ताकत ही कांग्रेस की ताकत हो गई है। यह उनके लिए भस्मासुर साबित होंगी।

प्रश्न : राहुल गांधी जातीय आधारित जनगणना को लेकर आने की पुरजोर वकालत कर रहे हैं, आप इसे कैसे देखते हैं?

उत्तर : जातीय आधारित जनगणना के बारे में जो लोग जानते हैं कि मनमोहन सरकार के समय जातीय आधारित सर्वे कराया गया। सर्वे में पांच हजार करोड़ रुपये बरबाद किए गए। राहुल, राजीव गांधी के पुत्र हैं। जिस तरह से राजीव अपने सलाहकारों से चलते थे। उनके कारण ही वे कई जगह फंसे। उनकी हत्या भी उनके सलाहकारों के द्वारा गलत सलाह के चलते हुई। तमिलनाडु के गर्वनर ने उनको यहां न आने की सलाह दी थी। 56 की उम्र में आज राहुल से शादी कब करेंगे पूछ रहे हैं, तो जल्द शादी करने की बात कहते हैं। उनकी बातों की कोई प्रामाणिकता नहीं है।

प्रश्न : मोदी देश में अपने कार्यकाल में काम करने के लिए जाते हैं। केजरीवाल को दिल्ली के संदर्भ में कैसे देखते हैं?

उत्तर : आम आदमी पार्टी की चर्चा होती है, तो मैं सोचता हूं कि आम का जो गुण होता है उसे देखना चाहिए। आम जब कच्चा होता है तो लोग उसका चटनी पीसते हैं, आचार डालते हैं। जब पक जाता है तो उसे चूस कर खाते हैं। आज आम आदमी पार्टी की स्थिति वैसी ही है। आम अब जब पक गया है, तो ईडी उसे चूस रही है। पार्टी ने मोहल्ल सभा और जो बड़े वादे किए थे उनके खिलाफ जो सबूत हैं, वो अब सामने आ रहे हैं। स्वाति मालीवाल की उसकी एक शुरूआत है। केजरीवाल पार्टी के प्रयोग को पूरे देश में करना चाहते थे, उसके पहले ही फंस गए।

प्रश्न: यह चुनाव मोदी के कंधों पर लड़ा जा रहा है। 417 सीटों पर नारा लेकर लड़ रहे हैं। क्या मोदी का मजबूत होना देश के लिए फायदेमंद है?

उत्तर : इस चुनाव का नेतृत्व मोदी कर रहे हैं, भाजपा एक मजबूत संगठन है। पहले चुनाव में व्यक्तित्व का राजनीति में महत्व दिया जाता था। 2024 के चुनाव के पहले पीएम प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़ा जाता था। भाजपा ने व्यक्ति केंद्रीय राजनीति नहीं की है।

प्रश्न : अब की बार 400 पार को लेकर क्या कहेंगे? कितनी सीटें भाजपा को मिल रही हैं? कांग्रेस कितनी मजबूत होगी?

उत्तर : 2019 से ज्यादा सीटें भाजपा को इस बार आएंगी। कांग्रेस अभी 44 सीटों पर है, उसे और मजबूत होना चाहिए। कांग्रेस को केरल से 14 सीटें मिली थी। बाकि सीटें पूरे देश से आई थी। कांग्रेस का मजबूत होना संसदीय लोकतंत्र के दो पहियों को चलने में अच्छी भूमिका निभा सकता है। कांग्रेस ने खड़गे को नेतृत्व देकर अच्छा किया, लेकिन उन्हें विजूफा बना कर रख दिया। आज सपा की ताकत ही कांग्रेस की ताकत है। भाजपा में जेपी नड्डा ने अनेक बार निर्णय लेकर साबित किया कि वे स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। अमित शाह ने भी उतनी ही स्वतंत्रता से अध्यक्ष रहते हुए काम किया।

रामबहादुर राय
डॉ.हिमांशु द्विवेदी

भाजपा को मिलेंगी 2019 से ज्यादा सीटें

विपक्ष अभी कमजोर है। विपक्ष के पास तालमेल और मुद्दों की कमी है। तो समझिए कि भाजपा को 2019 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस अभी 44 सीटों पर है, उसे और मजबूत होना चाहिए।

ख़तरे में विपक्षी दल हैं या संविधान?

सवाल
डॉ. भारत
राजनीतिक विश्लेषक

भारतीय संविधान राष्ट्र के मौलिक कानून के रूप में हमारे मूल्यों, सिद्धांतों और शासन के ढांचे का प्रतीक है। भारतीय संविधान अपने ऐतिहासिक संघर्षों, दार्शनिक आदर्शों और सामाजिक आकांक्षाओं की जड़ों के साथ लोकतंत्र, न्याय और समानता की ओर राष्ट्र की सामूहिक यात्रा को प्रदर्शित करता है। राजनीतिक रंगमंच के दिलचस्प दौर में अक्सर ऐसा देखा गया है कि कुछ विपक्षी राजनीतिक दल चुनाव के समय सामूहिक रूप से आवाज उठाते है कि संविधान ख़तरे में हैं। बिखरे हुए विपक्षी दलों की प्राथमिकताएँ और रणनीतियाँ अलग-अलग हैं, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सत्ता। संविधान को समर्पित और लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वाले भारतीय नागरिकों के लिए यह चिंता का विषय है। प्रश्न उठता है कि क्या इन दलों को अपना अस्तित्व खतरे में दिख रहा है? या इन दलों को अपना सियासी भविष्य तो अंधकार में नहीं दिख रहा है? जो वे देश के संविधान के खतरे में होने के नैरेटिव गढ़ते हैं। जागरूक जनता की राजनीतिक बुद्धिमत्ता को तो कोई भी दल कटघरे में खड़ा नहीं कर सकता।

दल लोगों का एक संगठित समूह होता है, जिसके सदस्य एक समान विचारधारा में विश्वास करते हैं या समान राजनीतिक दृष्टिकोण रखते हैं। एक तरफ व्यक्ति से बड़ा दल, दल से बड़ा देश, जैसी विचारधारा है तो दूसरी ओर सेवा से बड़ी सत्ता, सत्ता से बड़ा स्वार्थ जैसी विचारधारा है। "सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए, इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए"। सिद्धांतों के लिए अपनी सरकार की कुर्बानी देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की यह बात लोकतंत्र में हमेशा गूंजती है और एक प्रतिबद्ध नागरिक को इस पर विचार करने के लिए बाध्य करती है।

लोकतंत्र के कामकाज की रक्षा के लिए और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान और कानूनों द्वारा विभिन्न संस्थाएं बनाई गई हैं। इनमें एक स्वतंत्र न्यायपालिका शामिल है, जिसे मौलिक अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि कार्यपालिका और विधायिका बनी रहें। संविधान द्वारा उनके लिए निर्धारित शक्तियों की सीमा के भीतर कार्य करने की स्वतंत्रता है। भारत में संसदीय संप्रभुता और न्यायिक सर्वोच्चता के मध्य भी समन्वय स्थापित किया गया हैं, अर्थात भारतीय संविधान में विधि के निर्माण के लिए विधायिका के अधिकार और संवैधानिक सिद्धांतों के आलोक में इन विधियों की समीक्षा और व्याख्या करने के लिए न्यायपालिका की शक्ति के मध्य एक संतुलन बनाया गया है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और उसके लिए आवश्यक सभी चीजें सुनिश्चित करने के लिए एक चुनाव आयोग बनाया गया है। सार्वजनिक धन का उपयोग करने वाली सरकार के हर हिस्से की वित्तीय और प्रदर्शन लेखा परीक्षा करने के लिए एक नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की स्थापना की गई है। एक स्वतंत्र केंद्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना के लिए विशेष कानून बनाया गया है, जिसका काम न केवल लोक सेवकों को सतर्कता मंजूरी देना है, बल्कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई) के कामकाज की निगरानी करना और मुखबिर (व्हिसलब्लोअर) से शिकायतें प्राप्त करने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना है। आज खतरा किस-किस को है, किस-किस से है और क्यों है? यह एक खुला रहस्य प्रतीत होता है और शोर मचाने वालों के बारे में बहुत कुछ बताता है।

कहते हैं कि अपनी लड़ाई का अखाड़ा चुनने में बड़ी सतर्कता बरतनी चाहिए और बड़ा युद्ध जीतने के लिए छिटपुट लड़ाइयां हारनी भी पड़ती हैं। समझना कठिन है कि प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ को राजनीतिक रंग देने से विपक्ष को क्या लाभ मिलने वाला है?

अपने प्रतिष्ठित गेटीसबर्ग संबोधन में, अब्राहम लिंकन ने प्रसिद्ध वाक्य कहा था, लोगों की सरकार, लोगों द्वारा सरकार, लोगों के लिए सरकार आज के संदर्भ में परिवर्तित होकर विपक्ष के लिए "परिवार का दल, परिवार द्वारा दल, परिवार के लिए दल" के रूप में प्रचलित हो गया है। लोकतांत्रिक चरित्र खो चुके दल लोकतंत्र की रक्षा कैसे कर सकते हैं?

संविधान की नींव रखने वाले अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक और आज़ाद भारत के पहले विधि एवं न्याय मंत्री रहे बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर भारतीय संविधान की सामर्थ्य एवं सीमाओं से भी बखूबी अवगत थे। इस संदर्भ में उन्होंने कहा था संविधान का सफल या असफल होना उन लोगों पर निर्भर करेगा, जिन पर शासन चलाने का दायित्व है। वे इस बात से भी बखूबी परिचित थे कि संविधान ने राजनीतिक समानता तो स्थापित कर दी है, लेकिन सामाजिक और आर्थिक समानता हासिल करना बाकी है, जो राजनीतिक समानता को बनाए रखने लिए भी जरूरी है। इससे यह स्पष्ट है कि कौन ख़तरे में है।

भारतीय संविधान हमारे राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। भारत की जनता संविधान की रक्षा के लिए समर्थ है। 1975 की राष्ट्रीय आपातकाल का जवलंत उदाहरण हम सबके सामने है। संविधान कालजयी, भारतीय संस्कृति पर आधारित है अतः उस पर न तो कोई खतरा है और न ही कोई खतरा में डाल सकता है। संविधान ख़तरे में हैं कि आवाज़ उठाने वालों को "शेर आया - शेर आया" कहानी से से सबक लेते हुए कभी भी झूठ नहीं बोलना चाहिए। झूठ बोलने वालों पर कोई विश्वास नहीं करता है।

देश किसी एक जाति, संप्रदाय, नस्ल, वर्ग, भाषा और जमात का नहीं है। यह देश हिन्दू-मुसलमान या जैन-बौद्ध अथवा सिख-जट या पारसी-ईसाई आदि का भी नहीं है। यह देश हर भारतवासी का है। यह देश दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का भी है तथा अल्पसंख्यक, सवर्ण गरीबों का भी है। यह देश समस्त भारतीयों का है, लिहाजा सभी के दुख-सुख और हित में सोचना और नीतियां बनाना अनिवार्य है। विडंबना है कि इस बार के आम चुनाव में इस विविधता और व्यापकता पर कोई बहस नहीं की गई। सिर्फ मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा सबसे अधिक गूंजता रहा है। बंगाल में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 77 जातियों के ओबीसी प्रमाण-पत्र और उनकी मान्यता खारिज की है। इस फैसले से 5 लाख से अधिक ओबीसी प्रमाण-पत्र रद हुए हैं। हमारे संवैधानिक पुरखों ने एक व्यवस्था 10 साल के लिए तय की थी, ताकि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विषमताएं समाप्त की जा सकें, लेकिन आज़ादी के 77 साल बाद भी वह 'संवैधानिक कृपा' बरकरार है। संविधान के मुताबिक धर्म के आधार पर आरक्षण संभव ही नहीं है, ऐसे में वोटबैंक के लिए अगर कोई दल मुस्लिमों के लिए आरक्षण की संरचना में छेड़छाड़ करता है तो यह संविधान की भावना के खिलाफ है। सीएम ममता बनर्जी ने सरेआम मंच से कहा है कि मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। जो योजनाएं चल रही हैं, उनका फायदा ओबीसी आरक्षण के तहत मिलता रहेगा। वह अदालत का फैसला नहीं मानतीं। क्या यह अवमानना का अपराध नहीं है? वोट बैंक की यह राजनीति इसलिए भी की जाती रही है, क्योंकि मुसलमान मानसिकता के स्तर पर 'हिन्दू-विरोधी' हैं। धर्म के आधार पर आरक्षण का अवलोकन करता आजकल का यह अंक...

तुष्टिकरण के लिए आरक्षण असंवैधानिक

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

यह देश समस्त भारतीयों का है, लिहाजा सभी के दुख-सुख और हित में सोचना और नीतियां बनाना अनिवार्य है। विडंबना है कि इस बार के आम चुनाव में इस विविधता और व्यापकता पर कोई बहस नहीं की गई। सिर्फ मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा सबसे अधिक गूंजता रहा है। विपक्ष का समवेत स्वर रहा कि मुसलमानों को आरक्षण जरूर देंगे। मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था कोई संवैधानिक न्याय नहीं है। मदद उसकी की जानी चाहिए, जो विपन्न, वंचित और निरक्षर हैं, चाहे उनकी जाति और समुदाय कुछ भी हो। मेरा ही नहीं, यह अधिकांश देश का विनम्र आग्रह हो सकता है कि तुष्टिकरण के खिलाफ कोई संवैधानिक व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, लेकिन मौलिक अधिकार भी खंडित नहीं होने चाहिए।

यह देश किसी एक जाति, संप्रदाय, नस्ल, वर्ग, भाषा और जमात का नहीं है। यह देश हिन्दू-मुसलमान या जैन-बौद्ध अथवा सिख-जट या पारसी-ईसाई आदि का भी नहीं है। यह देश दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का भी है तथा अल्पसंख्यक सवर्ण गरीबों का भी है। यह देश समस्त भारतीयों का है, लिहाजा सभी के दुख-सुख और हित में सोचना और नीतियां बनाना अनिवार्य है। विडंबना है कि इस बार के आम चुनाव में इस विविधता और व्यापकता पर कोई बहस नहीं की गई। सिर्फ मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा सबसे अधिक गूंजता रहा है। विपक्ष के खेमे का लगभग समवेत स्वर रहा है कि मुसलमानों को आरक्षण जरूर देंगे। लालू यादव लालू यादव तो 100 फीसदी आरक्षण मुसलमानों को ही देने के पैरोकार हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च न्यायालय के फैसले के बाद सार्वजनिक ऐलान किया है कि मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी लगातार पलटवार करते रहे हैं कि वह मुस्लिम आरक्षण लागू नहीं होने देंगे। जब तक वह जिंदा हैं, तब तक दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का आरक्षण छिनने नहीं देंगे। प्रधानमंत्री चुनाव-प्रचार के दौरान यह मुद्दा शिद्दत से उठाते रहे हैं कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल वोट बैंक और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते आए हैं। उच्च न्यायालय का फैसला उनके गाल पर करारा तमाचा है।

धर्म पर आधारित आरक्षण 'संवैधानिक' नहीं

कलकत्ता उच्च न्यायालय की स्पष्ट व्याख्या है कि पश्चिम बंगाल में मुसलमानों या घुसपैठियों को ओबीसी बनाकर सूची में डाला गया और फिर आरक्षण सुनिश्चित कर 'वोट बैंक' तैयार कर लिया गया। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ के सामने यह मामला आया था, जिसमें ओबीसी की 77 जातियों या समूहों की पहचान और उनके वर्गीकरण को चुनौती दी गई थी। खंडपीठ ने कहा कि उन समुदायों का डाटा नहीं दिया गया है, जिनके आधार पर बंगाल सरकार मानती है कि राज्य सरकार की सेवाओं में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। एक समुदाय को सिर्फ पिछड़ेपन के आधार पर ओबीसी घोषित नहीं किया गया है, वे वैज्ञानिक और पहचान योग्य डाटा के आधार पर ओबीसी में हैं। समुदायों के अपर्याप्त प्रतिनिधित्व, जनसंख्या तथा अन्य अनारक्षित जमातों को भी शामिल करते हुए आकलन करना जरूरी है। दरअसल आरक्षण किसी का संवैधानिक मौलिक अधिकार नहीं है। हमारे संवैधानिक पुरखों ने एक व्यवस्था 10 साल के लिए तय की थी, ताकि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विषमताएं समाप्त की जा सकें, लेकिन आज़ादी के 77 साल बाद भी वह 'संवैधानिक कृपा' बरकरार है, विषमताएं भी मौजूद हैं, क्योंकि आरक्षण आज भी लागू है। बल्कि आरक्षण आज राजनीतिक हथियार बन चुका है। संविधान पीठ भी फैसला दे चुकी है कि धर्म पर आधारित आरक्षण 'संवैधानिक' नहीं है। कुछ राज्य सरकारों ने मुसलमानों को धार्मिक कोटा देने की जुर्रत की थी, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने उन्हें खारिज कर दिया। सिर्फ बिहार और बंगाल ही नहीं, मध्यप्रदेश, गुजरात, उप्र, केरल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्यों में भी कई-कई जातियों की आड़ में मुसलमानों को आरक्षण देने की व्यवस्था है। अदालत की आंख में धूल झोंकी गई है। कई राज्यों में तो भाजपा की सरकारें हैं। कुछ भी संवैधानिक नहीं है, फिर भी आरक्षण का चुग्गा फेंक कर मुस्लिम तुष्टिकरण और बंधक वोट बैंक की राजनीति खेली जा रही है। मुसलमानों की आड़ में बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या सरीखी देश-विरोधी गतिविधियां भी जारी हैं। यह कड़ा आदेश मुख्यमंत्रियों को भी दिया जाना चाहिए कि ऐसे वोट बैंक असंवैधानिक हैं, लिहाजा देश में एनआरसी भी अनिवार्य की जानी चाहिए।

अदालत ने रद किया आरक्षण

बंगाल में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 77 जातियों के ओबीसी प्रमाण-पत्र और उनकी मान्यता खारिज की है। इस फैसले से 5 लाख से अधिक ओबीसी प्रमाण-पत्र रद हुए हैं। अधिकतर जातियां मुस्लिम थीं, जिन्हें ओबीसी सूची में डालकर आरक्षण दिया जा रहा था। यह सिर्फ ममता बनर्जी ने ही नहीं किया, बल्कि पूर्ववर्ती वाममोर्चा सरकार ने 2010 में ओबीसी-ए और ओबीसी-बी के तहत अतिपिछड़ों और पिछड़ों की नई श्रेणियां बनाई थीं और 53 जातियों को ओबीसी सूची में डाला था। अधिकांश जातियां मुस्लिम थीं। चूंकि 2011 में वाममोर्चा सरकार चली गई, लेकिन नई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन श्रेणियों को कमोबेश बरकरार रखा। इस संबंध में 2012 में कानून भी बना दिया गया। अदालत ने 42 जातियों को ओबीसी बनाने के सरकारी फैसले को रद किया। उनमें 41 मुस्लिम जातियां थीं। 2022 में ममता बनर्जी ने 35 नई जातियां जोड़ी, जिनमें 33 मुस्लिम थीं। ममता सरकार द्वारा कानून बनाने से 92 फीसदी मुस्लिम आबादी को ओबीसी आरक्षण का लाभ मिला है। आरक्षण 7 फीसदी से बढ़ाकर 17 फीसदी तक कर दिया गया। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च, 2010 से 11 मई, 2012 तक जारी किए गए ओबीसी प्रमाण-पत्रों को रद किया है। इससे कुल 77 जातियां प्रभावित होंगी, जिनमें से 71 जातियां मुस्लिम हैं। हालांकि जो पहले ही ऐसे आरक्षण का लाभ ले चुके हैं अथवा भर्तियों में चयन हो चुका है, वे फैसले से अप्रभावी रहेंगे। सवाल है कि क्या देश की सरकारों का सिर्फ मुसलमानों ही चिन्ता है? अन्य जातियों के लोग भी नागरिक हैं और करों के भुगतान करते हैं, उनकी चिन्ता कौन करेगा?

अभियान चलाए सरकार

अब तो कुछ दिनों के बाद नई सरकार भारत में बनेगी, लिहाजा वोट बैंक की चिन्ताएं कम होंगी, लिहाजा भारत सरकार ऐसा अभियान चलाए, ताकि अवैध घुसपैठियों को देश से बाहर किया जा सके। हम पूरा दोष घुसपैठियों को या वोटबैंक के तुष्टिकरण को ही नहीं दे सकते, क्योंकि देश में ही कांग्रेस पूरी तरह 'मुस्लिमवादी' रही है। वाम और तृणमूल भी कांग्रेस की ही तरह 'मुस्लिमवादी' हैं। मुस्लिमवादियों के अपने कुतर्क हैं। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने ही 2004 में जस्टिस रंगनाथ मिश्र आयोग गठित किया था। उसने 2007 में मुसलमानों को ओबीसी आरक्षण देने की सिफारिश की थी। जस्टिस रंगनाथ मिश्र देश के प्रधान न्यायाधीश रह चुके थे। फिर उन्होंने मुसलमानों को आरक्षण देने की अनुशंसा कैसे की? यह तो पूरी तरह 'असंवैधानिक' है। ओबीसी आरक्षण का रास्ता रंगनाथ मिश्र आयोग ने ही दिखाया था। मुसलमानों के लिए ही सच्चर कमेटी का गठन किया गया। यूपीए सरकार के तहत अलग से 'अल्पसंख्यक मंत्रालय' भी बनाया गया, जिसका फोकस मुसलमानों पर ही रहा है। उस दौर में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का विवादास्पद् बयान भी सामने आया कि देश के संसाधनों पर पहला दावा और अधिकार खासकर अल्पसंख्यक मुसलमानों का है। 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी का 2012 का एक वीडियो बेनकाब किया है, जिसमें राहुल मुस्लिम आरक्षण का दावा ठोंकते देखे और सुने जा सकते हैं। सवाल है कि इन सरकारों को महज मुसलमानों के ही दुखड़े और अभाव क्यों दिखाई देते हैं? देश में ऐसे असंख्य चेहरे हैं, जो सवर्ण हैं, लेकिन बेहद गरीब और पिछड़े हैं। उनके लिए आयोगों के गठन नहीं किए गए। यह तो संविधान के मौलिक अधिकारों का ही हनन है। तमाम सरोकार और कार्यक्रम मुस्लिम सम्मत क्यों रहे हैं? क्या भारत सिर्फ उन्हीं का देश है?

अब अल्पसंख्यक नहीं

मुस्लिमों की करीब 15 फीसदी आबादी है। हकीकत में वे अब अल्पसंख्यक नहीं हैं बंगाल, तमिलनाडु, केरल, बिहार आदि राज्यों में कई जिले और इलाके आज ऐसे हैं, जहां मुसलमान बहुसंख्यक हैं और हिन्दू समुदाय अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं। देश में जैन, बौद्ध, ईसाई की आबादी 1 फीसदी से कम है। पारसी देशभर में 57,000 बताए जाते हैं। यह 85 फीसदी आबादी क्या हाथ मलती रहे? चूंकि वे एक सशक्त, मजबूत और लामबंद वोट बैंक नहीं है, लिहाजा उनकी परवाह क्यों की जाए? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सरेआम मंच से कहा है कि मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। जो योजनाएं चल रही हैं, उनका फायदा ओबीसी आरक्षण के तहत मिलता रहेगा। वह अदालत का फैसला नहीं मानतीं। क्या यह अवमानना का अपराध नहीं है? क्या मुख्यमंत्री इतना निरंकुश और मुस्लिमवादी हो सकताहै? वोट बैंक की यह राजनीति इसलिए भी की जाती रही है, क्योंकि मुसलमान बुनियादी, वैचारिक और मानसिकता के स्तर पर 'हिन्दू-विरोधी' हैं, लिहाजा भाजपा-संघ के विरोधी भी हैं, नतीजतन वे उसे ही वोट देना तय करते हैं, जो भाजपा प्रत्याशी को पराजित कर सके या कमोबेश मुकाबला कर सके। हालांकि अब मुसलमानों में भी अपवाद उभर रहे हैं। कुल मिलाकर मुस्लिम आरक्षण की व्यवस्था कोई संवैधानिक न्याय नहीं है। मदद उसकी की जानी चाहिए, जो विपन्न, वंचित और निरक्षर हैं, चाहे उनकी जाति और समुदाय कुछ भी हो। मेरा ही नहीं, यह अधिकांश देश का विनम्र आग्रह हो सकता है कि बंधक वोट बैंक और तुष्टिकरण के खिलाफ कोई संवैधानिक व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, लेकिन मौलिक अधिकार भी खंडित नहीं होने चाहिए।

800 साल से अजेय है ये किला, कभी कारागार की तरह हुआ इसका उपयोग

एजेंसी ▶▶| लंदन

आपने दुनिया में किले तो बहुत देखे होंगे, लेकिन अनोखे किले बहुत कम हैं। इसी तरह का एक किला यूरोप के नॉर्वे के ओस्लो का अकेर्सस किला है। 800 से भी ज्यादा साल पुराना होने के साथ इसके साथ कई खासियतें जुड़ी हुई हैं। सबसे सुरक्षित माना जाने वाला किला आज तक जीता नहीं जा सका है। जबकि एक समय यह एक कैदखाने में बदल दिया गया है। आज नॉर्वे के शीर्ष पर्यटन स्थलों में से एक है।

अगर आपको किले देखना पसंद है, आप ओस्लो जाएं तो अकेर्सस किले पर ध्यान दिए बिना वहां से नहीं गुजर सकते हैं। यह शानदार महल और किला ओस्लोफजॉर्ड के तट पर स्थित है और इसने इस देश के इतिहास में एक खास भूमिका निभाई है। किला कहिए या महल, इसकी खूबियां हैरान करने वाली हैं। आज यह ओस्लो के सबसे अनोखे टूरिस्ट इलाकों में से एक माना जाता है

ऐसा माना जाता है कि अकेर्सस किले का निर्माण 1290 के दशक के अंत में राजा हाकोन वी ने करवाया था। इसका निर्माण 1287 में ओस्लो पर हुए नॉर्वे के एक रईस, अर्ल अल्व एर्लिंगसन के पहले हमले के जवाब में किया गया था। हमले के बाद, यह साफ हो गया था कि शहर की मौजूदा सुरक्षा प्रभावी नहीं थी और इसलिए, एक मजबूत रक्षात्मक केंद्र चाहिए था।

शानदार कुदरती नजारों के लिए है मशहूर

इस किले को कभी जीता नहीं जा सका

इस किले की खास बात यह है कि यह दुनिया के उन चुनिंदा किलों की सूची में शामिल है जिन्हें कभी जीता नहीं जा सका। इस पर स्वीडन की शक्तिशाली सेना ने कई बार हमला किया, लेकिन किला सभी घेराबंदी से सफलतापूर्वक बचाया जाता रहा। 1940 तक, कोई भी विदेशी शत्रु इस पर कभी भी ताकत से कब्जा नहीं तक सका है। वह रिकॉर्ड तभी टूटा है जब किले ने बिना युद्ध के नाजी आक्रमणकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

शाही निवास रहा है

अकर्सहस किला 14वीं शताब्दी से ओस्लो, नॉर्वे में एक अहम गढ़ और शाही निवास रहा है। सदियों से, किंग क्रिस्चियन सहित विभिन्न हस्तियों ने अकर्सस किले पर अपनी छाप छोड़ी। 17वीं और 18वीं शताब्दी में इसे उपेक्षा का सामना करना पड़ा। काफी लंबे समय तक, यह किला एक जेल के रूप में भी काम करता रहा। कई मशहूर अपराधियों ने यहां अपनी सजा काटी। थोड़े समय के लिए, जेल में राजनीतिक कैदियों के लिए कालकोठरी भी थी।

रक्षा मंत्रालय के लिए है अहम जगह

अकर्सहस किले में देखने के लिए बहुत कुछ है। महल में मध्ययुगीन राजघरानों के सदस्यों के रहने वाले क्वार्टर से लेकर सीलन भरी कालकोठरियां और महल चर्च, जो अब एक सैन्य चर्च है, सब कुछ समेटे हुए है। अकर्सहस किला सशस्त्र बल संग्रहालय और नॉर्वे के प्रतिरोध संग्रहालय का भी घर है, जो नाजी कब्जे के साथ इलाके के संबंधों को देखते हुए खास अहमियत रखता है। अकर्सहस किला अभी भी नॉर्वे के रक्षा मंत्रालय के लिए एक अहम जगह बन चुका है। इसमें रक्षा संग्रहालय के साथ शाही समाधि है। 2011 में आतंकवादी हमलों के बाद से, यह नॉर्वे के प्रधान मंत्री के कार्यालय के रूप में कार्य कर रहा है। महल की मुख्य इमारत के मरम्मत के बाद, इसे अक्सर आधिकारिक कार्यक्रमों और डिनर आदि के आयोजन के लिए उपयोग किया जाता रहा है।

तरकश

-संजय के. दीक्षित

डीजीपी को एक्सटेंशन?

ठीक ही कहा गया है...वक्त बलवान होता है। वरना, विधानसभा चुनाव के दौरान बीजेपी वाले मिश्राजी हर तीसरे दिन डीजीपी अशोक जुनेजा की शिकायत लेकर चुनाव आयोग पहुंच जाते थे। तब यह स्पष्ट था कि बीजेपी की सरकार बनी तो डीजीपी बदल दिए जाएंगे। बीजेपी के आने के बाद माहौल बना भी। मीडिया में रोज ही खबरें...जुनेजा की विदाई का कभी भी आदेश निकल सकता है। नए डीजीपी के लिए राजेश मिश्रा से लेकर स्वागत दास जैसे कई नाम दौड़े। स्वागत दास के रायपुर आने की खबर भी एक रोज सोशल मीडिया में वायरल हो गई थी। मगर वक्त का खेल देखिए...दो महीना में ग्रह-नक्षत्र ऐसा बदला कि अब जुनेजा के एक्सटेंशन देने की अटकलें शुरू हो गई है। चर्चाओं को इस बात से बल मिल रहा कि बस्तर में सिक्यूरिटी फोर्सेज को जिस तरह की कामयाबी मिली है, उसमें राज्य सरकार अगर मिनिस्ट्री ऑफ होम को प्रस्ताव भेजे तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भला क्यों मना करेंगे। बस्तर में दो महीने में 50 से अधिक नक्सली मारे गए हैं। लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर अमित शाह तक इसे इनकैश किया है। हालांकि, जुनेजा को रिटायरमेंट के बाद करीब सवा साल का एक्सटेंशन मिल चुका है। जुनेजा अगर डीजीपी नहीं होते तो पिछले साल जून में रिटायर हो गए होते। वैसे तो वे सितंबर 2022 में प्रभारी डीजीपी बन गए थे। मगर 5 अगस्त 2022 को उन्हें रेगुलर डीजीपी बनाया गया। रेगुलर डीजीपी को दो साल का कार्यकाल दिया जाता है। लिहाजा, आने वाले 4 अगस्त को उनका कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। चूकि बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई चल रही है। सरकार में बैठे लोग भी बस्तर में नक्सलियों को उनके मांद में घुसकर मारने में जुनेजा को क्रेडिट दे रहे। दूसरा, सरकार जुनेजा के बाद उनके विकल्पों पर भी अश्वस्त नजर नहीं आ रही। इस स्थिति में, जुनेजा के एक्सटेंशन की चर्चाओं को हवा में नहीं उड़ाया जा सकता।

किधर हैं...8 मिनिस्टर?

लोकसभा चुनाव का ऐलान होने के बाद से विष्णुदेव सरकार के 11 में से आठ मंत्रियों का कहीं कोई पता नहीं चल रहा है। पूरे चुनाव के दौरान तीन ही मंत्री पब्लिक डोमेन में दिखाई पड़े। दोनों डिप्टी सीएम अरुण साव और विजय शर्मा और तीसरे हाई प्रोफाइल मंत्री ओपी चौधरी। दरअसल, लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहिले कुछ मंत्री डिरेल्ड होते-होते बचे। रही-सही कसर पार्टी के प्रदेश प्रभारी नीतिन नबीन ने पूरी कर डाली। नीतीन ने सभी मंत्रियों को चेता दिया था कि लोकसभा चुनाव में मंत्रियों के इलाके में गड्ढा हुआ तो फिर खैर नहीं! अब मंत्री पद का सवाल है तो फिर इसके बाद कहां कुछ सूझता है। आठों मंत्री अपने इलाके में ही सिमटे रहे। हालांकि, छत्तीसगढ़ में वोटिंग हुए पखवाड़ा भर से ज्यादा हो गया है इसके बाद भी इन आठ मंत्रियों का कुछ पता नहीं चल रहा। मन में कहीं डर ज्यादा तो नहीं बैठ गया है।

भूपेश और विजय

छत्तीसगढ़ में ब्राम्हण मंत्रियों के लिए तरक्की के लिए कुछ खास गुंजाइश नहीं है। बावजूद इसके, डिप्टी सीएम विजय शर्मा पीछे नहीं रहते। तेवर तो उनके पास है ही, किस्मत भी उनकी भरपूर साथ दे रही है। नक्सल मोर्चे पर जो पिछले दो दशक में नहीं हुआ, वह दो महीने में हो गया। केंद्र के साथ नक्सल प्रभावित 12 राज्यों की नजरें छत्तीसगढ़ पर है कि किस तरह बस्तर में माओवादियों का खात्मा किया जा रहा है। रही बात सियासी मोर्चे की तो विजय फ्रंटफुट पर आकर खेल रहे हैं। नक्सलियों को बातचीत के ऑफर देने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विजय शर्मा के बीच आमने-सामने की स्थिति है। चलिये ठीक है...मुख्यमंत्री रहते भूपेश बघेल ने पिछले पांच साल तक रमन सिंह के नाम को जीवंत रखा और अब विजय शर्मा से भिड़कर उनका कद बढ़ा रहे हैं।

नो शक्ति केंद्र, नो परिक्रमा

अप्रैल तक सरकार को स्लो...पिछली बार से कुछ खास फर्क नहीं...कहने वाले लोग चकित हैं कि सिस्टम अचानक इतना तेजी से एक्शन मोड में कैसे आ गया। पिछले 15 दिन में सरकार में कई ऐसी चीजें हुई हैं...कई ऐसे आदेश जारी हुए हैं, जिससे एक मैसेज गया है। पहली बार स्कूल शिक्षा जैसे सबसे उपेक्षित रहे विभाग में सुधार की बातें हो रही। विभागों में विजिलेंस सेल का गठन किया जा रहा है। शिकायतों की मानिटरिंग के लिए सरकार ने नोडल अफसरों की नियुक्ति के साथ अपीलीय सिस्टम बना दिया है। जाहिर है, सरकार के बदलते तेवर से ब्यूरोक्रेसी हैरान और स्तब्ध है। जीएडी सिकरेट्री मुकेश बंसल रोज एक आदेश टपका दे रहे। कलेक्टरों की एकाउंटबिलिटी तय की जा रही। ऐसे में, नौकरशाहों की पीड़ा समझी जा सकती है। बहरहाल, ब्यूरोक्रेट्स हवा का रुख भांपने में बड़े तेज होते हैं...शक्तिकेंद्र की पहचान कर परिक्रमा चालू करने में विलंब नहीं करते। मगर दिक्कत यह है कि शक्ति वाले अफसरों को न तो शक्तिशाली कहाने में दिलचस्पी है और न ही वे परिक्रमा पसंद कर रहे। एक कप ब्लैक कॉफी पीजिए और काम की बातें कर निकल लीजिए। इससे नौकरशाही की परेशानी समझी जा सकती है। कांग्रेस की सरकार हो या फिर बीजेपी की...अधिकांश अफसरों ने परिक्रमा ही तो किया है।

भूपेश की योजनाएं...

पिछली सरकार की कई योजनाएं भी अच्छी थी। मसलन, नरवा, गड़वा, घुरवा बाड़ी में नरवा और बाड़ी अल्टीमट बोल सकते हैं। नरवा का काम अगर गति पकड़ लेता तो छत्तीसगढ़ के वाटर लेवल और सिंचाई में कुछ और बात होती। वहीं, सुपोषण के लिए हर घर में एक बाड़ी तो होनी ही चाहिए, जिसमें आम आदमी काम लायक सब्जियां उपजा सके। स्कूल शिक्षा में आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल का कंसेप्ट भी अच्छा था। मगर सरकार का क्रियान्वयन और मानिटरिंग की कोई व्यवस्था नहीं थी। उपर में न कोई देखने वाला था कि कहां क्या हो रहा और क्या करना है। इस चक्कर में भूपेश बघेल की अच्छी योजनाओं ने दम तोड़ दिया या फिर नेताओं और अफसरों के लूट-खसोट का जरिया बनकर रह गई। पराकाष्ठा तो यहां तक हो गई कि आत्मानंद जैसे पवित्र आत्मा के नाम पर खोले गए स्कूलों की खरीदी में कलेक्टरों ने लूट मचा दिया। विष्णुदेव सरकार में फर्क यह है कि इस समय लगातार मानिटरिंग हो रही या मानिटरिंग का सिस्टम बनाया जा रहा है। और जाहिर सी बात है कि बिना मानिटरिंग कुछ होता नहीं।

डीडी सिंह या संजय अलंग?

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राज्य सरकार को पहली नियुक्ति राज्य निर्वाचन आयोग के कमिश्नर की करनी होगी। छत्तीसगढ़ में यह संवैधानिक आयोग विधानसभा चुनाव के पहले से खाली है। फिर सामने नगरीय निकाय चुनाव है। करीब तीन-चार महीने बाद ही इसकी प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त रिटायर चीफ सिकरेट्री या उसके समकक्ष किसी अफसर को बनाया जाता है। मगर छत्तीसगढ़ में एक बार ही एक्स सीएस शिवराज सिंह इस पद को संभाल पाए। वरना, उनके अलावा रिटायर सिकरेट्री और प्रिंसिपल सिकरेट्री को इस पद पर बिठाया गया। बहरहाल, रिटायर आईएएस में अभी सिर्फ डीडी सिंह हैं। वे पिछली सरकार में रिटायर हुए थे। उसके बाद उन्हें संविदा में पोस्टिंग मिली और सीएम सचिवालय से लेकर कई अहम विभाग संभालते रहे। इस सरकार में भी उनकी संविदा नियुक्ति कंटीन्यू है। इस समय वे सिकरेट्री जीएडी हैं। जातीय समीकरणां के साथ ही इलेक्शन का तजुर्बा उनके दावे को मजबूत कर रहा है। डीडी निर्वाचन आयोग में ज्वाइंट सीईओ रह चुके हैं, जब 2013 के विधानसभा चुनाव के समय सुनील कुजूर सीईओ थे। इसके अलावे शिवराज सिंह के राज्य निर्वाचन आयुक्त रहने के दौरान उनके साथ भी काम कर चुके हैं। अगर डीडी सिंह पर सहमति नहीं बनी तो दूसरा नाम रायपुर, बिलासपुर के कमिश्नर संजय अलंग का नाम है। अलंग इसी साल 31 जुलाई को रिटायर होने वाले हैं। डीडी सिंह के साथ अलंग भी राज्य निर्वाचन आयुक्त के दावेदार हो सकते हैं। क्योंकि, इनके अलावा दूसरा कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा।

तरकश की खबर, चर्चाओं पर ब्रेक

पिछले तरकश में एसीएस ऋचा शर्मा को पोस्टिंग मिलने में लेट होने की खबर प्रकाशित हुई थी। सरकार ने इस खबर के अगले ही दिन ऋचा को पोस्टिंग दे दी। इसके साथ ही ब्यूरोक्रेसी में चल रही भांति-भांति की चर्चाओं पर भी सरकार ने विराम लगा दिया। ऋचा को लोग चीफ सिकरेट्री बताने लगे थे। दरअसल, चीफ सिकरेट्री भी उसी के आसपास अवकाश पर गए थे। ऐसे में, अटकलों और अफवाहों को पंख लगना ही था। बहरहाल, ऋचा को फॉरेस्ट की बजाए हेल्थ दिया गया होता तो राज्य के हित में बेहतर होता।

अंत में दो सवाल आपसे

1. सरकार रियल इस्टेट और पंजीयन विभाग में सुधार के कदम उठा रही, उसे छत्तीसगढ़ की नौकरशाही रियल इस्टेट को बैठ जाने का खतरा बताते हुए सिस्टम को भयभीत करने का काम क्यों कर रही है?
2. छत्तीसगढ़ के किन दो मंत्रियों में निकटता कुछ ज्यादा बढ़ रही है?

समुद्र की सतह पर मिला एलियन जैसा जानवर

एजेंसी ▶▶| लंदन

अजीब से जानवरों की संसार में कमी नहीं है। पर क्या हो अगर आपने किसी अजीब से जानवर को किसी एनीमेशन मूवी में देखा हो, लेकिन उसे देख कर यह बिलकुल ना लगे कि वैसा जीव पृथ्वी पर भी हो सकता है। पर प्रशांत महासागर के तट पर एक एलियन जैसा समुद्री जीव सतह पर दिखे हैं, जो फाइंडिंग नेमो मूवी में दिखाया गया था। इसे एलियन जानवर ही कहा जाता है और समुद्र की सतह पर दिखाई भी बहुत ही कम देता है। सीसाइड एक्वेरियम के अनुसार उनके जीवन के इतिहास के बारे में बहुत कम जानकारी है।

रहता है समुद्र में हजारों फुट नीचे

यह अजीबोगरीब जीव असल में पैसिफिक फुटबॉल फिश है। यह चमकीला जानवर समुद्र में हजारों फुट नीचे रहता है। लेकिन हाल ही में इसके कई जानवर ओरगॉन तट के पास दिखाई दिए हैं। स्थानीय समुद्री संग्रहालय सीसाइड एक्वेरियम ने फेसबुक पर इस अजीब चीज की एक तस्वीर पोस्ट कर बताया है कि अब तक केवल मुट्ठी भर मछलियां ही रिकॉर्ड की गई हैं। कैप्शन में लिखा है कि 2000-3300 फीट की ऊंचाई पर, घोर अंधेरे में रहने वाली, ये मछलियां शायद ही कभी देखी जाती हैं। दुनियाभर में केवल 31 नमूने मिले हैं न्यूजीलैंड, जापान, रूस, हवाई, इक्वाडोर, चिली और कैलिफोर्निया में तो कुछ फुटबॉल मछलियां पाई गई हैं।

मादाओं की तुलना में नर 10 गुना होते हैं छोटे

इस जीव के नर और मादा दोनों में कम अंतर नहीं होता है। जहां नर परजीवियों की तरह होते हैं मादाओं की तुलना में 10 गुना छोटे होते हैं, वे मादा से जुड़ने के लिए खुद उन्हें खोजते रहते हैं। एक बार जब वे 'जुड़े' हो जाते हैं, तो नर अपनी आंखें और आंतरिक अंग खो देते हैं, जिससे उनके सभी पोषक तत्व उनकी महिला साथियों से प्राप्त होते हैं। बदले में, वे महिलाओं को शुक्राणु का एक स्थिर स्रोत प्रदान करते हैं। घने अंधेरे में नर मादाओं को कैसे ढूंढते हैं यह अभी भी पता नहीं है।

जैकेट के शेष

भूकंप-सा कंपन ....

काम करने वाले मजदूर दब गए हैं। मजदूरों की संख्या बताने वाला फैक्ट्री में कोई भी
नहीं है, लेकिन ग्रामीणों ने बताया कि पीटीएन प्लांट में रमेश, पुष्पराज, विजय कुमार, रामकिशुन, लोकनाथ, शंकर, नहर यदु काम पर गए थे। जानकारी के अनुसार इन मजदूरों को गंभीर चोटे आई है, उनके नाम इंद्रकुमार रघुवंशी, दिलीप ध्रुव, नीरज यादव, चंदन कुमार, मनोहर यादव, रवि कुमार कुर्रे, सेवकराम है। ये सभी मजदूर बोरसी, पिरदा, गोदामार, हरदी, बोरसी के रहने वाले है। समाचार लिखे जाने तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

कृषि फार्म हाउस बना मौत का कारखाना : 1995 में बेमेतरा जिला बेरला ब्लाक के ग्राम बोरसी पिरदा खार में कृषि फार्म हाउस के नाम ग्रामीणों ने एक लोहे का बोर्ड देखा समय के साथ-साथ फार्म हाउस बारूद फैक्ट्री के रूप में तब्दील हो गया। प्रदेश की सबसे बड़ी फैक्ट्री यही है। बारूद फैक्ट्री का नाम स्पेशल ब्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड पिरदा प्रवेशद्वार पर ही अंकित है। फैक्ट्री के आसपास लगभग 20 से 25 गांव है। इन गांवों के मजदूर तीन अलग-अलग पालियों में लगभग 500 की संख्या में कार्यरत हैं। बारूद फैक्ट्री के भीतर अलग-अलग 15-20 यूनिट हैं। इन यूनिटों में बारूद से संबंधित काम मजदूर करते हैं। शनिवार सुबह लगभग 7 बजे पहली पाली के मजदूर फैक्ट्री में आ गए थे, तभी लगभग 7 बजकर 55 मिनट पर पीटीएन प्लांट में एक जोर का धमाका हुआ और फैक्ट्री परिसर में मांस के टुकड़े बिखर गए। प्लांट का बीम धमाके से उड़कर हाईटेंशन तार में अभी भी अटका हुआ है। धमाके की गूंज लगभग 30 से 35 किलोमीटर तक सुनाई दी है। फैक्ट्री में बेमेतरा जिले के आसपास के ग्रामीण मजदूरी करते है। इसके अलावा मध्यप्रदेश के मंडला और अमरकंटक के मजदूर बड़ी संख्या में अपना जीवनयापन कर रहे हैं। बारूद फैक्ट्री में धमाके के बाद मंडला और अमरकंटक के मजदूर पैदल ही भाग खड़े हुए।

बारूद में डाला जा रहा पानी : सुबह 7 बजकर 55 मिनट के धमाके के बाद फैक्ट्री का पूरा इलाका धूल व धुंए के गुब्बार से भर गया था। गंभीर अग्नि हादसे की आशंका के चलते प्रशासन ने एहतियात बरते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र, दुर्ग जिला प्रशासन, बेमेतरा प्रशासन के फायर ब्रिगेड मौके पर बुलाकर पूरी फैक्ट्री के यूनिटों में पानी का छिड़काव कराया गया ताकि विस्फोट की पुनरावृत्ति ना हो।

00 जब ब्लास्ट हुआ तो 3 किमी दूर गांव की दीवारों में भी दरार आ गई

ग्रामीण बताते हैं कि जब ब्लास्ट हुआ तो तीन किलोमीटर दूर तक दीवारों में दरार आ गई। पहले तो लोगों को ये लगा कि भूकंप के झटके होंगे सुबह-सुबह। लेकिन जोरदार आवाज ने पूरे ग्रामीणों की नींद तोड़ दी। 10 किमी दूर तक धुआं ही धुआं नजर आता रहा। वहीं फैक्ट्री के अंदर गए ग्रामीणों ने बताया कि ब्लास्ट होने के बाद तीन मंजिला बिल्डिंग भरभराकर गिर गई। ऐसा लग रहा हो मुरुम खदान हो। यहीं नहीं, फैक्ट्री में 10 से ज्यादा मजदूरों के शरीर के चिथड़े इधर-उधर पड़े हुए मिले। जिसे कलेक्ट किया जा रहा था।

घंटों तक खतरनाक गैस का रिसाव

फैक्ट्री में धमाके के बाद घंटों तक घटनास्थल और आसपास खतरनाक गैस का रिसाव होता रहा। पीले गैस के रिसाव को देखकर एसडीआरएफ टीम के हाथ पांव फूल गए। तत्काल वहां से लोगों को हटाया गया। इसकी गंध तो बेहद तेज थी ही, वहां खड़े होने पर सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। तत्काल एसडीआरएफ की टीम ने ऐसे स्थानों को सील किया।

अचानक धमाका हुआ ....

थी वह अब मलबे के ढेर में तब्दील हो गई है। मजदूरों के मुताबिक जहां ब्लास्ट हुआ वहां मौके पर आठ से नौ मजदूर अंदर में काम कर रहे थे। सात घायलों को उपचार के लिए आंबेडकर अस्पताल लाया गया, जिनमें एक ने रास्ते में दम तोड़ दिया, एक घायल के सिर पर चोट लगने की वजह से उपचार के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आंबेडकर अस्पताल में उपचार कराने आए घायलों को छुट्टी दे दी गई है।

सुबह आठ से साढ़े आठ बजे के बीच विस्फोट

अस्पताल में उपचार कराने आए मजदूरों के मुताबिक बारूद फैक्ट्री में दिन तथा रात काम चलते रहता है। मजदूरों के मुताबिक फैक्ट्री में विस्फोट की घटना सुबह आठ से साढ़े आठ बजे के बीच की है। जब घटना घटित हुई तक रात की पाली में काम करने वाले ज्यादातर मजदूर लौट गए थे। सुबह की पाली में काम करने वाले मजदूरों के आने का सिलसिला शुरू हुआ था। मजदूरों के मुताबिक बारूद फैक्ट्री में चार से पांच सौ मजदूर काम करते हैं।

जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था

बारूद फैक्ट्री में अलग-अलग सेक्शन में काम करने वाले मजदूरों ने बताया कि घटना सुबह होने की वजह से ज्यादा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, मजदूरों के मुताबिक विस्फोट 10 बजे के बाद होती तो स्थिति और भयावह होती। मजदूरों के मुताबिक जहां विस्फोट हुआ वहां काम कर रहे मजदूरों की मलबे में दबने से मौत हुई है। विस्फोट किस वजह से हुआ इस बात की अब तक पुष्टि नहीं हुई है।

इस मजदूर ने रास्ते में दम तोड़ा

फैक्ट्री में विस्फोट से जिन घायलों को उपचार के लिए आंबेडकर अस्पताल लाया गया उनमें नीरज यादव, इंद्र कुमार रघुवंशी, दिलीप ध्रुव, चंदन कुमार, मनोहर यादव, रवि कुर्रे शामिल थे। शेषनाथ निषाद को उपचार के लिए एम्स अस्पताल ले जाया गया है। उपचार के लिए अस्पताल लाते सेवक राम साहू ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

मजदूरों ने बताया आंखों देखी हाल

हर तरफ चीख पुकार, धूल का गुबार - रवि कुर्रे

विस्फोट में घायल रवि ने बताया कि जिस ब्लाक में वो काम कर रहा था, विस्फोट के बाद मलबा उस ब्लाक की टॉप में लगे सीट को छेदते हुए उसके सिर पर आकर गिरा। रवि के साथ आए उसके साथी ने बताया की जहां विस्फोट वहां गांव की दूरी एक से डेढ़ किलोमीटर है। विस्फोट के बाद बिल्डिंग के गिरे मलबे का धूल गांव तक फैल गई।

-घर की दीवारें हिल गई - राहुल

घायलों की मदद करने आए पिरदा के ग्रामीण राहुल कुमार सोनवानी ने घटना के बारे में बताया कि विस्फोट के बाद उनकी गांव के घरों की दीवारें हिल गई। उन्हें समझ में नहीं आया की आखिर क्या हुआ। धूल का गुबार उठते देख ग्रामीण उस ओर भागे तब उन्हें पता चला की बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ है।

-आंखों के सामने छाया अंधेरा - दिलीप ध्रुव

दिलीप के अनुसार जब विस्फोट हुआ तो उन्हें कुछ समझ में नहीं आया कि आखिर क्या हुआ है। दिलीप के अनुसार तेज धमाके की वजह से उसे कुछ देर तक सुनाई नहीं दिया, कान के पर्दे शून्य पड़ गए। तेज धमाका की वजह से वह जिस ब्लाक में काम करता है, वहां की दीवारें हिलने लगी। कुछ देर के लिए दिलीप की आंखों के सामने अंधेरा छा गया।

भतीजे और बेटों ....

भी नहीं दे पा रहा है। इसी तरह और भी कई परिजन अपने बेटों, भतीजों का इंतजार करते हुए गेट पर टकटकी लगाए खड़े है। इसी तरह पिरदा निवासी हीरालाल देवास की आंखें पथरा गई है। उसके दो बेटे पुष्पराज और विजय कुमार शनिवार की सुबह फैक्ट्री में काम पर आए है। जिस जगहे हादसा हुआ है वहां ड्यूटी करते है। दोनों बेटों का कहीं कोई पता नहीं चल रहा है। फैक्ट्री के अंदर भी जाने नहीं दिया जा रहा है।

पेज एक के शेष

आईपीएल : पॉवर हिटर और...

जाएगा। भले ही क्वालीफायर-1 में दोनों टीमों के बीच एकतरफा मुकाबला देखने मिला था जहां कोलकाता ने हैदराबाद को मात देकर फाइनल में प्रवेश किया था, लेकिन इस मैच को इस सीजन की बैटिंग की दो पावरहाउस टीमों के बीच महामुकाबला कहना गलत नहीं होगा। **कोलकाता का चौथा फाइनल** : कोलकाता की टीम का यह चौथा फाइनल है, जबकि सनराइजर्स का यह तीसरा फाइनल है। केकेआर दो बार (2012, 2014) खिताब अपने नाम कर चुकी है। वहीं, एसआरएच 2016 में आईपीएल चैंपियन बनी थी। हालांकि, प्लेऑफ या नॉकआउट स्टेज में दोनों टीमों के बीच चौथा मुकाबला होगा। इस दौरान दोनों टीमों के जीत का रिकॉर्ड 2-2 का है। अब प्लेऑफ में पांचवीं बार दोनों टीमें भिड़ेंगी। **मंडरा रहा तूफान का खतरा** : आईपीएल 2024 का फाइनल रविवार को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में ये मैच खेला जाएगा। चेन्नई के मौसम की बात की जाए तो एक्यूवेदर की रिपोर्ट इस मैच का मजा न बिगाड़ दे। भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहा कम दबाव तूफान में बदल सकता है। मौसम विभाग ने कहा है कि 26 मई को ये तूफान बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल पहुंच जाएंगे। आज चेन्नई में बादल छाए रहेंगे। इस दिन बारिश की संभावना 10 फीसदी है, लेकिन ये चार प्रतिशत तक गिर सकती है।

गेम जोन में भीषण ....

एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। राजकोट के कलेक्टर प्रभाव जोशी ने कहा, 'फायर कंट्रोल रूम को गेम जोन में आग लगने के बारे में शाम करीब 4:30 बजे एक कॉल मिली। फायर टेंडर और एम्बुलेंस आग की लपटों को बुझाने के लिए मौके पर पहुंचे। आग के कारण संरचना ढह गई थी जिसके मलबे को हटाया जा रहा है, जब यह हादसा हुआ तब गर्मी की छुट्टियों और सप्ताहांत के कारण बच्चों सहित कई लोग खेल खेल रहे थे और मौके पर मौजूद थे।

जप्पेमरका में दो, बेलपोच्चा...

हथियार विस्फोटक व नक्सल सामग्री बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक पहली मुठभेड़ बीजापुर जिले के मिरतुर थाना क्षेत्र के जप्पेमरका व कामकानार के जंगलो में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई। इस मुठभेड़ में जवानों ने दो माओवादियों को मार गिराया। एसपी जितेंद्र यादव ने बताया की भाकपा माओवादियों के वेस्ट बस्तर डिविजन सप्लाई टीम इंचार्ज पंडरु, भैरमगढ़ एरिया कमेटी के एसीएम जोगा, एसीएम सोनू एवं अन्य 10-15 हथियार बंद नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी बीजापुर की टीम शुक्रवार को नक्सल आपरेशन के लिए रवाना किया गया था। इस ऑपरेशन के दौरान शनिवार सुबह जप्पेमरका एवं कामकानार के जंगल में जवानों को आता देख नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी नक्सलियों का मुहतोड़ जवाब देते हुए नक्सलियों पर प्रहार किया, जिसमें दो नक्सली ढेर हो गए। मौके से 12 बोर बंदूक, वायरलेस सेट, पिट्ठू, माओवादी वर्दी, दवाइया, प्रतिबंधित माओवादी संगठन के प्रचार प्रसार की सामग्री, साहित्य एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद किया गया है।

दो दिन में 11 नक्सली ढेर, किसी की नहीं हुई शिनाख्त : बस्तर पुलिस की पिछले दो दिन में नक्सलियों के साथ आधा दर्जन से अधिक बार मुठभेड़ हुई। शुक्रवार को नारायणपुर व बीजापुर की सरहदी इलाके में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 8 नक्सलियों को मार गिराया था। इसके बाद शनिवार को बीजापुर व सुकमा जिले में भी तीन नक्सलियों को ढेर करने में सुरक्षाबलों को सफलता मिली है। शुक्रवार को मारे गए 8 नक्सलियों के शव को जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा में रखा गया है। वहीं आसपास के ग्रामीणों को बुलाकर उनकी शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव रॉय के मुताबिक कुछ नक्सलियों के शव का शिनाख्त लगभग हो चुका है और कुछ का होना बाकी है। बहरहाल दो दिन में मारे गए 11 नक्सलियों की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस द्वारा मारे गए नक्सलियों के शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

सुकमा में अज्ञात...

नक्सली सामग्री बरामद की गई है। शुक्रवार की रात में थाना कोंटा से डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और जिला बल की संयुक्त पार्टी ग्राम बेलपोच्चा, जिनेतोंग, उसकावाया और आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि रुक-रुककर अभी भी इलाके में मुठभेड़ हुई। 26 मई को नक्सलियों ने बंद का आह्वान किया है, जिसको देखते हुए सुरक्षा बलों ने इलाके में ऑपरेशन तेज कर दिया है।

मेले में तीन...

खाते हैं। शुक्रवार की रात भी मेले में कपड़े का व्यवसाय करने वाले पांच युवकों ने भी हमेशा की तरह देर रात खाने में चिकन व रोटी बनाकर खाना खाया और सो गए। जिसके कुछ घंटों बाद सुबह लगभग 4 बजे समीर खान उम्र 21 वर्ष, सोहेल खान उम्र 12 वर्ष, अनिल कुमार पांडेय 28 वर्ष की हालत बिगड़ने लगी तीनों युवक उल्टी करने लगे और उनके पेट में तेज दर्द होने लगा। जिसके बाद साथी व्यावसायियों व मेला संचालक द्वारा उन्हें आनन फानन में मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। जहां परीक्षण उपरांत चिकित्सकों ने 12 वर्षीय सोहेल खान को मृत घोषित कर दिया। वहीं समीर खान व अनिल कुमार पांडेय की बिगड़ती हालत को देखते हुए उन्हें उपचार के लिए भर्ती किया गया। उपचार शुरु करने के लगभग 2 घंटे बाद सुबह 8 बजे समीर व अनिल की हालत बिगड़ने लगी और उनकी मौत हो गई।

'एक-एक वोट का हिसाब है', चुनाव आयोग ने हर 'शंका' का दिया जवाब

■ जारी किया पांच चरणों के मतदान का ब्योरा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मतों के आंकड़ों में फेरबदल के आरोपों को चुनाव आयोग ने मनगढ़ंत और आधारहीन बताते हुए चुनाव आयोग ने पांच चरणों में पड़े कुल वोटों के मत प्रतिशत के साथ इसकी कुल संख्या का आंकड़ा भी शनिवार को जारी कर दिया। इस आंकड़े में आयोग ने हर संसदीय क्षेत्र में कुल वोटरों की संख्या के साथ मतदान करने वाले वास्तविक वोटरों की संख्या का खुलासा किया है। आयोग ने इसके साथ ही कहा है कि आयोग के पास एक-एक वोट का हिसाब है। यह भी स्पष्ट किया कि मतदान के बाद फॉर्म-17 सी प्रत्याशियों के एजेंटों को सौंप कर ईवीएम को स्ट्रांग रूम में जमा कर दिया जाता है। ऐसे में किसी भी स्तर पर वोट के आंकड़ों में हेराफेरी नहीं की जा सकती है।

आयोग ने माहौल बिगाड़ने की साजिश करार दिया

चुनाव आयोग ने वोटों के आंकड़े को लेकर लगाए जा रहे आरोपों को माहौल बिगाड़ने की साजिश करार दिया है और कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों एवं फैसले ने चुनाव प्रक्रिया को मजबूती दी है। इससे आयोग को बिना किसी दबाव के लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुपालन के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध होता है।

चक्रवाती तूफान के चलते अलर्ट पर एनडीआरएफ

कोलकाता। चक्रवाती तूफान रेमल के चलते कोलकाता बंदरगाह या श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर रविवार रात को कामकाज बंद रहेगा। इस दौरान सभी कार्गो जहाज और कंटेनर संबंधी ऑपरेशन रविवार शाम लेकर अगले 12 घंटे तक बंद रहेंगे। बंदरगाह पर काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला किया गया है। चक्रवाती तूफान रेमल रविवार रात को बंगाल के तट से टकरा सकता है। इसी दौरान यह बांग्लादेश के तट से भी टकराएगा। तूफान के चलते 110-120 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.म.की उत्तरदायी कंपनी)

// बिजली बंद की सूचना //

क्र./051-5500 / जनसंवाद/ सिल./280 सिलतरा दिनांक 24.05.2024

समस्त सम्माननीय निम्न दाब उपभोक्ताओ को सूचित किया जाता है कि छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. (संचा./संधा.) उपसंभाग सिलतरा द्वारा मानसून पूर्व विद्युत लाईनों के आवश्यक रख-रखाव एवं मरम्मत का कार्य निम्नानुसार प्रस्तावित है। दर्शायी गयी तिथियों में समय प्रातः 09 बजे से दोपहर 02 बजे तक संबंधित ग्रामों एवं क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध (बंद) रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	दिनांक	दिन	फिडर	प्रभावित क्षेत्र / उपभोक्ता
1	27.05.2024	सोमवार	11 के.व्ही. अविनाश फीडर	एस. के. एस. रोड एवं अविनाश लाजिस्टिक पार्क सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र
2	28.05.2024	मंगलवार	11 के.व्ही. पठारीडीह फीडर	ग्राम - मुरेठी, पठारीडीह, औद्योगिक उपभोक्ता
3	29.05.2024	बुधवार	11 के.व्ही. मांढर फीडर	ग्राम- अकोली, मांढर, गिधौरी
4	30.05.2024	गुरूवार	11 के.व्ही. गिरौद फीडर	ग्राम- गिरौद
5	31.05.2024	शुक्रवार	11 के.व्ही. टांडा फीडर	ग्राम- टांडा
6	01.06.2024	शनिवार	11 के.व्ही. धनेली फीडर (धनेली सबस्टेशन)	ग्राम-धनेली
7	03.06.2024	सोमवार	11 के.व्ही. सोण्डरा फीडर	फेस-2 औद्योगिक क्षेत्र सिलतरा, ग्राम - सोण्डरा, चिखली, बहेसर
8	05.06.2024	बुधवार	11 के.व्ही. सिलतरा फीडर	ग्राम-सिलतरा एवं संबंधित औद्योगिक उपभोक्ता

विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं. 1912 पर दर्ज कराएं।
"असुविधा के लिए खेद है।"

कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.)
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लि.संभाग सिलतरा

भारतीय नौसेना

भारतीय नौसेना 02/2024 बैच के लिए अविवाहित पुरुष और अविवाहित महिला उम्मीदवारों से (जो भारत सरकार द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं) ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करती है-

जन्मतिथि: 01 Nov 2003 से 30 Apr 2007 (दोनों तिथियों को मिलाकर)

आवेदन करने की अंतिम तिथि :- 05 Jun 2024

पात्रता शर्तें एवम विवरण के लिए वेबसाइट www.joinindiannavy.gon.in और 11 मई 2024 के रोज़गार समाचार की अधिसूचना देखें।

CBC- 10701/11/0009/2425

गूगल मैप का इस्तेमाल कर रहे चार लोग कार समेत नदी में गिरे

कोट्टायम। गूगल मैप आजकल लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। जब भी लोगों का कहीं का रास्ता नहीं पता होता तो वो गूगल मैप का इस्तेमाल करते हैं। वहीं केरल में गूगल मैप का इस्तेमाल करना लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ गया। दरअसल हैदराबाद से केरल आया लोगों का ग्रुप घूमने के लिए मैप का इस्तेमाल कर रहा था। इस दौरान गलत रास्ता मिलने की वजह से लोगों की गाड़ी केरल के कुरुप्पनथारा जिले के पास एक नदी में जा गिरी।

गूगल मैप ने दी गलत जानकारी : ये घटना कल रात की है जब एक महिला समेत चार सदस्यों का ग्रुप अलाप्पुझा की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है, जिस सड़क पर वो ट्रैवल कर रहे थे, वह भारी बारिश के कारण नदी के पास बह रहे पानी से ढक गई थी। वो इस रास्ते से बिल्कुल अनजान थे तो हर कदम पर गूगल मैप का सहारा ले रहे थे। लेकिन गलत जानकारी मिलने और तेज बारिश की वजह से उनकी गाड़ी नदी में जा गिरी।

गाड़ी को निकालने की कोशिश में जुटी पुलिस : इन सब में लेकिन राहत की बात ये रही कि मौके पर आस-पास के लोग और पुलिस पहुंच गई। जिसके बाद ट्रैवल करने वाले ग्रुप को बचा लिया गया, लेकिन उनकी गाड़ी पूरी तरह नदी में डूब गई। केरल के पास मौजूद कडुथुरुथी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने पूरे हादसे का जायजा लिया।

STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED

सेल SAIL
Bhilai Steel Plant
Bhilai - Dist. Durg, Chhattisgarh, India, 490001
Great Place To Work. Certified

NIT No: - CCNW/PR1130023555/ EP 2024300007, dtd-21.05.2024
Name of the Work: TENDER/ AUCTION OF SHOPS/ PLOTS IN BSP TOWNSHIP FOR ALLOTMENT ON LICENSE BASIS

Bid Document Download Start date & time	: 22.05.2024, 16:00:00
Bid Document Download End date & time	: 13.06.2024 11:00:00
Bid submission Closing Date & Time	: 13.06.2024, 13:00:00
Bids Opening Date & Time	: 14.06.2024, after 11:00:00

All details of the Tender/ Auction with details of Shops/Plots, terms and conditions, Notice Inviting Tender and Instructions to Bidders, Bidding & Eligibility Conditions and Main Terms And Conditions, EMD etc. are mentioned in Tender Documents. Tender Documents can be downloaded through SAIL Website www.sailtenders.co.in and Bidder can also contact Tender Opening Cell Department, Ground Floor, Ispat Bhawan, Bhilai Steel Plant, Bhilai between 3:00 PM to 5:00 PM (Except Sunday & Holiday) for soft copy of Tender Document. - GM I/c (Contract Cell- Non Works)

Advt. No. BSP-04 /24-25, Dt. 25/05/2024

Registered Office: Ispat Bhawan, Lodi Road, New Delhi 110 003
Corporate Identity Number: L27109DL1973GO1006454, Website: www.sail.co.in

There's a little bit of SAIL in everybody's life

राशिफल

मेष — कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष — कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क — अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद की स्थिति बिन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या — कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक — आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु — कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। पठन–पाठन में रुचि रहेगी।

मकर — वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के लिए वदिश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

मतदान करने जा रहे बुजुर्ग को जंगली हाथी ने कुचला

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के एक गांव में शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने जा रहे 71 वर्षीय एक व्यक्ति को जंगली हाथी ने कुचल कर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। बुजुर्ग व्यक्ति जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के बहरागोड़ा पुलिस थाने की सीमा के भीतर गोबरबानी गांव का निवासी और वहां का 'प्रधान' था। घटना तब हुई जब वह गोबरबानी गांव के जंगल से गुजर रहे थे। बुजुर्ग व्यक्ति की पहचान मुटुरखम पंचायत के गोबरबानी गांव में रहने वाले सुरेंद्र नाथ हांसदा मतदान करने के लिए सुबह करीब 6.30 बजे घर से निकले थे। पुलिस के मुताबिक सुरेंद्र नाथ के बेटे दीपेंद्र हांसदा ने अपने बयान में लिखा, "वह 135-धोलाबेड़ा मतदान केंद्र की ओर जा रहे थे, तभी एक जंगली हाथी ने उन पर हमला कर दिया।

Dr.PINNAMANENI SIDDHARTHA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES & RESEARCH FOUNDATION

Gannavaram, Vijayawada, A.P.
(Affiliated to Dr.YSR University of Health Sciences, A.P.)
(Sponsored by : Siddhartha Academy of General & Technical Education Vijayawada - 520 010, A.P)

FACULTY REQUIREMENT

Dr.Pinnamaneni Siddhartha Institute of Medical Sciences & Research Foundation requires the following Faculty for its 890-bedded Multi-Speciality Teaching Hospital:

PROFESSORS / ASSOCIATE PROFESSORS / ASSISTANT PROFESSORS / TUTORS in the Departments of COMMUNITY MEDICINE, PHYSIOLOGY, FORENSIC MEDICINE, ANATOMY, PHARMACOLOGY and BIOCHEMISTRY

Qualifications & Experience : As per NMC Norms. Those having MD/MS/M.Sc.(Medical only), M.Sc.Ph.D.(Medical only) are eligible to apply. Salary will be commensurate with qualifications and experience.

Interested candidates may send their resume / bio-data through email **drpsimsprn@yahoo.in** or post to **Siddhartha Academy of General & Technical Education, Siddhartha Nagar, Mogalrajapuram, Vijayawada - 520 010, A.P** within 10 days from the date of this publication.

Vijayawada, Dt.23-05-2024 **Sd/- SECRETARY**

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, डोंगरगढ़ संभाग

:: प्री-मानसून मेन्टनेन्स हेतु विद्युत अवरोध सूचना ::

क्रमांक / कार्य.अभि./सामा./466 डोंगरगढ, दिनांक 21.05.2024

समस्त सम्मनीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, कि (संचा. / संधा.) संभाग डोंगरगढ़ के अंतर्गत संचालित 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र से निकलने वाले 11 के.व्ही. एवं 33 के.व्ही फीडरों का मानसून पूर्व रखरखाव कार्य हेतु निम्नानुसार विद्युत सप्लाई प्रातः 10:00 से शाम 04:00 बजे तक बाधित रहेगी। असुविधा के लिए खेद है।

क्र.	दिनांक	फीडर का नाम	सबस्टेशन का नाम	प्रभावित क्षेत्र का नाम
1	27/05/2024	11 के.व्ही. चिददो फीडर	पनियाजोब	चिददो, बरनाराकला, खरखाटोला एवं इस फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
2	27/05/2024	11 के.व्ही. बिजेपार फीडर	बम्हनी चारभाटा	बिजेपार नादियाखुर्द झाड़ीखैरी एवं इस फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
3	27/05/2024	11 के.व्ही. भण्डारपुर फीडर	ढारा	भण्डारपुर करेला परसही कोपेनावागांव एवं इस फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
4	27/05/2024	11 के.व्ही. खोभा फीडर	सड़क चिरचारी	खोभा फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
5	27/05/2024	11 के.व्ही. रूवातला फीडर	रूवातला	रूवातला सलटिकरी गाडाभँवर एवं इस फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
6	27/05/2024	11 के.व्ही. चिचोला फीडर	एल.बी. नगर	ग्राम चिचोला फीडर के समस्त ग्राम।
7	27/05/2024	11 के.व्ही. जेल फीडर, डोंगरगढ़	डोंगरगढ़	अरोरा राईस मिल, अरोरा पोल्ट्री फार्म, मोटघरे वेल्डिंग
8	28/05/2024	11 के.व्ही. बोरतलाव फीडर	पनियाजोब	बोरतलाव,छिंदीजोब,खम्पुरा, बुढानछापर, कौहापानी, पिपरखारकला, एवं इस फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
9	28/05/2024	11 के.व्ही. बागनदी फीडर	सड़क चिरचारी	ग्राम - बागनदी फीडर के समस्त ग्राम।
10	28/05/2024	11 के.व्ही. भण्डारपुर फीडर	ढारा	रानीगंज घोटीया उदरीछापर एवं इस फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
11	28/05/2024	11 के.व्ही. अन्यानवागांव	रुँवातला	अन्यानवागांव फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
12	28/05/2024	11 के.व्ही. शिकारीमहका फीडर	छुरिया	बोईरडीह, षिकारी महका भोलापुर षिकारीटोला फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
13	29/05/2024	11 केव्ही पटपर फीडर	मेढा	पटपर,भरूवाटोला,नवागांव एवं इस फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
14	29/05/2024	11 के.व्ही. रामाटोला फीडर	एल.बी.नगर	ग्राम रामाटोला फीडर फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।
15	29/05/2024	11 केव्ही मोहारा फीडर	ढारा	सिरसही गातापारकला चारभांठा एवं इस फीडर में आने वाले समस्त गांव।
16	29/05/2024	11 के.व्ही. पुरेना फीडर	मुसराकला	पुरेना, बिलहरी, खुर्सीपार, खुड़मुड़ी एवं इस फीडर में आने वाले समस्त ग्राम।

नोट :- समय आवश्यकतानुसार घटाया या बढ़ाया जा सकता है।

एन.के. साहू
कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) संभाग
छ.स्टेट. पा. डिस्ट्री. कं. लिमि. डोंगरगढ़

शब्द पहेली - 5522

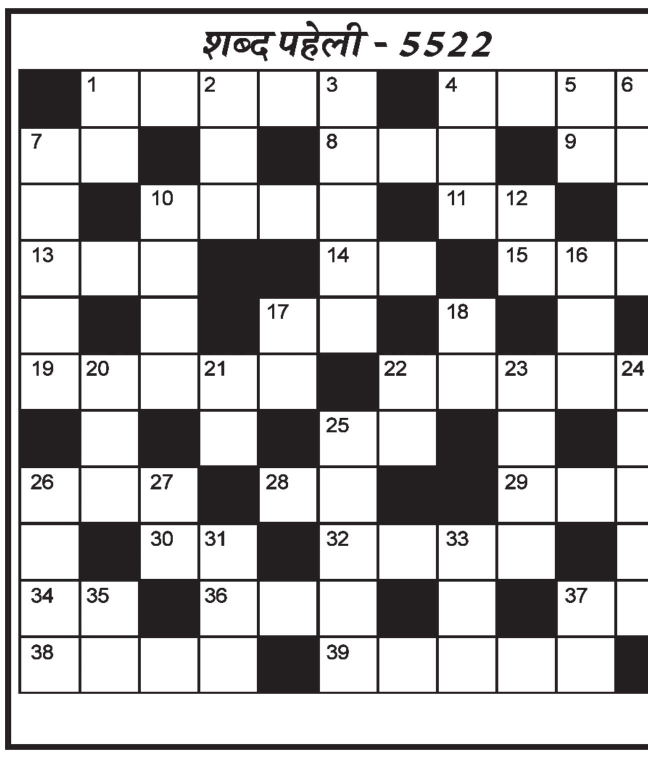

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य–5
4.प्रलय, वज्रपात–4
7.परिमाण, माप–2
8.प्लेट,तश्तरी–3
9.भीगा हुआ–2
10.वेश्या, गणिका–4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ–2
13.अपवित्र (उर्दू–3)
14.दान करने वाला–2
15.आंचल–3
17.पंख–2
19.चाहे जो भी हो –5
22.अनूठापन,विचित्रता–5
25.उम्मीद,आस–2
26.अनाशवान,अक्षय–3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म–2
29.बंदर, मर्कट–3
30.सम्मान, आदर–2
32.करामात,करिश्मा–4
34.नवीन,नव–2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म–3
37.शारीरिक ऊंचाई–2
38.भाग्य,लक–4
39.रावण,दशानन–5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या–2
2.कॉफी–3
3.तरफदारी करनेवाला–5
4.जन जाति, झुंड–3
5.वोट–2
6.बढ़ई,खाती–4
7.जो मुनासिब न हो–5
10.भाग्य (उर्दू–4)
12.प्रतिज्ञा,वचन–2
16.राजा,राजन–3
17.क्षण–2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम–2
20.रनिवास (उर्दू–3)
21.नुकसान,घाटा–2
22.रजनी, रात्रि–2
23.अनुपम,बेजोड़–4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो–5
25.आतंक फैलानेवाला–5
26.धरोहर,थाती–4
27.लक्ष्मी–2
31.निगाह,दृष्टि–3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष–3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर–2
37.टैक्स, हाथ–2

शब्द पहेली- 5521 का हल

ल	गा	म		अ		त	र	ब	त	र
ल		त	म	स		ह	म	ला		खै
क	श			ल		ल			का	ल
	ही		क	हा	नी	का	र		र	
ब	द	मा	श		र		च	म	क	ना
			ल	क्ष		सी	ना			
र	त	ज	गा		आ		का	म	या	ब
	र		ना	ना	स	सु	र		च	
रा	ह			म		रा			क	म
ह		त	ना	व		पा	य	ल		हु
त	ल	ब	गा	र		न		ब	ल	वा

सूडोकु नवताल - 5533

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5532 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

कोलकाता की अनसूया ने कॉन्स में रचा इतिहास

मुंबई। 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में अनसूया सेनगुप्ता ने इतिहास रच दिया है। कोलकाता की रहने वाली अनूसया इस प्रतिष्ठति फिल्म फेस्टविल में बेस्ट

बनीं बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय

एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। उन्हें यह अवॉर्ड फिल्म 'शेमलेस' के लिए मिला है, जिसे बुल्गारिया के फिल्ममेकर कॉन्स्टेंटिन बोजानोव ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अनसूया एक सेक्स वर्कर की भूमिका में हैं, जो एक पुलिसकर्मी को चाकू मारने के बाद दिल्ली के वेश्यालय से भाग जाती है। अनसूया सेनगुप्ता प्रतिष्ठति कॉन्स फिल्म फेस्टिवल के अन सर्टन रिगार्ड सेगमेंट में बेस्ट एक्ट्रेस चुनी गई हैं। अनसूया ने अपना यह पुरस्कार 'दुनियाभर में समलैंगिक समुदाय और हाशिए पर जिंदगी जीने वाले समुदायों की बहादुरी को समर्पित किया है। उन्होंने अवॉर्ड लेने के बाद अपने भाषण में कहा, 'सभी के लिए समानता की लड़ाई लड़ने के लिए आपको समलैंगिक होने की जरूरत नहीं है। हमें बस बहुत, बहुत सभ्य इंसान होने की जरूरत है।'

फिर जीरो से शुरुआत करेगी अनुपमा

मुंबई। अनुपमा की एक छोटी सी गलती उसे इतनी भारी पड़ेगी, यह शायद किसी ने नहीं सोचा था। उसका कुछ देर के लिए रेस्त्रां से बाहर जाना इतनी बड़ी मुसीबत ले आया है कि अब यह कहना मुश्किल है कि रेस्त्रां बच पाएगा या नहीं। नए प्रोमो वीडियो की मानें तो अब अनुपमा के रेस्त्रां के बचने की उम्मीद ना, के बराबर है। ऐसा इसलिए क्योंकि नए प्रोमो वीडियो में अनुपमा की हालत बता रही है कि उसके बास अब कुछ खास बचा नहीं है। इतना ही नहीं, उसके डायलॉग भी इस बात की गवाही दे रहे हैं। जो प्रोमो वीडियो लगातार शो के बाद दिखाया जा रहा है, उसमें अनुपमा फिर एक बार लुटी-पिटी सी नजर आ रही है। वो यह सोचकर इंडिया के लिए रवाना हो रही है कि अब यहां उसके पास कुछ करने को है नहीं, ऐसे में कम से कम टीटू और डिंपी के किया हुआ वादा ही पूरा करे। लेकिन किस्मत ने उसके लिए कुछ और मुश्किलें खड़ी कर रखी हैं। वनराज शाह अनुपमा से शादी में आने से यह कहकर इनकार कर देगा कि उसने वैसे ही पूरी दुनिया में उनके परिवार की बेइज्जती करवा दी है।

शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराईट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
नकली माल से सावधान
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

चार साल बाद टूटा रिश्ता कंफर्म किया ब्रेकअप...

एजेंसी ▸▸ मुंबई

कमल हासन के बेटी श्रुति हासन लंबे समय से शांतनु हजारिका के साथ रिलेशनशिप में थीं लेकिन अब दोनों साथ नहीं हैं। श्रुति के रिश्ते में परेशानियों को लेकर काफी समय से खबरें आ रही थीं लेकिन अब उन्होंने इस पर खुद रिएक्ट किया है। एक्ट्रेस ने अपने ब्रेकअप की पुष्टि की है। यह जोड़ी कुछ समय से डेटिंग कर रही थी और अलग होने से पहले लिव-इन रिलेशनशिप में भी थी। दोनों ने पिछले महीने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया था। हालांकि, श्रुति ने ब्रेकअप पर कमेंट करने से परहेज किया था, लेकिन अब उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसकी पुष्टि की है। इंस्टाग्राम पर एएमए सेशन के दौरान श्रुति से पूछा गया कि क्या वह सिंगल हैं या कमिटेड हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे इन सवालों का जवाब देने में मजा नहीं आता, लेकिन मैं पूरी तरह से अकेली हूं, घुलने-मिलने को तैयार नहीं हूं, केवल काम कर रही हूं और अपनी जिंदगी जी रही हूं।' श्रुति और शांतनु के ब्रेकअप की खबर पिछले महीने आई थी। इस मामले पर कमेंट करने के लिए पूछे जाने पर, शांतनु ने 'बॉम्बे टाइम्स' से कहा, 'मुझे खेद है, मैं इस पर कमेंट नहीं करना चाहता।' इस बीच, एक सूत्र ने प्रकाशन को बताया कि ब्रेकअप दोनों की मर्जी से हुआ था।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
मो. 9039050422
मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

ENTRY	Air Force Common Admission Test (AFCAT) Entry	NCC Special Entry
BRANCHES	Flying/ Technical/ Weapon Systems/ Administration/ Logistics/ Accounts/ Education/ Meteorology	Flying (NCC Air Wing 'C' certificate is mandatory)

For updates, follow us on
DISHA by Indian Air Force
careeriniaf
CareerinIAF

AFCAT Entry: Registration mandatory and online exam/ NCC Special Entry registration mandatory and no online exam
Aadhaar card is mandatory for online registration
Registrations open from **30 May 2024** till **28 June 2024**
For more details, refer to Employment News dated **25 May 2024** and for detailed notification visit our website **careerairforce.nic.in** and **afcat.cdac.in**

DISHA Cell, Air Headquarter, Vayu Bhawan Tel: 011-23013690 | Toll-free No.: 1800-11-2448 | E-mail: career.iaf@nic.in

CBC -10801/13/0003/2425

भावनाओं के आधार पर नहीं कर सकते फैसला, हमें कानूनन काम करना होगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह भावनाओं के आधार पर नहीं चल सकता और उसे कानून के अनुसार काम करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया, क्योंकि उन पर मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसा के दौरान विस्थापित हुए लोगों की संपत्तियों की सुरक्षा करने में कथित रूप से विफल रहने का आरोप है। इस दौरान जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई की। पीठ ने कहा कि वह इस तर्क से संतुष्ट नहीं हैं कि मणिपुर के मुख्य सचिव समेत प्रतिवादियों के खिलाफ अवमानना का मामला बनाया गया है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि याचिकाकर्ता अपने पास उपलब्ध अन्य कानूनी उपायों का सहारा ले सकते हैं।

सीएस के खिलाफ अवमानना नोटिस उचित नहीं : याचिकाकर्ताओं ने पिछले साल 25 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था, जिसमें जातीय संघर्षों के कारण विस्थापित लोगों की संपत्तियों की सुरक्षा का आदेश दिया गया था। मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों की संलिप्तता पर कहा कि यह उचित नहीं है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया कि उनके क्लाइंट, जो वर्तमान में मणिपुर से बाहर रह रहे हैं। इम्फाल में अपनी संपत्तियों पर वापस नहीं लौट सकते तो पीठ ने जवाब दिया कि इसका मतलब यह नहीं है कि मुख्य सचिव के खिलाफ नोटिस जारी किया जाए। *सरकार सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध :* *भाटी ने कहा कि राज्य ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करके उसका अनुपालन किया है और वह अपडेट रिपोर्ट देने के लिए तैयार है। सरकार नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।*

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Pic of The Day

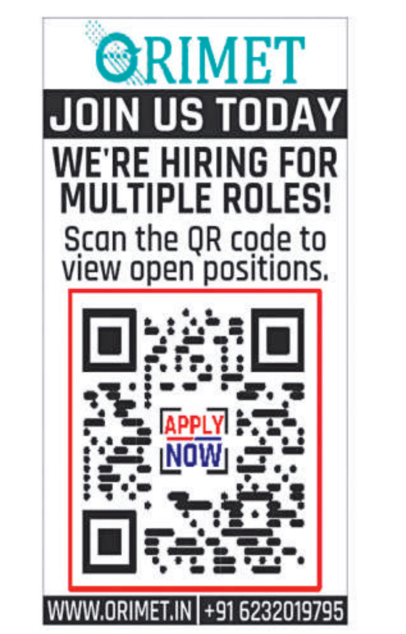

एजूकेशन स्पेशल

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- Raipur Convent Hr.Sec. School Required Trained Teachers to teach English, Sanskrit, Maths, Physics, Chemistry, Bio, SST, Science, Commerce & Primary teachers also Required (In English Medium), Interview on 28.05.2024, 10.00am at Gudhiyari, Janta Colony- 8109077721, 8109077723, New Rajendra Nagar, Amlidih- 8109077729, 8109077731, Shivanand Nagar, Near Neem Dabri Talab- 8109077730. (RO-7476)

आवश्यकता है- श्री कृष्णा हिंदी / इंग्लिश स्कूल चंडी अभनपुर में प्री- प्राइमरी से मिडिल क्लास हेतु इंग्लिश मीडियम टीचर की आवश्यकता है तथा हिंदी मीडियम में गणित, वाणिज्य, अंग्रेजी, रसायन, अर्थशास्त्र एवं कंप्यूटर टीचर की आवश्यकता है योग्यता- संबंधित विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर/ बी. एड. **आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15/0 6/2024 संपर्क सूत्र 9893534338** (RO-992)

छोटा विज्ञापन

आवश्यकता है- लेडी वाईस प्रिंसीपल, इंचार्ज, क्लर्क, अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम में- साइंस, मैथ्स, फिजीक्स, केमिस्ट्री, बायो, सोशल साइंस, इंगलिश, इकोनॉमिक्स एकाउंट पढ़ाने हेतु शिक्षक / शिक्षिकाओं, ड्राईवर, आया की आवश्यकता हैं। साक्षात्कार 28.05.2024 प्रातः 9:30 बजे, **रायपुर कॉन्वेंट हा. से. स्कूल, पानी टंकी के पास खमतराई, 9826198065, 07712252855** (RO-7477)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सिक्योरिटी गार्ड की 10वीं पास उम्र 18 से 45 वर्ष ड्यूटी समय 12 घंटे, 30 दिन, वेतन 14000/- PF और ESI के साथ **संपर्क सड्डू रायपुर- 6261704334, 8497964446.** (RO-3983)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड -40, सुपरवाइजर- 06, वेतन- सुरक्षा गार्ड- 14000 +पीएफ, सुपरवाइजर- 17000 +पीएफ, लम्बाईः 170 CM रहना फ्री। **संपर्क:- मध्य भारत सिक्योरिटी सर्विसेज सुंदर नगर रायपुर (सी.जी.) मोबाइल:- 7400734419, 9244767686, 6267596471** Interview last date **30-05-2024.** (RO-2761)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- अल्फा सिक्योरिटी में 12 घंटे ड्यूटी करने के हेतु 100 गार्ड की आवश्यकता है। **संपर्क करें मो -70447-10812, 80550-17111** (D-560)

असिस्टेंट/ऑफिस वर्क

आवश्यकता है- ऑफिस असिस्टेंट एक पोस्ट महिला, सर्विस इंजीनियर प्रिंटर रिपेयरिंग के लिए एवं ऑफिस कार्य के लिए ऑफिस Boy की आवश्यकता है Channel 4 Plus 130-131 Pagariya Complex Old Bus Stand Pandri Raipur M. No **9424168689** (RO-4419)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रायपुर में एसी साड़ी शोरूम के लिए सेल्समेन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता, ड्यूटी टाइम 10:30 -9:30 **शीघ्र सम्पर्क करें विरदीचंद मानकलाल जैन कंकालीपारा 9340477419, 9425216364.** (RO-2760)

शॉपिंग मॉल

आवश्यकता है- VPS किराना सुपर मार्केट रायपुर में अभी काम करने हेतु अनुभवी युवक युवती और इस काम के अनुभव और जानकारी रखने वाले कर्मचारियों की आवश्यकता है **कृपया अपने ओरिजनल आधार कार्ड फोटो और परिचय पत्र के साथ VPS में सुबह 11 से शाम 6 तक आकर मिले VPS सुपर बाज़ार . भाठागाँव रायपुर 8109 199 199.**(RO-M)

सिविल साइट सुपरवाइजर

JOB VACANCY- Required at Bhilai Steel Plant/NSPCL area Bhilai under Contracts Works. Civil Diploma-10 Post, Accountant-2 Post, HR- 2 Post, Driver-3 Post JCB/Tipper/Pickup Contacts : -TABS Associates, Email : tabsassociates@gmail.com Cell :- **75870-95237.**(आरो नं.- 6336)

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर में रायपुर में तेलीबांधा के पास ऑटोमेटिक कार चलाने के लिए अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है। **संपर्क करें- 97541-60228.**(RO-1218)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु तुरंत आवश्यकता है रहने खाने की सुविधा जो पूर्व में घरेलू कार्य किया हो वही संपर्क करें वेतन 8000/- से 12000/- अनुभवी ड्राइवर चाहिए कम से कम 5 साल का अनुभव रहने की सुविधा **मोबाइल नंबर 7003707355, 9340109282.**(RO-6251)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता है ऑफिस असिस्टेंट -02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव 4, सर्विस टेक्निशियन 2, टेलीकॉलर- 2 (अनुभव आवश्यक नहीं) **संपर्क करें:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461.**(RO-2770)

छोटा विज्ञापन

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल दवा दुकान में कार्य करने हेतु 12वीं पास युवक / युवती की आवश्यकता है पूर्ण बायोडाटा के साथ **संपर्क करें- मकान नंबर A31, राधा स्वामी नगर भाठागांव चौक के पास रिंग रोड नं. 1 रायपुर मोबाइल नंबर 7587817984** (RO-993)

आवश्यकता है- हार्डवेयर नटबोल्ट दुकान में काम हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है योग्यता पांचवी, बारहवीं वेतन 13000 से योग्यतानुसार **बॉम्बे मार्केट राज टॉकीज के सामने 9302702087.**(RO-3984)

ऑफिस ब्वॉय

आवश्यकता है- ट्रेडर्स दुकान में कार्य करने हेतु ऑफिस ब्वॉय और ट्रैक्टर ड्राईवर की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध, **संपर्क करें:- भाठागांव, रायपुर मोबाइल. 98271-14308.**(RO-2773)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- कुशल कंप्यूटर आपरेटर की। आवश्यक योग्यता कंप्यूटर की जानकारी, MS ऑफिस एवं कोरेलड्रा, सैलरी पिछले वेतन से 20% अधिक, ऑफिस एड्रेस Learning Zone New Civic Centre Bhilai, behind Miraj Cinema Shop no.103,104 &106 Mo. **9074133969, 7059321111.** (Ro-483)

स्टाफ नर्स/चौकीदार

आवश्यकता है- स्टाफ नर्स- 6, वार्ड बॉय-6, आया बाई 4, चौकीदार-2 की आवश्यकता है रहने की सुविधा, **संपर्क:- बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड़ रायपुर फोन- 0771-2425009.**(RO-2765)

अकाउन्टेंट/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- तेलीबांधा एरिया में, अकाउंटेंट, सुपरवाईजर, इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर (ऑटोमैटिक कार अनुभवी) व सिक्युरिटी गार्ड , **संपर्क करें- 7880134141** (Ro-997)

चपरासी

आवश्यकता है- अग्रसेन पब्लिक हाईस्कूल धनोरा दुर्ग में आवासीय पति पत्नी चपरासी की आवश्यकता है, 2पद। राजनांदगांव जिला निवासी को प्राथमिकता। परिसर में निशुल्क निवास सुविधा। **संपर्क:- 89595-44444.**(Ro-488)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- शीतला एजेंसी (vehicle spare parts)में कंप्यूटर एवं ऑफिस कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति (उम्र 30 वर्ष से अधिक) चाहिए सैलेरी योग्यतानुसार **संपर्क 9300029026, 9300129026. भाटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर**(RO-1444)

आवश्यकता है- ऑफिस सहायक हेतु 10वी पास युवकों की जो बाहर जाकर काम कर सके। सैलरी- 10,000 +कमीशन +बोनस +आवास फ्री, ट्रेनिंग के बाद कमाए 25,000 से 30,000 महीने मे। **संपर्क:- 8180068616, 9171336699.** (RO-2746)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- ऑफिस सहायक (कंप्यूटर कार्य) के लिए युवको की तत्काल आवश्यकता है सैलरी 8,000 प्रतिमाह कार्य समय 11 बजे से शाम 7 बजे। **संपर्क करें:- 9039584784, 9302708426.**(RO-2769)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के बाहर ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस रहना फ्री ट्रेनिंग पश्चात कमाएं 15000 से 20000 महीना **सम्पर्क करें बिलासपुर 6266578863, 6265735407, 9685471225.**(RO-1887)

आवश्यकता है- घर से बाहर रहकर जॉब, ऑफिस कार्य करने हेतु 10वीं, 12वीं पास लड़के चाहिए। सैलरी 10000+ बोनस, आवास फ्री। ट्रेनिंग पश्चात कमाये 15000 से 20000 महीना। **सम्पर्क करें- 8962804923, 9302413104** (RO-34230)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- PVC पाईप दुकान में काम करने हेतु लड़के चाहिए टेली- 01, लड़के- 04, **पता- आर. बी. पाटीदार एण्ड कम्पनी नरसिंग मील कम्पाउन्ड रेलवे प्लेट फार्म नं. 7 के पास गुढ़यारी रायपुर (छ. ग.)** (RO-994)

फील्ड कार्य

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रो में फील्ड में काम करने हेतु फील्ड ऑफिसर पद पर लड़कों की जरुरत है योग्यता 10वीं वेतन 14500 से 18000 तक 3000 से 5000 तक पेट्रोल का अलग मिलेगा **सम्पर्क करें- श्रीकांत 6267791407.**(RO-34229)

सेल्समैन

आवश्यकता है- रायपुर व दुर्ग जिले में किर्लोस्कर पंप विक्रय हेतु सेल्समेन की आवश्यकता है, **सम्पर्क: निर्मल सेल्स, मो. 9300659227, 7566578910.**(RO-7478)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

वधु चाहिए

वधु चाहिए
महाराष्ट्रीयन तलाकशुदा 47 वर्षीय प्राईवेट कर्मचारी हेतु वधु चाहिए। जाति बंधन नहीं छत्तीसगढ़ वासियों को प्राथमिकता।
संपर्क करें- 7869005408

वधु चाहिए

वधू चाहिए
गवर्नमेंट जॉब, दिव्यांग पुरूष (100% ब्लाइंड) उम्र 36 वर्ष, हाइट 5'-5" सरकंडा बिलासपुर निवासी हेतु वधु चाहिए। जाति बंधन नहीं (40% से अधिक और आंखों से दिव्यांग संपर्क ना करें)
संपर्क करें 7049076472 8827118285

वर चाहिए

वर चाहिए
जाति बंधन नहीं, अनमैरिड अकेली महिला खुद का हॉस्पिटल/ पीएचडी, पीजी हेतु उम्र 11/03/1979 हाईट 5'-4" मासिक आय 6 लाख, सभी मान्य है, टाइम पास करने वाले क्षमा करें जरूरतमंद कॉल करें-
7898410145 9685404563

वर चाहिए

वर चाहिए- सतनामी (मधुकर कन्या) 32, 5' 2'', MA हिंदी आईटीआई ,सीटीआई, कन्या हेतु वर चाहिए। अन्य जाति भी मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। मो.-78989-70604 (468)

वर चाहिए-झेरिया साहू, गंगबोईर, सुंदर, 30वर्ष, बी.कॉम., एम.कॉम., पी.जी. डी.सी.ए. कन्या स्वजातीय वर चाहिये। छत्तीसगढ़ निवासी ही संपर्क करें- 9826127284, 9977600910 (999)

ड्रायवर

आवश्यकता है- अनुभवी घरेलू ऑटोमेटिक कार ड्राइवर की, गायत्री नगर / शंकर नगर / अवंति विहार रायपुर के पास रहने वाले को प्राथमिकता । आवेदन करें, लायसेंस व आधारकार्ड के साथ । **सम्पर्क मोबाइल 9977703216.** (RO-534)

कुक

आवश्यकता है- होटल हेतु कुक चाहिए गंजपारा दुर्ग स्थित होटल प्रिंस में किचन में कार्य करने हेतु कुक की आवश्यकता है। **पता- जी. ई. रोड गंजपारा दुर्ग मो.9009411111.**(आरो-485)

वेल्डिग कार्य

आवश्यकता है- फैक्ट्री के सारे बिजली के काम, वेल्डिंग का पूरा काम और मेल्टिंग फर्नेस की सम्पूर्ण जानकारी तथा चलाने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है **पता: लक्ष्मी सेल्स, न्यू टिंबर मार्केट , फाफाडीह ,रायपुर 9893115637.**(RO-1407)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

अन्य

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 4G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब)करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000- 45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS **करें- 7003467406, 9883460031.**(RO-213)

आवश्यकता है- (फ्रॉड कॉल से सावधान) RELIANCE JIO 5G कंपनी (SMS SENDING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, घरबैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ़्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS / WHATSAPP **करें :- 07827428113, 07679699330.** (RO-1320)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- महासमुंद में डबल स्टोरी मकान 2000 फीट एकता चौक के पास दुकान सहित 95 लाख में, एवं 2000 फीट कलेक्टरेट रोड के पास 85 लाख में बेचना है । **9907826124, 7974486019.**(RO-07)

जमीन/प्लाट

बेचना है - जगदलपुर, शांति नगर में बिक्री हेतु कुल जमीन 2462 वर्गफीट, आगे- पीछे खाली जगह, मकान करीब 1600 वर्गफीट में बना है। 2 बीएचके की दो मंजिले, 1 बीएचके की 1 मंजिल। गंभीर खरीदार ही **संपर्क करें- 9980044477.**(RO-540)

प्लॉट बेचना है - दुर्ग अंजोरा- रायपुर भारतमाला हाईवे से थोड़ी ही दूरी पर, बिरेझर में मात्र 111/- फीट में फार्म हाऊस हेतु उपयुक्त 11000 sqft. भूमी उपलब्ध। मो. **9993135732.**(Ro-482)

जमीन बेचना है- ग्राम बेल्हारी धमतरी, रोड मुख्य सड़क से लगा जमीन तत्काल बेचना है दलाल **सम्पर्क न करें।** संपर्क:- मो.- **9827188931**(Ro-486)

Medical चिकित्सा

आयुर्वेदिक- बैगा द्वारा छत्तीसगढ़िया उपचार जैसे चर्म रोग थायराईड, लीवर, किडनी, पथरी, जोड़ों का दर्द शुगर, बवासीर, लकवा, माइग्रेन, खून की कमी स्त्री रोग, साइटिका, एलर्जी, नसों की कमजोरी पेट रोग सभी प्रकार के पुराने व असाध्य रोगों का आयुर्वेदिक दवाई द्वारा किया जाता है साथ ही ज्योतिष विचार देखा जाता है **मोबाइल नंबर 8461886239** (RO-995)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - *फेल विद्यार्थी समय बचाए* :- पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी निश्चित सफलता के साथ पास करेः- B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLY-TECHNIC, B.Tech, (*अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे*) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्क:-** *Bharti Education Academy* Sector-6 Bhilai Mo.- **9826196515, 9826896515** (RO -6334)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000- 50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट **संपर्क:-APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़- 7869755871.**(Ro-2741)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Healthcare

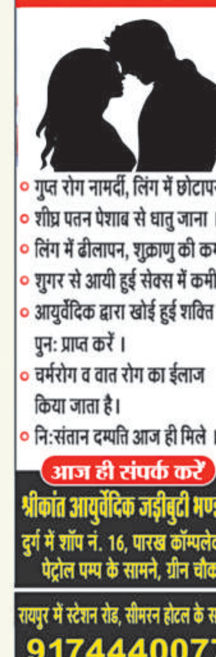

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 26 मई 2024

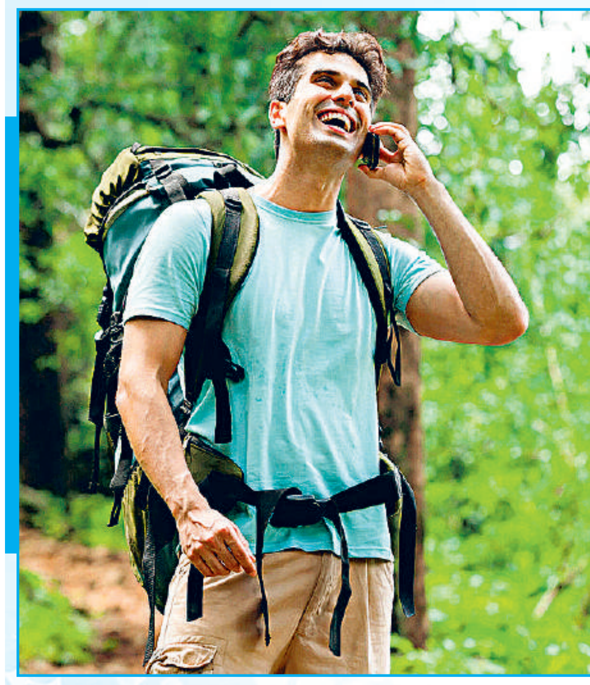

आज के दौर में करियर को नई उड़ान देने के सपने लिए बड़ी संख्या में सिंगल यंगस्टर्स अपने घरों से दूर शहरों, मेट्रो सिटीज में रह रहे हैं। इनकी लाइफस्टाइल ऊपरी तौर पर देखने में कूल और बिंदास लगती है, लेकिन वास्तव में आज के युवा अपनी मैच्योर सोच और प्रैक्टिकल अप्रोच के जरिए जीवन को शानदार तरीके से जी रहे हैं।

कूल-बिंदास-शानदार सिंगल यंगस्टर्स की जिंदगी

{ कवर स्टोरी / शैलेंद्र सिंह }

वे हमेशा उत्साह से भरे होते हैं। चाहे क्लब में हों या कैफे में। वे टेनिस, बैडमिंटन या मनचाहा कोई और गेम खेलते हैं। पार्टियों में मस्ती करते हैं। उनकी शर्ट-पैंट पर कड़क क्रीज दिखती है और शूज में हमेशा चमकती हुई क्रीम पॉलिश। वे अधिकतर हंसते, मुस्कुराते और चहकते रहते हैं। जी, हां! ये युवाओं की दुनिया है। लेकिन आप सोच रहे होंगे कि ये किन घरों के युवा हैं, जहां इन्हें मौज-मस्ती करने का इतना टाइम मिलता है, क्या इन्हें ऑफिस नहीं जाना होता? जी नहीं, जनाब आपका अनुमान गलत है। ये काम-काजी युवा ही हैं, लेकिन सिंगल हैं। हैरान न होइए, सिंगल होना हमेशा परेशानियों से ऊबे रहना ही नहीं है। सिंगल रहना खुशियों से भरा होना भी हो सकता है।

पिछली पीढ़ी के युवाओं से अलग

आज के इन युवाओं ने, पुरानी पीढ़ियों से सुने उन युवाओं को टाटा, बाय-बाय कह दिया है, जो जब तक अकेले रहते थे, घर या हॉस्टल का कमरा ऐसा दिखता था, जहां हर चीज बेतरतीब पड़ी होती थी। अखबार, फर्नीचर या फर्श को झाड़ें तो धूल की परत जमी होती थी। जहां अव्वल न तो खाने-पीने के बर्तन होते थे और न ही रसोई में तुरंत कुछ बना लेने की सुविधा। पिछली सदी के अंतिम के दशकों में उनके लिए कुछ ऐसे संबोधन हुआ करते थे, जैसे-'ये एक नंबर के लापरवाह, आलसी और बेतरतीब हैं।'

स्टाइल को लेकर रहते हैं कॉन्शस

आज हम जिन युवाओं की बात कर रहे हैं, उनकी दुनिया पूरी तरह से बदल चुकी है। ये बिंदास जीने वाले सिंगल युवा हैं। इन्हें अपना घर खुद ही मैनेज करना होता है, दफ्तर भी और करियर ऑप्शंस भी, फिर भी इनमें थकान ढूंढे नहीं मिलती है। आज अकेले रहने वाले तमाम युवा पूरी तरह से व्यवस्थित रहते हैं। ये परफ्यूम लगाए बिना दफ्तर नहीं जाते। इनके चेहरे पर आप दो दिन की पुरानी शेव नहीं देख सकते। ये अपने बालों के लिए बाजार में जितने भी मुफीद उत्पाद हैं, उन सबके बारे में अच्छी तरह से जानते हैं। आज के युवा अपने लुक और स्टाइल को लेकर हर समय सजग रहते हैं। घर से बाहर अपने बॉडी लैंग्वेज को लेकर कॉन्शस रहते हैं, इनमें अपना एक स्टाइल होता है ताकि कहीं से यह न लगे कि उनमें चलने-बोलने, उठने-बैठने या खाने-पीने की तमीज नहीं है। व्यवस्थित रहना, सजग रहना, स्मार्ट दिखना और स्टाइल की छाप छोड़ना, आज के यंगस्टर्स की खास खूबी बन चुकी है।

जीते हैं मैनेज्ड-कंफर्टेबल लाइफ

युवाओं की जितनी व्यवस्थित जिंदगी परिवार के साथ होती है, लगभग उतनी ही व्यवस्थित जिंदगी वह अकेले में भी बिताते हैं। इसका अंदाजा उनके अकेले के समृद्ध रहन-सहन से भी लगाया जा सकता है। आज का तेजी से कमाने वाला युवा सिर्फ अच्छी ड्रेसेस भर नहीं पहनता, न ही वह पार्टियों में जाने के लिए उत्सुक रहता है। सच्चाई तो यह है कि वह अपने घर में भी पूरे सुख-सुविधाओं के साथ रहता है। बेंगलुरु में अकेले रहने वाले 70 फीसदी से ज्यादा युवा अपना किराए का फ्लैट लेकर रहते हैं, जिसमें वह या तो अकेले या अपने किसी एक दोस्त के साथ शेयर कर रहे होते हैं। इनके फ्लैटों में वो तमाम सुख-सुविधाएं मौजूद होती हैं, जो एक जमाने में एक दशक का दांपत्य जीवन गुजार चुके जोड़ों के यहां होता था। मसलन टीवी, रेफ्रिजरेटर, शानदार किचेन और किचेन में तमाम तरह के इस्तेमाल होने वाले उपकरण। खाने-पीने में भी आज के युवाओं की रुचियां विस्तृत हैं।

रिलेशन-प्रोफेशन में प्रैक्टिकल सोच

आज 81 फीसदी युवक और 76 फीसदी युवतियां, किसी से यह कहने में जरा भी नहीं हिचकते कि उन्हें वह अच्छा लगता है या अच्छी लगती है, जबकि पिछली सदी के 80 और 90 के दशक में ऐसी हिम्मत जुटा पाना बहुत कम युवाओं के ही बस में होता था। आज बड़ी तादाद में ऐसे युवा एक साथ दो पार्टनर के साथ डेटिंग कर रहे होते हैं और बिना किसी अपराधबोध में आए बड़ी सहजता से दो शख्सियतों के बीच जरूरी तुलना कर रहे होते हैं। फिर सोच-समझकर वह किसी एक के साथ बिना किसी संकोच के रिलेशन बनाए रखने का डिसीजन करते हैं। यही नहीं जिसके साथ रिलेशन बनाए रखने में इन्हें जरा भी अनकंफर्ट फील होता है, उससे ब्रेकअप करने में देर भी नहीं करते हैं।

आज के युवाओं की बातचीत में एक ठहराव और मैच्योरिटी दिखती है। साथ ही उन्होंने तमाम व्यावहारिक बदलावों ने अपनी जगह बनाई है, जैसे-आज के युवा 61 फीसदी से ज्यादा मौकों पर किसी से मिलने के लिए उसके वर्कप्लेस पर ही जाना पसंद करते हैं ताकि छुट्टी होने के बाद के समय को काम-काज संबंधी रूटीन मीटिंग्स में न वेस्ट किया जाए। व्हाइट कॉलर जॉब बढ़ने के कारण युवाओं में एक विशेष किस्म का आत्मविश्वास बढ़ा है। आज व्हाइट कॉलर जॉब करने वाले लगभग 90 फीसदी से ज्यादा युवाओं के पास अपना लैपटॉप होता है, जिससे वे न सिर्फ अपने विस्तृत संपर्कों की दुनिया से लगातार जुड़े रहते हैं बल्कि मनोरंजन और अपनी दूसरी भावनात्मक जरूरतों को भी इसके जरिए पूरा करते हैं।

टेक्नो-ट्रेडिशन का कॉम्बिनेशन

आज का युवा कुछ दशक पहले के युवाओं से भिन्न जहां भी जाता है, अपने घर-परिवार के वैल्यूज और ट्रेडिशंस को नहीं भूलता है। आज का युवा एक तरफ जहां इंटरनेट के जरिए पूरी दुनिया से जुड़ा है, साइबर नेटवर्किंग के चलते जहां उसकी सोच, समझ और परिचय के दायरे में पूरी दुनिया आ गई है, वहीं उसमें अपनी जड़ों को जानने और परंपराओं को समझने की भी ललक बढ़ी है। यही वजह है कि आज का युवा पहले के मुकाबले घर से दूर रहने पर भी न तो विद्रोही बनता है और न घर-परिवार को भूल जाता है। सच, युवाओं के अकेले की दुनिया कभी भी इतनी शानदार नहीं थी। *

नहीं चूकते एंज्वॉयमेंट का चांस

आज के युवाओं की दुनिया, इनके काम-काज के ढंग, इनकी लाइफस्टाइल में तड़क-भड़क ने किस तरह से इंट्री की है, इसका अंदाजा जीवनशैली उजागर करने वाले कुछ सर्वेक्षणों को देखकर लगाया जा सकता है। दिल्ली और मुंबई में हुए एक सर्वे के मुताबिक इन शहरों के 77 फीसदी से ज्यादा युवा अकेले रहने को अभिशाप नहीं मानते। अकेले रहने पर भी ये अपने दोस्तों के साथ पार्टियां मिस नहीं करते। वीकेंड पर अपने कुलीग्स या फ्रेंड्स के साथ डिनर या हैंगआउट करने का मौका कभी नहीं छोड़ते। यानी आज के युवा एंज्वॉयमेंट का कोई भी चांस नहीं चूकते हैं।

तेजी से बदलती दुनिया में बदलता पीढ़ियों का नजरिया

यह सही है कि हर पीढ़ी का दुनिया देखने का अलग नजरिया होता है। इसकी वजह है, पीढ़ी के साथ दुनिया भी बदल जाती है। लेकिन आज के दौर में रहने वाली कुछ पीढ़ियां जिन अभूतपूर्व बदलावों की साक्षी रही हैं, वो अपने आप में अचरजकारी है।

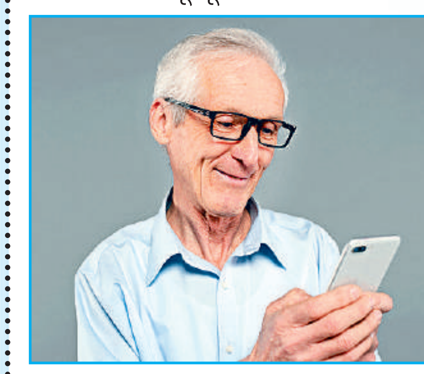

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

हर इंसान की यह फितरत होती है कि वह अपने दौर को किसी दूसरे दौर से अलग और बेहतर साबित करने की फिराक में रहता है। जो लोग वाई जनरेशन, जेड जनरेशन, मोबाइल जनरेशन और डिजिटल जनरेशन जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करते, वो लोग भी आपको बातचीत में यह कहते मिल जाएंगे कि मौजूदा जनरेशन से हमारी जनरेशन ज्यादा समझदार, ज्यादा मेहनती और कम संसाधनों पर बड़ी-बड़ी कामयाबियां पाने वाली रही है। लब्बोलुआब यह कि इंसान बड़ी खूबसूरती से अपने आगे और पीछे की पीढ़ियों को अपने से तुलना करने के लिए कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेता है और बिना शक कोई भी पीढ़ी यह मानने को तैयार नहीं होती कि वह अपनी पिछली पीढ़ियों या अगली पीढ़ियों से कम समझदार, कम मेहनती या कम संघर्ष झेलने वाली पीढ़ी है। हर पीढ़ी खुद को ही सबसे ज्यादा आधुनिक विचारों से भरपूर भी मानती है।

पीढ़ियों के नजरिए पर हुए अध्ययन: दशकों से अमेरिका का प्यू रिसर्च सेंटर विभिन्न किस्म के सामाजिक पहलुओं की परख अपने सर्वेक्षणों के जरिए करता रहा है और अब यह संस्थान अलग-अलग जनसांख्यिकीय समूहों को अलग-अलग उपभोग के नजरियों के आधार पर वर्गीकरण करता है। अपने इस वर्गीकरण को दस्तावेज की शक्ल प्रदान करके हर पीढ़ी को दूसरी पीढ़ी से अलग जानने, समझने का नजरिया प्रदान करता है। वास्तव में अलग-अलग पीढ़ियां दुनिया को उसके समय और परिवेश में चिन्हित करने के लिए, उनके जीवन जीने के ढंग, मान्यताओं, आपस में व्यवहार करने के तौर-तरीकों और भविष्य के प्रति साझे या बहुसंख्यक विचारों के जरिए पहचानते हैं। लगभग हर पीढ़ी का यह विश्लेषणात्मक नजरिया होता है कि दुनिया के आगे बढ़ने के क्रम में उनका दौर सबसे व्यावहारिक नजरिया रखता है। इसलिए प्यू रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष माइकल डिमोक कहते हैं कि हर पीढ़ीगत समूह, शोधकर्ताओं को अपने समय के साथ अपने विचारों में होने वाले परिवर्तनों के जरिए भिन्नता स्थापित करने का आधार प्रदान करते हैं।

सर्वाधिक बदलावों की साक्षी वाई जनरेशन: प्यू रिसर्च सेंटर पिछले एक दशक से भी अधिक समय से मिलेनियल जनरेशन (जिसे वाई जनरेशन भी कहते हैं) का अध्ययन कर रहा था और साल 2018 तक आते-आते उसे यह स्पष्ट भान हो गया कि यह वह जगह है, जहां अगली (जेड जनरेशन) पीढ़ी और मिलेनियल पीढ़ी के बीच कट ऑफ प्वाइंट निर्धारित होता है। कहने का मतलब यह कि सन 80 से चिन्हित हो रही यह जनरेशन साल 2018 में 38 वर्ष की हो गई और इस तरह इस पीढ़ी के सबसे बुजुर्ग सदस्य मिलेनियल वयस्कता में प्रवेश कर चुके हैं। आज जो जेड जनरेशन यानी इक्कीसवीं सदी में जन्मी पीढ़ी, इसे अपनी पूर्वज पीढ़ी मान रही है, उसके सामने यह मिलेनियल जनरेशन ऐसी पीढ़ी है, जो अपने आपमें एक नहीं दो पीढ़ियों के स्वभाव को समेटे हुए है। मिलेनियल जनरेशन अब तक के इतिहास की पहली वह पीढ़ी है, जिसके पास सबसे ज्यादा विचार, विविधता और अनुभव हैं। यह पीढ़ी ऐसी पीढ़ी है, जिसके पास चमत्कारिक डिजिटल टेक्नोलॉजी के अनुभव हैं, तो विस्तृत रूप से व्यावहारिक उपभोक्तावादी पीढ़ी की प्रतिनिधि पीढ़ी भी यही है। दुनिया की यह पहली ऐसी पीढ़ी है, जिसने शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से उर्वर रहते हुए एक दौर से दूसरे दौर में प्रवेश किया है, और दोनों की ही अलग-अलग खूबियों से न केवल अच्छी तरह से परिचित है बल्कि इन दोनों की जबर्दस्त जानकार भी है। यह मिलेनियल पीढ़ी ही है, जिसने पहली बार भूमंडलीकरण को हावी होते देखा। यही वह पीढ़ी है, जिसने पहली बार समय, दूरी और स्पेस को एक-दूसरे में गड्डमड्ड होते देखा। यह मिलेनियल्स पीढ़ी बेहद बेचैन और अथाह किस्म के उमड़-घुमड़ रहे विचारों में हमेशा डूबती-उतरती रहती है। मिलेनियल जनरेशन अब तक की सबसे फ्यूजन जनरेशन है, जिसे अपने से पुरानी पीढ़ी के साथ ही जेड जनरेशन के विचारों, धारणाओं और कल्पनाओं से भी टकराना पड़ा है। साथ ही मजबूत रिश्ता भी बनाकर रखना पड़ा है।

तकनीक के संग पली-बढ़ी जेड जनरेशन: एक जमाना था, जब हवाई जहाज दूरियों को कम करने वाली सबसे बड़ी तकनीक थी। लेकिन 21वीं सदी में इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने एक ऐसी पलक झपकती 'क्लिक डिस्टेंस' की अवधारणा प्रस्तुत की है कि आदमी पलक झपकाकर एक झटके में एक दौर से दूसरे दौर में पहुंच जाता है। ऐसे में तकनीक की उच्चतम प्रगति के साथ पली-बढ़ी जेड जनरेशन का नजरिया वाई जनरेशन से भी अलग होना स्वाभाविक है। यह भी देखा जा रहा है कि जेड जनरेशन, अब तक के इंसानी विकास और सभ्यता को डिजिटल में तब्दील करके अर्थहीन और मशीनीकृत कर रही है।

परिवर्तन से भरी पीढ़ियों का दौर: वैसे यह मानव इतिहास का पहला ऐसा दौर है, जब एक साथ एक नहीं, कई पीढ़ियां रह रही हैं, जो एक ही दौर में अपने-अपने तरीकों और विचारों से दुनिया को देख रही हैं। फिर भी अलग-अलग पीढ़ियों के चश्मे से दुनिया को देखना न केवल हैरतअंगेज ढंग से मनोरंजक है बल्कि इंसानी सोच की खूबसूरत विविधता का गुलदस्ता भी है। *

{ कविता / देवांशु }

बर्फ का गोला

चिलचिलाती धूप में
रेलवे स्टेशन के बाहर
पेड़ के नीचे
बेचता है जकलाराम
ठेले पर बर्फ का गोला
जब आती है टेरेन स्टेशन पर
लगाता है ऊंची आवाज
लोग चले आते हैं
उसके ठेले के पास
वह घिसता है बर्फ
लकड़ी के औजार पर
पसीने से भीगता है
उसका बनियान
भरता है वह कांच के गिलास में
बर्फ और डालता है मीठा रंग
लाल, पीला, हरा
बर्फ की खुरचन पर
फिर लकड़ी की काठी में सहेज कर
देता वह प्यार से लोगों को।
इस भीषण गर्मी में
मीठे बर्फ का गोला
देता है थोड़ी सी राहत
सिर्फ पांच रुपए में
और जकलाराम को दो वक्त की रोटी।

{ लघुकथाएं }

अपशकुनी

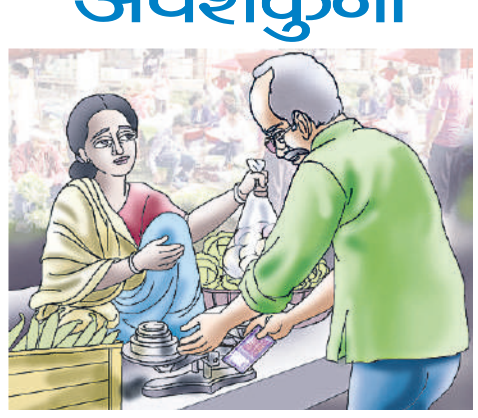

सब्जी मंडी में अधिकांश सब्जी वालों ने अपनी दुकानें सब्जी मंडी के बाहर सड़क पर लगा रखी थीं। इन दुकानदारों से दूर हटकर एक महिला सब्जी की दुकान लगाकर बैठी थी। उसके पास कोई ग्राहक सब्जी खरीदने नहीं जा रहा था। दीनानाथ जी सब्जी मंडी की सभी दुकानों को पार कर उस महिला के पास सब्जी खरीदने पहुंचे। महिला ने दो-तीन तरह की सब्जी तोल कर उनकी थैली में डाल दीं, ऊपर से कुछ धनिया भी डाल दी। दीनानाथ जी उसके कहे अनुसार पैसे देकर जैसे ही चलने को हुए तो महिला ने उन्हें रोका, वह अपनी जगह से नीचे उतर कर आई, भरी आंखों से उसने दीनानाथ जी के चरण छू लिए। वह कुछ समझ नहीं पाए, हकबका कर बोले, 'अरे! पैर क्यों छू रही हैं...?'

'कुछ नहीं साहब, सुबह से बैठी हूं। दोपहर होने को है, कोई सब्जी खरीदने नहीं आया, आप पहले ग्राहक हैं। आपने मोल-भाव भी नहीं किया। तोल के बारे में भी कुछ नहीं कहा, सब्जी खरीद ली पैसे भी पूरे दे दिए।' महिला बहुत भावुक होकर बोली। 'तो क्या हुआ, लेकिन तुम अकेली ही ऐसी दुकानदार हो, जो सब्जी मंडी में सबके साथ नहीं बैठकर अलग बैठी हो। अगर सभी सब्जी वालों के बीच बैठतीं तो ग्राहक की पहुंच आसान होती।' दीनानाथ जी बोले। 'नहीं साहब, ये लोग अपने साथ बैठने नहीं देते। मेरे पति की लंबी बीमारी से मृत्यु होने के बाद मेरा लड़का सब्जी बेचता था। जिंदगी से परेशान होकर उसने भी एक दिन फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जैसे-तैसे दोनों की मृत्यु के दुख से निकली और खर्चा चलाने के लिए सब्जी की दुकान संभाली तो इन सब सब्जी वालों ने मुझे अपशकुनी कह वहां अपने साथ बैठने नहीं दिया। इसलिए यहां अलग बैठना पड़ता है। शाम तक कुछ औरतें सब्जी खरीदने यहां तक आ जाती हैं, उससे अपना काम निकल जाता है।' दीनानाथ जी को यह सुनकर बहुत दुःख हुआ। वह अंधविश्वासी सब्जी बेचने वालों को समझा कर कोई बखेड़ा खड़ा करना नहीं चाहते थे। दीनानाथ जी उस महिला से बोले, 'हिम्मत रखो, धीरे-धीरे सब ठीक हो जाएगा।' दूसरे दिन दीनानाथ ने उस महिला के सब्जी के मुनासिब दाम लेने और ईमानदारी से तोल करने की प्रशंसा कर अपने सभी साथियों, पड़ोसियों से उसके यहां से सब्जी खरीदने के लिए प्रेरित किया। देखते-देखते उस सब्जी बेचने वाली महिला की दुकान अच्छी चलने लगी। अन्य दुकानदार, जो उसे अपशकुनी कह उसे अपमानित करते थे, अब उसको सम्मान देने लगे। *

-भगवती प्रसाद गेहलोत

दिहाड़ी

रोजाना की तरह पुरानी चुंगी पर मजदूरों की भीड़ जमा थी। एक साहब दो-चार मजदूरों को दिहाड़ी पर लेने आए थे। उन्होंने भीड़ देखकर अपनी गाड़ी साइड में लगा ली। गाड़ी के पास कुछ मजदूर आकर बोलने लगे, 'बाबूजी... हमें ले चलिए.. बाबूजी... हमें ले चलिए...!' लेकिन साहब थे कि किसी की कुछ सुन ही नहीं रहे थे।

बगल वाली सीट पर बैठी साहब की पत्नी ने पूछा, 'इतने मजदूर हैं, इनमें से ले क्यों नहीं चलते, काम में देरी हो रही है।'

'आधे घंटे और रुक जाओ फिर ले चलेंगे, तीन की दिहाड़ी पर चार मजदूर मिल जाएंगे...।' साहब हल्की-सी मुस्कान मारते हुए बोले।

'तीन की दिहाड़ी में...चार...! मैं कुछ समझी नहीं?' पत्नी ने पूछा।

साहब पहले 'ही-ही' करके हंसे फिर बोले, 'आधे घंटे में जिनको काम मिलना होगा मिल जाएगा, इसके बाद बाकी के मजदूर निराश होकर घर लौटने की तैयारी में लग जाएंगे, तब मैं चार सौ रुपए की दिहाड़ी लेने वाले मजदूरों को तीन-तीन सौ में ले जाऊंगा। बेचारों के लिए घर लौटने से तो अच्छा है, तीन सौ रुपए की कमाई हो जाए।'

उसी समय साहब का मोबाइल फोन बज उठा, 'सुमेश जी... आप अगले महीने से कंपनी में मत आइएगा। मालिक ने कहा है कि आप जितनी सैलरी अकेले ले रहे हैं, उतनी ही सैलरी में तीन इंजीनियर आने को तैयार हैं, वे सभी आपसे ज्यादा पढ़े-लिखे हैं, अनुभवी हैं...।' साहब कुछ बोलते उससे पहले फोन कट गया। *

-गोविंद भारद्वाज

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

दक्खिन टोला की कविताएं

करीब बाइस वर्षों बाद दोबारा छपकर आए अंशु मालवीय के चर्चित कविता संग्रह 'दक्खिन टोला' की कविताओं को पढ़ना, भावनाओं और संवेदनाओं से भरी गलियों में फिर से गुजरने जैसा है। इतना समय गुजरने के बाद भी ये कविताएं कहीं से भी अप्रासंगिक नहीं लगतीं। 'तुलसी चीखे/एक मर्मांतक चीख/जैसे पेड़ चीखते हैं/लकड़ियों से सलीब बनता देखकर।'(चीख) जैसी पंक्तियां किसी भी संवेदनशील पाठक को विचलित कर सकती हैं। तो वहीं 'हमें अपनी उम्मीदों के लिए/बहुत सारी उम्मीदों के खिलाफ लड़ना होगा।' (उम्मीदों के खिलाफ) जैसी कविता, एक बेहतर दुनिया के निर्माण का आह्वान करती भी मिलती है। *

पुस्तक: दक्खिन टोला (कविता संग्रह), **लेखक:** अंशु मालवीय, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

ऐसे खोजें बेस्ट म्यूचुअल फंड, होगी मोटी कमाई

कुछ टिप्स आपको दिलवा सकते हैं अच्छा मुनाफा ■ पहले जानें कि म्यूचुअल फंड में क्यों निवेश कर रहे ■ उसी से तय होता है कि कौन सी स्कीम आपके लिए बेहतर ■ म्यूचुअल फंड में ऑनलाइन निवेश के लिए डीमैट अकाउंट खुलवाएं

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश शुरू करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो पहले एक अच्छा सा म्यूचुअल फंड तलाश लें, ताकि आपको अच्छा मुनाफा मिल सके और आप आसानी से अपनी निवेश यात्रा शुरू कर सकें। इस समय म्यूचुअल फंड निवेश के लिए पसंदीदा एसेट्स बनकर उभर रहे हैं, देश के हर कोने-कोने से लोग इनमें निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। हालांकि अक्सर देखने में आता है कि लाख कोशिशों के बाद भी कुछ निवेशक अच्छा म्यूचुअल फंड नहीं चुन पाते हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह है-आधी अधूरी जानकारी। अक्सर लोग अच्छे म्यूचुअल फंड स्कीम की तलाश में इंटरनेट का सहारा लेते, लेकिन बड़े-बड़े टेक्निकल टर्म देखकर हाथ खड़े कर देते हैं। अगर आप भी इसी कैटेगरी में आते हैं तो कोई बात नहीं। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जो आपको अच्छा मुनाफा दिला सकते हैं और निवेश की यात्रा में आपके काफी काम आ सकते हैं। हम आपको म्यूचुअल फंड में निवेश की एबीसीडी से लेकर बड़े-बड़े टर्म भी आसान भाषा में समझाएंगे।

पहले यह जानिये

बाजार के जानकारों का कहना है कि निवेशकों को सबसे पहले यह मालूम होना चाहिए कि वे म्यूचुअल फंड (एमएफ) में निवेश क्यों करना चाहते हैं। क्योंकि इसी आधार पर तय होता है कि आपके लिए कौन सी स्कीम बेहतर रहेगी। कई लोग फिक्स्ड डिपॉजिट का विकल्प ढूंढ़ते हुए म्यूचुअल फंड पर पहुंचते हैं। कुछ लोग शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन उनके पास समय नहीं होता कि रोज शेयरों में उतार चढ़ाव पर नजर रख सकें, ऐसे लोग भी एफएफ में निवेश करते हैं। कुछ लोग टैक्स बचाने के साथ बेहतर रिटर्न भी चाहते हैं उनके लिए म्यूचुअल फंड अच्छा निवेश साधन हो सकते हैं।

ऐसे काम करता है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में आपके पैसे को इनवेस्ट करने और उससे रिटर्न कमाकर देने की जिम्मेदारी म्यूचुअल फंड हाउस की होती है। ये वह कंपनी है जो आपका निवेश मैनेज करती है। इसे असेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) कहते हैं। एमएफ में निवेश का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपका निवेश का काम अनुभवी फंड मैनेजर संभालते हैं। दूसरा फायदा ये कि यह सेबी के नियम और कानून के दायरे में आते हैं, इसलिए सुरक्षित भी माने जाते हैं। म्यूचुअल फंड अन्य निवेश के इंस्ट्रूमेंट्स के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। क्योंकि इनमें निवेशकों का पैसा किसी एक जगह न लगाने जाने की बजाय कई किस्मों के इंस्ट्रूमेंट में लगाया जाता है।

निवेशक को अलॉट होती हैं यूनिट

जैसे कंपनी के शेयर होते हैं वैसे ही म्यूचुअल फंड हाउस की यूनिट होती है। एमएफ में पैसा लगाने वाले निवेशकों को मूलतः फंड हाउस में हिस्सेदारी मिलती है। यूनिट के जरिए निवेशक को उन सभी सिक्योरिटीज का फायदा मिलता है, जिनमें एमएफ हाउस ने पैसे लगाए हैं। इसे ऐसे समझते हैं। एक्स नाम के म्यूचुअल फंड हाउस ने एक कंपनी ए में 20%, कंपनी बी में 15%, कंपनी सी में 10%, कंपनी डी में 25% और डेट इंस्ट्रूमेंट में 30% निवेश किया हुआ है। मान लेते हैं आपने इस फंड हाउस की एक यूनिट खरीदी। तो आपके पास भी इन सभी सिक्योरिटीज में उसी अनुपात में हिस्सेदारी होगी। एक यूनिट की कीमत नेट असेट वैल्यू (एनएवी) कहलाती है। एनएवी की कीमत हर रोज तय होती है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी फंड की एनएवी 100 रुपये है तो इस फंड में 1,000 रुपये लगाने पर निवेशक के हिस्से में 10 यूनिट आएंगे।

सहूलियत वाली ये स्कीम

म्यूचुअल फंड में पैसे जब चाहें तब लगाने और निकालने की सुविधा चाहते हैं तो ओपन एंडेड स्कीम में निवेश करें। वहीं, क्लोज्ड एंडेड स्कीम में निवेशक सिर्फ एक बार ही निवेश कर सकते हैं। साथ ही पैसे भी तभी निकाल सकते हैं जब स्कीम की मैच्योरिटी पीरियड पूरा होगा।

कौन सा एसेट पसंद

इक्विटी म्यूचुअल फंड : इस फंड में निवेशकों का पैसा शेयरों में लगाया जाता है। इक्विटी एमएफ स्कीम के तहत छोटी कंपनियां, मझली कंपनियां, बड़ी कंपनियां, मल्टी कैप, इंटरनेशनल फंड, इंडेक्स फंड का ऑप्शन मिलता है।

डेट म्यूचुअल फंड: इस तरह के फंड में निवेशकों का पैसा अलग-अलग किस्म के बॉन्ड में लगाया जाता है। इसमें कॉरपोरेट से लेकर सरकारी बॉन्ड शामिल होते हैं।

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड: अगर शेयर और बॉन्ड दोनों में निवेश करना चाहते हैं तो हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में पैसे लगा सकते हैं।

गोल्ड फंड: अगर सोना में पैसा लगाना पसंद है तो गोल्ड फंड में चुन सकते हैं। ये फंड गोल्ड से जुड़ी सभी तरह के वित्तीय साधनों में निवेश करते हैं।

एकमुश्त या टुकड़ों में करें निवेश

जो निवेशक एकमुश्त पैसे लगाना चाहते हैं वो लंपसम तरीका चुन सकते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर आपके पास एक लाख रुपये हैं तो अपनी पसंद की स्कीम चुनें और उसमें 1 लाख रुपये लगा सकते हैं। अगर टुकड़ों-टुकड़ों में पैसे लगाना चाहते हैं तो एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान भी चुन सकते हैं।

वित्तीय सलाहकार की मदद क्यों जरूरी

वैसे तो निवेश की प्रक्रिया शुरू करने के लिए एडवाइजर की सलाह लेनी चाहिए। ये रजिस्टर्ड इनवेस्टमेंट एडवाइजर (आरआईए) से जाने जाते हैं, लेकिन आजकल लोग फाइनेंस इंफ्लुएंसर पर भरोसा करते हैं। उनके विडियो सुनते हैं। गौर करने वाली बात यह है कि इनका खुद उस स्कीम में खुद कोई निवेश नहीं होता। इसलिए इन्फ्लुएंसर की बजाय एडवाइजर्स या म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर पर भरोसा कर सकते हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट पर आपके इलाके में मौजूद आरआईए की लिस्ट मिल जाएगी।

ऑनलाइन इनवेस्टमेंट का तरीका

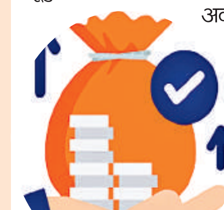

म्यूचुअल फंड में ऑनलाइन निवेश करने के लिए डीमैट अकाउंट खुलवाना होगा। सीधे असेट मैनेजमेंट कंपनी के स्कीम में निवेश करना चाहते हैं, उसकी वेबसाइट या ऐप में खाता खुलवाकर निवेश शुरू कर सकते हैं। दूसरा तरीका है- म्यूचुअल फंड इनवेस्टमेंट सर्विस देने वाले ऐप्स के जरिए। यहां आपको एक नहीं लगभग सभी म्यूचुअल फंड हाउस की स्कीमें एक ही जगह मिल जाएंगी। ये तय करें कि कितने वक्त के लिए निवेश करना चाहते हैं जैसे कि लॉन्ग टर्म या शॉर्ट टर्म 3 साल तक के लिए निवेश करना चाह रहे हैं तो शार्ट टर्म स्कीम चुनें जबकि 3-5 साल तक के लिए पैसे लगा सकते हैं तो मिडियम टर्म स्कीम में निवेश बेहतर माना जाता है। इसी तरह से 5 साल या उससे अधिक समय के लिए पैसे लगा सकते हैं तो लॉन्ग टर्म स्कीम का चुनाव करें।

दो तरह की स्कीमें

एक ही प्लान में आपको डायरेक्ट और रेग्युलेर म्यूचुअल फंड दो विकल्प मिलेंगे। जब आप सीधे फंड हाउस से उसकी एनएवी यूनिट खरीदते हैं तो यह डायरेक्ट म्यूचुअल फंड कहलाएगा। अगर आप किसी ब्रोकर या एजेंट के जरिए वही स्कीम खरीदेंगे तो यह रेगुलर म्यूचुअल फंड की कैटेगरी में आएगा। डायरेक्ट म्यूचुअल फंड स्कीम का रिटर्न रेगुलर के मुकाबले ज्यादा होता है, क्योंकि इसमें किसी तरह की कमीशन फीस नहीं चुकानी पड़ती है। हर असेट मैनेजमेंट कंपनी और ब्रोकरेज फर्म का कमीशन एक्सपेंस अलग-अलग होता है। यह 1-1.25 फीसदी के आसपास होता है।

कैसे चुनें बेस्ट स्कीम

अपना रिस्क प्रोफाइल तय कीजिए। मतलब कितना रिस्क ले सकते हैं। हर म्यूचुअल फंड के आगे उसका रिस्क मीटर मिल जाएगा। जैसे- हाईब्रिड फंड, मल्टी कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंड ज्यादा रिस्की माने जाते हैं। औसत जोखिम लेना चाहते हैं तो मल्टी कैप फंड और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड देख सकते हैं। बिल्कुल रिस्क नहीं लेना चाहते तो लार्ज कैप फंड, गिल्ट फंड, लिक्विट फंड में पैसे लगा सकते हैं। अब यह तय करिए कि किस तरह के असेट का फायदा लेना चाहते हैं। जैसे कि गोल्ड, बॉन्ड या शेयर या सभी में थोड़ा-थोड़ा। जो स्कीम आपकी पसंद के असेट में निवेश करती हो उन कुछ स्कीमों को शॉर्ट लिस्ट कर लें।

कब पड़ेगी पैसे की जरूरत

आपको इस बात का अंदाजा होना चाहिए कि आपको इन पैसों की जरूरत कब पड़ सकती है। जैसे कि अगर हाल फिलहाल में पैसों की जरूरत पड़ सकती है तो इक्विटी फंड स्कीमों से दूर रहें, क्योंकि इक्विटी वाली स्कीमें कम समय से अच्छी रिटर्न नहीं देती। इक्विटी स्कीम एक या उससे ज्यादा साल टिके रहने पर ही अच्छा रिटर्न देती हैं। अगर कम समय के लिए पैसे लगाना चाहते हैं तो लिक्विड फंड पर विचार कर सकते हैं।

परफॉर्मेंस का रिकॉर्ड देख लें

बीते सालों में फंड का परफॉर्मेंस कैसा रहा है यह जरूर देख लें। परफॉर्मेंस देखने के लिए एक लंबा टाइम रेंज तय करें। इससे यह तय हो जाता है कि किस फंड ने अच्छा मार्केट वाला समय देखा है और बुरा समय भी। इस तरह आपको जो रिटर्न दिखेगा वो औसत रिटर्न होगा। अगर फंड ने तीन या पांच या सात या 10 सालों में अपना रिटर्न का रिकॉर्ड नहीं तोड़ा है तो बेहतर है कि किसी स्कीम पर विचार करें। फंड की परफॉर्मेंस देखते हुए स्कीम के अलावा उसके फंड मैनेजर और फंड मैनेजर टीम की परफॉर्मेंस भी जरूर देखें। ये सभी जानकारी एप पर ही मिल जाएंगी। ये जरूर सुनिश्चित कर लें कि मैनेजर और टीम दोनों के पास एक लंबे समय तक काम करने का अनुभव है।

एक्सपेंस रेशियो जितना कम उतना बेहतर

आपके निवेश का कामकाज देखने के बदले म्यूचुअल फंड हाउस कुछ फीस भी लेते हैं। इसे एक्सपेंस रेशियो कहते हैं। आमतौर पर ये फंड मैनेजर की फीस होती है, जिसकी जिम्मेदारी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिलाने की होती है। बतौर निवेशक आपकी प्राथमिकता ये होनी चाहिए कि कम एक्सपेंस रेशियो वाले स्कीम को चुनें। जिस फंड हाउस के पास मैनेज करने के लिए ज्यादा पैसे होंगे उनका एक्सपेंस रेशियो आपको अक्सर कम दिखेगा।

एंट्री और एक्जिट लोड भी देना होगा

स्कीम में पैसे लगाने पर फंड हाउस निवेशकों से एक फीस वसूलते हैं, जिसे एंट्री फीस कहा जाता है। हालांकि, ज्यादातर फंड हाउस एंट्री चार्ज बंद चुके हैं। स्कीम बंद करने पर भी निवेशक को एक फीस देनी होती है, जिसे एक्जिट लोड कहते हैं। एक्जिट लोड उसे ही देना पड़ता है जो निवेशक मैच्योरिटी पीरियड से पहले या कुछ ही महीने पैसे लगाकर निवेश बंद कर देते हैं। निवेशकों को म्यूचुअल फंड बंद करने से रोकना ही इस एक्जिट लोड का मकसद होता है। कोशिश करनी चाहिए कि उन्हीं स्कीम को चुनें, जिसमें जीरो या कम से कम एंट्री और एक्जिट लोड हो।

निवेश पर हुए मुनाफे के बदले निवेशकों को कैपिटल गेन टैक्स देना होता है। इक्विटी फंड के मामले में जितने समय तक आपने स्कीम में निवेश किया है उसी के हिसाब से टैक्स लगता है। अगर एक साल या उससे ज्यादा समय के लिए पैसे लगाए हैं और उससे एक लाख या उससे ज्यादा का फायदा कमाया है तो आयकर कानून के तहत 10 फीसदी टैक्स देना होगा। 12 महीने से कम समय के निवेश पर कमाया गया प्रॉफिट शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन कहलाता है। इस पर 15 फीसदी टैक्स देना पड़ता है। डेट फंड के मामले में टैक्स महंगाई को देखते हुए गिना जाता है। डेट फंड के लिए 36 महीने या उससे अधिक के निवेश को लॉन्ग टर्म और 36 महीने से कम समय के लिए किए गए निवेश को शॉर्ट टर्म गिना जाता है।

जरूरत पड़ने पर एफडी और गोल्ड पर लें लोन

सुझाव | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल-फंड पर कर्ज जैसे विकल्पों पर भी कर सकते हैं गौर, पर्सनल लोन भी तुरंत काम करने के लिए होगा विकल्प

अगर आपको अचानक पैसे की जरूरत पड़ती है या बच्चों के दाखिले, गाड़ी शादी या बीमारी जैसी स्थिति में लोन लेने की जरूरत पड़ती है तो आपके सामने लोन लेकर काम करने के कई तरीके मौजूद हैं। मसलन आप जरूरत पड़ने पर एफडी पर लोन, गोल्ड लोन, म्यूचुअल फंड पर कर्ज ले सकते हैं। पर्सनल लोन भी एक विकल्प है। सभी की अपनी खूबियां और खामियां हैं। ब्याज दर, कर्ज तत्काल मिलने की सहूलियत और कम दस्तावेज की जरूरत इसके पैमाने हैं। इस आधार पर शॉर्ट-टर्म लोन का कौन सा विकल्प बेहतर हो सकता है? इस रिपोर्ट में हम ऐसे ही सवालों जवाब देंगे जो आपको जरूरत पड़ने पर कम समय में और कम दस्तावेजों में सही समय पर सही ब्याज दर पर लोन लेने के लिए काम आ सकते हैं।

म्यूचुअल फंड लोन

म्यूचुअल फंड लोन लेने से पहले आपको बाजार से जुड़े जोखिम का भी ध्यान रखना होगा। कई बैंक लोन के लिए सिक्युरिटी के तौर पर म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल कर आपको लोन दे सकते हैं। इसकी ब्याज दर अभी 12-14% है। इसमें लंबी अवधि का निवेश भी बना रहता है और जरूरी कैश भी मिल जाता है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। अगर लोन चुकाने से पहले म्यूचुअल फंड यूनिट्स की कीमत गिर जाती है, तो आपको लोन का अनुपात बनाए रखने के लिए अतिरिक्त यूनिट्स बेचने पड़ सकते हैं। इससे नुकसान हो सकता है। इस पहलू का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। इसके बाद ही म्यूचुअल फंड लोन के बारे में सोचना चाहिए। वरना लंबी अवधि में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पर्सनल लोन

आपके लिए जरूरत के समय में सबसे सुगम पर्सनल लोन भी हो सकता है, लेकिन इस पर ब्याज दर थोड़ी ज्यादा होती है। इसलिए ज्यादा जरूरी होने पर ही पर्सनल लोन की ओर रुख करें और जितना जल्दी हो इसे चुकाने का प्रयास करें। पर्सनल लोन पर इस साल 17-18% तक ब्याज चुकाना पड़ रहा है। ये पैसे की तत्काल जरूरत पूरी करने के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक हैं, पर इन्हें जल्द चुका देना चाहिए। लेकिन क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेने से बचें। इन पर सालाना 30% या इससे भी ज्यादा ब्याज देना पड़ता है। वैसे ब्याज दर के मामले में अन्य विकल्प बेहतर हैं।

गोल्ड लोन

लोन के विकल्पों में गोल्ड लोन सबसे अच्छा हो सकता है। इसमें ब्याज दरें भी काफी कम होती हैं और आपका एसेट्स भी बैंक के पास सुरक्षित रहता है। ऐसे में आप गोल्ड लोन लेकर अपाना काम चला सकते हैं। इस समय सोने की कीमतें 75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंचने के चलते इन दिनों गोल्ड लोन काफी आकर्षक बनकर उभर रहे हैं। गहने गिरवी रखने पर अब पहले से ज्यादा लोन मिलेगा। पर्सनल लोन की तुलना में इस पर कम दर (10-12%) से ब्याज लगता है। हालांकि यदि आप लोन चुकाने में चूक जाते हैं (डिफॉल्ट), तो आपका सोना जब्त किया जा सकता है। अतिरिक्त शुल्क भी लग सकते हैं।

एफडी पर लोन

एफडी पर लोन लेने से कर्ज के साथ आपकी बचत भी बरकरार रहती है। इस पर ब्याज दर भी दूसरे लोन से काफी सस्ती होती है। आप बैंक एफडी को तोड़े बिना उस पर लोन ले सकते हैं। इस तरह बैंक में जमा बचत बरकरार रखने के फायदे के साथ ही जरूरी नकदी भी मिल जाती है। एफडी लोन पर लागू ब्याज दरें (12-15%) भी पर्सनल लोन की तुलना में कम हैं।

गिरते बाजार में भी आपको कौन फंड दे सकता है आकर्षक रिटर्न

बिजनेस डेस्क

■ भारतीय शेयर बाजारों पर आम चुनाव का दिख रहा असर
■ एक महीने के दौरान बेंचमार्क सूचकांक करीब दो फीसदी गिरे
■ ऐसे में निवेश कहां निवेश करें, यह सबसे बड़ा सवाल है

शेयर बाजार में आम चुनाव का असर दिख रहा है। शेयर बजार में उतार चढ़ाव जारी है। बीएसई और एनएसई के सूचकांक कभी बढ़कर तो कभी घटकर बंद हो रहे हैं। लेकिन, पिछले एक महीने के दौरान बेंचमार्क सूचकांकों में करीब दो फीसदी की गिरावट आई है। बाजार विशेषज्ञ आने वाले महीनों में और गिरावट की भविष्यवाणी कर रहे हैं। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने वाले निवेशक असमंजस में हैं, क्योंकि उनको घाटा हुआ है और उनका भविष्य अस्पष्ट दिख रहा है। गिरते बाजार में मल्टी एसेट फंड ने पिछले एक साल में शानदार रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड और एसबीआई मल्टी एसेट फंड ने 32.26% और 28.24% का रिटर्न दिया है।

जानकारों का कहना है कि एक सच्चा मल्टी एसेट फंड वह है, जिसमें डायवर्सिफाइड एसेट एलोकेशन पोर्टफोलियो होता है। निवेशकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे एक मल्टी एसेट फंड चुनें जो उनके परिसंपत्ति आवंटन में बदलाव न करें। तभी किसी को मल्टी एसेट फंड का सच्चा लाभ मिलेगा।

क्या कहता है बाजार का नियम : बाज़ार का नियम कहता है कि एसेट क्लास अपने स्वयं के साइकल का पालन करते हैं। ऐसे में भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। इसलिए झुंड की मानसिकता का पालन करना और अपने पोर्टफोलियो में विविधता न लाना भी निवेश में घाटे का कारण हो सकता है। म्यूचुअल फंड विश्लेषकों का मानना है कि एक अच्छी तरह से विविधीकृत पोर्टफोलियो वाले निवेशक कहीं अधिक सुरक्षित होते हैं। यहीं पर मल्टी एसेट फंड में निवेश करना महत्वपूर्ण है।

क्या है मल्टी एसेट फंड : मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं, जो विभिन्न एसेट क्लास जैसे इक्विटी, डेट, कमोडिटी और अन्य में निवेश करते हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक मल्टी एसेट फंडों को अपने एसेट आवंटन में विविधता लाने के लिए तीन या अधिक अलग-अलग एसेट क्लास में से प्रत्येक में अपने कुल एयूएम का न्यूनतम 10% निवेश करना होगा।

अब छोटे शहरों में भी म्यूचुअल फंड का क्रेज, बढ़ रहे निवेशक

■ कुल फिक्स्ड डिपॉजिट का 27% पहुंचा म्यूचुअल फंड एयूएम, दिल्ली और मुंबई को पीछे छोड़ रहे छोटे शहरों के निवेशक
■ लोग पारंपरिक निवेश के विकल्पों से निकलकर एमएफ तरफ बढ़े

जानकारी | बिजनेस डेस्क

देश के निवेशकों में अब म्यूचुअल फंड का क्रेज बढ़ने लगा है। देखने में आ रहा है कि अब मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों में ही नहीं, बल्की छोटे शहरों में भी म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का क्रेज बढ़ता जा रहा है। कुछ समय से छोटे शहरों के निवेश बड़े शहरों के निवेशकों को पछाड़ रहे हैं। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ रही है। लोग पारंपरिक निवेश के विकल्पों से निकलकर अब म्यूचुअल फंड का रुख कर रहे हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि भारत में म्यूचुअल फंड का ओवरआल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) देश में फिक्स्ड डिपॉजिट में कुल जमा का एक चौथाई से ज्यादा हो गया है। इसमें भी इक्विटी म्यूचुअल फंड का सबसे बड़ा योगदान है। इस बारे में एक एजेंसी ने बड़े विस्तार से अपनी रिपोर्ट में समझाया है कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री कैसे बढ़ रही है।

24 वर्ष में 57 गुना से ज्यादा बढ़ा एयूएम

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के कुल एयूएम में 24 साल में 57 गुना से ज्यादा तेजी आई है। जनवरी 2000 में म्यूचुअल फंड का एसेट अंडर मैनेजमेंट 1.02 लाख करोड़ था। यह अक्टूबर 2007 में बढ़कर 5.57 लाख करोड़, मई 2014 में 10.11 लाख करोड़, मई 2019 में 25.94 लाख करोड़ और अप्रैल 2024 में 57.26 लाख करोड़ हो गया।

फिक्स्ड डिपॉजिट का 27.6 फीसदी

देश में फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश का पॉपुलर विकल्प है, लेकिन अभी म्यूचुअल फंड एसेट अंडर मैनेजमेंट कुल एफडी का 27.6 फीसदी हो गया है। यह मार्च 2014 में 10.7 फीसदी, मार्च 2019 में 19.5 फीसदी था, जबकि अप्रैल 2024 में बढ़कर 27.6 फीसदी हो गया।

इक्विटी क्लास का सबसे अधिक योगदान

सबसे ज्यादा निवेशक म्यूचुअल फंड की इक्विटी क्लास को पसंद कर रहे हैं। एक साल में इक्विटी एयूएम 23 लाख करोड़ से बढ़कर 34 लाख करोड़ हो गया है। अप्रैल 2024 में कुल एसेट्स में इक्विटी की हिस्सेदारी 60 फीसदी हो गई, जो अप्रैल 2023 में 55 फीसदी थी। अन्य कैटेगरी डेट फंड, हाइब्रिड फंड और लिक्विड फंड हैं।

4.53 करोड़ हुए निवेशक

म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्सा अप्रैल 2024 में बढ़कर 4.53 करोड़ हो गई है। पिछले 12 महीने में 74 लाख नए निवेशक जुड़े हैं। एक साल पहले यानी अप्रैल 2023 की बात करें तो तब एक साल में कुल 36 लाख नए निवेशक जुड़े थे।

एसआईपी से बढ़ रहा है निवेश

निवेशक सिस्टमैटिकल इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भरोसा जता रहे हैं। दिसंबर 2017 में एसआईपी के जरिए कुल निवेश 6222 करोड़ रुपये था। यह अप्रैल 2024 में बढ़कर 20371 करोड़ हो गया. अप्रैल 2024 तक इक्विटी म्यूचुअल फंड के कुल एयूएम में एसआईपी एयूएम की हिस्सेदारी 27 फीसदी हो गई, जो एक साल पहले 26 फीसदी थी।

टॉप शहरों के बाहर भी बढ़े निवेशक

म्यूचुअल फंड का क्रेज सिर्फ देश के टॉप शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अब दूसरे शहरों में भी फैल रहा है। मार्च 2029 में दिल्ली और मुंबई से इसमें 47 फीसदी निवेश आ रहा था, जबकि नेक्स्ट टॉप 13 शहरों से 28 फीसदी व अन्य शहरों से 25 फीसदी। अप्रैल 2024 की बात करें तो दिल्ली और मुंबई से इसमें 39 फीसदी निवेश आ रहा है, जबकि नेक्स्ट टॉप 13 शहरों से 26 फीसदी व अन्य शहरों से 35 फीसदी निवेश। महाराष्ट्र अभी भरी टॉप स्टेट

है, जिसके बाद दिल्ली, कर्नाटक, गुजरात, पश्चिम बंगाम और उत्तर प्रदेश का नंबर है।

कैसे काम करता है म्यूचुअल फंड?

म्यूचुअल फंड में आपके पैसे को इनवेस्ट करने और उससे रिटर्न कमाकर देने की जिम्मेदारी म्यूचुअल फंड हाउस की होती है। ये वो कंपनी होती है जो आपका निवेश मैनेज करती हैं। इसे असेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) कहते हैं। म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपका निवेश का काम अनुभवी फंड मैनेजर संभालते हैं। दूसरा फायदा ये कि एफएफ सेबी के नियम और कानून के दायरे में आते हैं, इसलिए सुरक्षित भी माने जाते हैं। म्यूचुअल फंड अन्य निवेश के इंस्ट्रूमेंट्स के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। क्योंकि एमएफ में निवेशकों का पैसा किसी एक जगह न लगाए जाने की बजाय कई किस्मों के इंस्ट्रूमेंट में लगाया जाता है। जैसे-शेयर, सरकारी बॉन्ड, कॉरपोरेट बॉन्ड, गोल्ड वगैरह। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि अगर किसी एक जगह निवेश से अच्छा रिटर्न न मिल पाया तो अन्य इंस्ट्रूमेंट से इसकी भरपाई हो जाती है। इस तरह औसतन रिटर्न अच्छा रहता है। ये फायदा किसी अन्य निवेश साधन में नहीं मिलता।

आईपीएल

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

विराट कोहली	हर्षल पटेल
741 रन	24 विकेट
बेंगलोर	पंजाब

बाउंड्री मीटर

2156	चौके
1251	छक्के

स्कोर बोर्ड

सेंथिलकुमार, अभय क्वार्टर फाइनल में हारे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियन वेलावान सेंथिल कुमार ने दोहा में पीएसए विश्व टूर ब्रांज टूर्नामेंट क्यूएसएफ 3 में शीर्ष वरीयता प्राप्त दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी मिस्र के तारिक मोमिन के खिलाफ काफी संघर्ष किया लेकिन जीत नहीं सके। दुनिया के 55वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिल कुमार को मोमिन ने 11-9, 8-11, 11-4, 11-8 से हराया। एशियाई खेलों के पदक विजेता भारत के अभय सिंह को मलेशिया के इयेन योउ एंग ने 11-6, 11-9, 11-4 से हराया।

रूड चार साल में तीसरी बार बने जिनेवा ओपन चैंपियन

जिनेवा। कैस्पर रूड ने शनिवार को लगातार दो मैच जीतकर चार साल में तीसरी बार जिनेवा ओपन का खिताब अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज रूड ने फाइनल में टॉमस मचाक को 7-5, 6-3 से शिकस्त दी। मचाक ने शुक्रवार को पूरे हुए एकमात्र सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को बाहर का रास्ता दिखाया था। बारिश के कारण रूड का सेमीफाइनल मुकाबला शुक्रवार को पूरा नहीं हो पाया था। वह अंतिम चार में फ्लेवियो कोबोली को हराने के तीन घंटे से भी कम समय बाद फाइनल के लिए कोर्ट पर लौटे थे। उन्होंने सुबह 10.30 बजे कोबोली को 1-6, 6-1, 7-6 से हराया। नॉर्वे के खिलाड़ी रूड के करियर का यह 12वां खिताब है जिसमें से उन्होंने 11 क्ले कोर्ट पर जीते है।

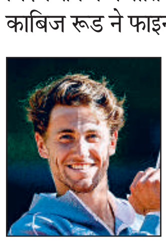

‘गुरु’ गंभीर की नाइट राइडर्स के सामने कप्तान कमिंस के जांबाज सनराइजर्स की कठिन चुनौती

चेन्नई। एक तरफ क्रिकेट के कुशल रणनीतिकार गौतम गंभीर के कोलकाता नाइट राइडर्स और दूसरी तरफ आक्रामक बल्लेबाजी की नई परिभाषा गढ़ने वाले पैट कमिंस के सनराइजर्स हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग में इस सत्र का सरताज बनने के लिए आखिरी तिलिस्म पर दोनों बेहतरीन टीमों के बीच रविवार को खिताबी मुकाबले में दर्शकों के लिए रोमांचक क्रिकेट की गारंटी रहेगी। आम तौर पर खेल में मुकाबले कप्तानों और उनकी टीमों के बीच होते हैं लेकिन यह आईपीएल फाइनल दीगर है। इसमें एक तरफ ‘कोरबो, लोड़बो, जीतबो’ की सोच रखने वाले गंभीर का दिमाग है तो दूसरी तरफ एक ऐसा आस्ट्रेलियाई कप्तान है जिसने टीम को विजेताओं वाले तेवर दिए हैं। केकेआर के कप्तान के रूप में दूसरा आईपीएल फाइनल खेलने जा रहे श्रेयस अय्यर इस महामुकाबले में सहायक भूमिका में नजर आ रहे हैं।

छह महीने में जीती 3 ट्रॉफी

एक दशक पहले किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कमिंस छह महीने के भीतर वनडे विश्व कप, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एशेज जीतने वाले कप्तान बनेंगे। अब अगर वह सनराइजर्स को आईपीएल खिताब भी दिला देते हैं तो यह सोने पे सुहागा होगा। दोनों टीमों की टक्कर पहले क्वालीफायर में हुई थी जिसमें केकेआर ने सनराजइर्स को उम्दा गेंदबाजी के दम पर हराया था।

केकेआर का प्रदर्शन

14 लीग मैच, 9 जीते 3 हारे
20 अंक से शीर्ष पर

टीम की मजबूती

इस सीजन केकेआर एक अलग टीम नजर आई है, उनके बल्लेबाज और गेंदबाजों ने बराबर परफॉर्मेंस किया है। हर डिपार्टमेंट में केकेआर के खिलाड़ियों ने जबरदस्त परफॉर्मेंस किया है। इस सीजन केकेआर ने 6 बार 200 प्लस का स्कोर खड़ा करने में सफल रही है। 5 गेंदबाजों ने 12 से ज्यादा विकेट लेकर सनसनी मचाई है। यानी केकेआर की टीम की सबसे मजबूत बात ये है कि टीम ने ऑलराउंड परफॉर्मेंस दिखाया है। यानी फाइनल में केकेआर अपने इसी मोमेंटम को लेकर चलती है तो फिर विरोधी टीम के लिए मैच को बचाना मुश्किल हो सकता है।

टीम की कमजोरी : ओपनर के आउट होने के बाद केकेआर के बल्लेबाजों पर दबाव बन जाता है। जो इस सीजन केकेआर के लिए सबसे बड़ी वीकनेस रही है। वेंकटेश अय्यर के अलावा मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज बड़ा स्कोर करने में असफल रहे हैं। हालांकि पहले क्वालीफायर में कप्तान श्रेयस अय्यर के बल्ले से रन जरूर निकले थे लेकिन उनसे केकेआर को बड़ी उम्मीद है।

केकेआर के मैच विनर्स

सुनील नरेन : 13 मैच, 482 रन, 16 विकेट
केकेआर के लिए सुनील नरेन इस पूरे सीजन मैच विनर बनकर सामने आए हैं। नरेन केकेआर के लिए गेमचेंजर साबित हुए हैं। नरेन ने अब तक 13 मैच में 482 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में 13 मैच में 16 विकेट लिए हैं।

आंद्रे रसेल
13 मैच, 222 रन, 16 विकेट
विस्फोटक आंद्रे रसेल बल्लेबाजी करते हुए इस सीजन 13 मैच में 222 रन बनाए हैं तो वहीं, 16 विकेट अपने नाम करने में भी सफल रहे हैं।

वरुण चक्रवर्ती
14 मैच, 20 विकेट
मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के लिए यह सीजन काफी यादगार रहा है। इस सीजन वरुण ने अबतक 14 मैच में 20 विकेट चटकाए हैं।

सनराइजर्स के मैच विनर्स

अभिषेक शर्मा
15 मैच, 482 रन
युवा अभिषेक शर्मा हैदराबाद के लिए मैच विनर से कम नहीं है। अबतक 15 मैच में 482 रन बनाए हैं। हालांकि दोनों क्वालीफायर में अभिषेक का बल्ला भी खामोश रहा है।

ट्रैविस हेड : 14 मैच, 567 रन
ट्रैविस हेड ने अबतक 14 मैच में 567 रन बनाए हैं। हेड का बल्ला यदि फाइनल में चला तो फिर केकेआर के लिए मुसीबत हो सकती है।

टी- नटराजन
13 मैच, 19 विकेट
नटराजन इस सीजन हैदराबाद के लिए काफी अहम रहे हैं। नटराजन ने अबतक 13 मैच में 19 विकेट चटकाए हैं। क्वालीफायर दो में भी नटराजन ने 3 ओवर में 13 रन देकर 1 विकेट लिए थे।

हैदराबाद का प्रदर्शन

14 लीग मैच, 8 जीते 5 हारे
17 अंक से नंबर-2 पर

टीम की मजबूती

इस सीजन केकेआर एक अलग टीम नजर आई है, उनके बल्लेबाज और गेंदबाजों ने बराबर परफॉर्मेंस किया है। हर डिपार्टमेंट में केकेआर के खिलाड़ियों ने जबरदस्त परफॉर्मेंस किया है। इस सीजन केकेआर ने 6 बार 200 प्लस का स्कोर खड़ा करने में सफल रही है। 5 गेंदबाजों ने 12 से ज्यादा विकेट लेकर सनसनी मचाई है। यानी केकेआर की टीम की सबसे मजबूत बात ये है कि टीम ने ऑलराउंड परफॉर्मेंस दिखाया है। यानी फाइनल में केकेआर अपने इसी मोमेंटम को लेकर चलती है तो फिर विरोधी टीम के लिए मैच को बचाना मुश्किल हो सकता है।

टीम की कमजोरी : हैदराबाद की कमजोरी भी उनकी बल्लेबाजी है। यदि ओपनर जल्दी आउट हो जाते हैं तो टीम पर दबाव बन जाता है। इसी दबाव का फायदा विरोधी टीम उठाती है। पहले क्लीफायर में केकेआर ने इसी का फायदा उठाया और टीम को 159 रनों पर रोक दिया था। तूफानी बल्लेबाजी करने के बाद भी टीम लक्ष्य का पीछा करने में कमजोर पड़ जाती है। इस सीजन हैदराबाद ने 6 में से 3 मैच लक्ष्य का पीछा करते हुए गंवाए हैं।

भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने जीता स्वर्ण पदक, मिश्रित टीम को रजत

तीरंदाजी विश्व कप

एजेंसी ▶▶| येचियोन

ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी की भारतीय तिकड़ी ने तीरंदाजी विश्व कप में महिला कंपाउंड वर्ग में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता जबकि मिश्रित टीम को रजत पदक मिला। दुनिया की नंबर एक भारतीय टीम ने तुर्की की हेजल बुरुन, एइसे बेरा सुजेर और बेगम युवा की टीम को 232-226 से हराकर एक भी सेट गंवाए बिना पहला स्थान हासिल किया।

एशियाई खेल चैंपियन ज्योति हालांकि दूसरा स्वर्ण नहीं जीत सकी और प्रियांश के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अमेरिका की ओलिविया डीन और सायेर सुलिवान की जोड़ी से 155-153 से हार गई।ज्योति, परनीत और विश्व चैंपियन अदिति ने विश्व कप स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने पिछले महीने शंघाई में विश्व कप के पहले चरण में इटली को हराकर स्वर्ण जीता था। वहीं पिछले साल पेरिस में चौथे चरण में भी स्वर्ण हासिल किया था।

महिला टीम का शानदार प्रदर्शन

कंपाउंड महिला टीम फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने पहले दौर में सेंटर के पास तीन एक्स के साथ आगाज किया और अगले तीन तीरों पर एक एक अंक ही गंवाया। छह तीर के दूसरे दौर में भारत ने पांच परफेक्ट 10 और दो एक्स तथा एक 9 के स्कोर के साथ बढ़त चार अंक की कर ली। तीसरे दौर में तुर्की ने चार 10, एक एक्स लगातार वापसी की पूरी कोशिश की लेकिन भारत के पाच चार अंक की बढ़त थी। भारत ने एक बार फिर तीन 10 और एक एक्स के साथ 58 स्कोर करके जीत दर्ज की।

अभिमन्यु ने दूसरे दौर में प्रवेश किया

बैंकॉक। राष्ट्रीय चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अभिमन्यु लौरा ने शानदार जज्बा दिखाते हुए शनिवार को यहां पेरिस ओलंपिक के लिए मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के 80 किग्रा वर्ग के पहले दौर में बुल्गारिया के क्रिस्टियन निकोलोव पर जीत दर्ज की। अभिमन्यु ने धीमी शुरुआत की जिससे बुल्गारिया के 10 बार के राष्ट्रीय चैंपियन निकोलोव ने पहले राउंड में दबदबा बना लिया। पर 21 साल के भारतीय मुक्केबाज ने तेजी से रणनीति बदली और दूसरे राउंड में आक्रामक हो गए जिससे पांच में से चार जजों ने उनके हक में अंक दिए। इस भारतीय ने तीसरे और अंतिम राउंड में तेजी से मुक्के जड़ना जारी रखते हुए 3-0 से मुकाबला जीत लिया।

बैडमिंटन

पीवी सिंधू मलेशिया मास्टर्स खिताब से एक कदम दूर

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू ने शनिवार को यहां थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार जीत दर्ज करते हुए 4,20,000 डॉलर (लगभग 3.49 करोड़ रुपए) पुरस्कार राशि वाले मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

पिछले दो साल से एक भी खिताब जीतने में नाकाम रही पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 88 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में दुनिया की 20वें नंबर की बुसानन के खिलाफ 13-21, 21-16, 21-12 से जीत हासिल की। सिंधू ने इससे पहले 2022 सिंगापुर ओपन को अपने नाम करने में सफल रही थी और पिछले साल मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में उपविजेता रही थी। यह बुसानन पर 19 मैचों में उनकी 18वीं जीत थी।

बुसानन ने सिंधू को सिर्फ एक बार 2019 हांगकांग ओपन में शिकस्त दी है। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू के सामने फाइनल में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झांग यी की चुनौती होगी। विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज झांग के खिलाफ तीन मैचों में सिंधू ने दो जीत दर्ज की है।

टी20 विश्व कप

टीम में नहीं चुने गए, फाइनल में पहुंचकर दिया मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल 2024 सीजन के समापन का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। रविवार को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम पर होने वाले फाइनल मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स की भिड़ंत सनराइजर्स हैदराबाद से होगी। ये दोनों टीमें इस सीजन शानदार फॉर्म में रही और ग्रुप चरण में तालिका में शीर्ष दो पर रही थी। आईपीएल के मौजूदा सीजन के बाद अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का आयोजन होना है जिसके लिए भारतीय टीम की घोषणा हो चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि आईपीएल 2024 की शीर्ष दो टीमों में से कोई भी खिलाड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाया।

केकेआर के 4 खिलाड़ी थे दावेदार

रिंकू ने पिछले सीजन आईपीएल में जिस तरह का प्रदर्शन किया था उसे देखकर लग रहा था कि वह भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल रहेंगे, लेकिन रिंकू को शामिल ना करना चयनकर्ता का सबसे हैरानी भरा फैसला था। दूसरी ओर, श्रेयस पहले चरण में धीमी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ क्वालीफायर-1 में दमदार बल्लेबाजी की। वेंकटेश का बल्ला भी आईपीएल के मौजूदा सीजन में जमकर बोला और उन्होंने केकेआर की जीत में योगदान दिया, जबकि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने टीम को उस वक्त सफलताएं दिलाई जिस वक्त टीम को सबसे ज्यादा जरूरत थी।

अभिषेक कर रहे तूफानी बल्लेबाजी

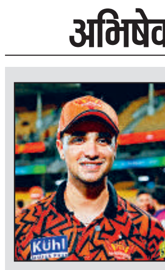

केकेआर की तरह हैदराबाद टीम का भी कोई खिलाड़ी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना सका। हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस सीजन तूफानी बल्लेबाजी की है और ट्रेविस हेड के साथ मिलकर कई मैचों में टीम को दमदार शुरुआत दिलाई है। अभिषेक इस सीजन 15 मैचों में 207.76 के स्ट्राइक रेट से 482 रन बना चुके हैं। दूसरी ओर, अनकैप्ड खिलाड़ी नीतीश रेड्डी ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। गेंदबाजी में टी. नटराजन और तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भी बेहतर कर रहे हैं। पावरप्ले में भुवनेश्वर कुमार विकेट लेने का दम रखते हैं, इसके बावजूद वह टीम में शामिल नहीं किए गए।

विश्व पैरा चैंपियनशिप में सिमरन ने जीता स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| कोबे

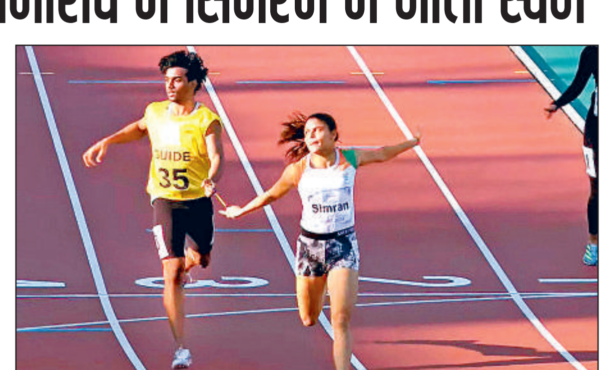

सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा में 24.95 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर भारत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शनिवार को छठा स्वर्ण पदक दिलाया।

सिमरन का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25.16 सेकंड था। डोमिनिका की डारलेनिस डि ला सेवेरिनो को रजत और लोरेन गोम्स डि एगुइयार को कांस्य पदक मिला। टी12 वर्ग में दृष्टिबाधित खिलाड़ी भाग लेते हैं। भारत के अब छह स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य समेत 17 पदक हो गए हैं। यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले पेरिस में 2023 में भारत ने तीन स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे। इससे पहले भारत को पुरुषों की एफ46 भालाफेंक स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे श्रीलंका के दिनेश प्रियंथा हेराथ के खिलाफ शिकायत सही साबित होने पर रजत और कांस्य पदक दिया गया है। पुरुषों के एफ46 भालाफेंक में भारत के रिंकू हुड्डा और अजीत सिंह तीसरे और चौथे स्थान पर रहे थे।

पुजारा ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में जड़ा 65वां शतक

लाइर्स। इंग्लैंड में इस समय विटैलिटी काउंटी चैम्पियनशिप खेली जा रही है। सक्सेस के लिए खेलते हुए भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने सीजन का दूसरा शतक जड़ दिया है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में यह पुजारा की 65वीं सेंचुरी है। इस शतक के जरिए पुजारा का नाम सचिन और गावस्कर की सूची में शामिल हो गया। मिडलसेक्स काउंटी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सक्सेस ने ठोस शुरुआत की। सलामी बल्लेबाजों के बीच 66 रन की साझेदारी हुई। दूसरे विकेट के लिए 80 रन की। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए चेतेश्वर पुजारा ने एक छोर संभाला। संभलकर खेलते हुए पहले अपना अर्धशतक पूरा किया, फिर शानदार शतक जड़ा।

बेदब्रत भराली ने विश्व युवा भारोत्तोलन में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। असम के युवा भारोत्तोलक बेदब्रत भराली ने पेरू के लीमा में चल रही आईडब्लूएफ विश्व युवा चैंपियनशिप में पुरुषों के 73 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सत्रह बरस के भराली ने 296 किलो (स्नैच में 136 और क्लीन एंड जर्क में 160 किलो) वजन उठाया। अमेरिका के रियान मैकडोनाल्ड 284 किलो वजन उठाकर दूसरे और यूक्रेन के सेरही कोतेलेवस्की 283 किलो वजन उठाकर तीसरे स्थान पर रहे। भराली ने पिछले साल 67 किलोवर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया था। साइराज परदेशी ने पुरुषों के 81 किलो वर्ग में स्नैच में 135 किलो वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। वह समग्र श्रेणी में एक किलो से पदक से चूककर चौथे स्थान पर रहे।

आधिपत्य सूचना

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर
Tel: 0771-4243149/240 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

जबकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी), प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (‘उक्त अधिनियम’) और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किए गए। उक्त अधिनियम के तहत, निम्नलिखित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों से आव्हान किया गया है कि वे अपने संबंधित नामों के सामने उल्लेखित राशि का भुगतान उक्त नोटिस में उल्लेखित लागू दरों पर ब्याज सहित करें। उक्त नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिन, आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान और/या वसूली की तारीख तक।

क्रं.	ऋणी (ओं) के नाम/ कानूनी वारिस (ओं) एवं कानूनी प्रतिनिधि (यों)	बकाया राशि*	मांग सूचना की दिनांक	आधिपत्य दिनांक	अचल संपत्ति (यों) का विवरण
01.	**श्री गुप्ता गोपाल पिता घनश्याम गुप्ता,** मकान नंबर 99, वार्ड नं. 23, कुआ के पास, जूनी हटरी, राजनांदगांव, राजनांदगांव–491441. **श्रीमती गुप्ता रेणुका पति घनश्याम गुप्ता,** मकान नंबर 99, वार्ड नं. 23, कुआ के पास, जूनी हटरी, राजनांदगांव, राजनांदगांव–491441.	₹ 2991197/- दिनांक 31 मई 2023* तक	27-Jun-2023	24-May-2024 (भौतिक कब्जा)	प्लॉट खसरा नं. 312/22, 313/11, मकान खसरा नं. 314/12, 315/20, खसरा 316/12, प.ह.नं. 28/46, मौजा मोतीपुर, तुलसीपुर, वार्ड नं. 16, बख्तावर चॉल, राजनांदगांव (छ.ग.)

*भुगतान और/या वसूली की तारीख तक लागू अतिरिक्त ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि के साथ।
हालाँकि, चूँकि ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, इसलिए ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति(यों) पर कब्ज़ा कर लिया है। उक्त अधिनियम ऊपर उल्लेखित तिथियों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ा जाता है।
विशेष रूप से ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ लेनदेन न करें और उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ कोई भी लेनदेन एचडीएफसी के बंधक के अधीन होगा।
उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा 8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
निकाले गए पंचनामा और बनाई गई सूची की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे सामान्य कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त करें।

स्थान–राजनांदगांव (छ.ग.), दिनांक : 26.05.2024

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड के लिए
वास्ते
प्राधिकृत अधिकारी

रजिस्टर्ड ऑफिस : एच.डी.एफ.सी. बैंक हाउस, सेनापती बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई–400013

ASA

छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध

पसंद नहीं आने पर खुली पैकेट वापसी की गारंटी

JAIN TRADERS | FOR TRADE INQUIRY 94242-05071

सबसे पहले पकती है ईदगाह की लीची वैज्ञानिक भी नहीं सुलझा पाए रहस्य

तोड़ाई के बाद दिल्ली भेजना शुरू

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मुजफ्फरपुर की ईदगाह की लीची पक गई है। इसकी तोड़ाई भी शुरू हो गई और इसे दिल्ली भेजा जाने लगा। ईदगाह की लीची सबसे पहले पकती है। ये आज भी रहस्य है। इस गुत्थी को कोई नहीं सुलझा पाया है। मुजफ्फरपुर की शाही लीची देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अपने अनूठे स्वाद के लिए मशहूर है। इसे जीआई टैग भी हासिल है। हर साल की तरह इस बार भी वर्ल्ड फेमस मुजफ्फरपुर की शाही लीची का स्वाद राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत कई गणमान्य लोग चखेंगे। लीची की तुड़ाई होने के बाद इसे दिल्ली भेजने की तैयारी शुरू हो गई है। इस बार सीजन लेट है, लेकिन यह इंतजार जल्द खत्म होने वाला है।

पक गई ईदगाह की लीची

किसान सह व्यापारी मोहम्मद निजामुद्दीन ने बताया कि सबसे पहले यहां लीची तुड़ाई होती है। यहीं से सबसे पहले जाती है इस बार भी यहां की लीची सबसे पहले तैयार हो गई है। इसे पैक कर दिल्ली की आजाद पुर मंडी भेजा जा रहा है।

शाही लीची सबसे आगे

लीची अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर सुनील कुमार के मुताबिक लीची की कई किस्में होती हैं और सभी किस्मों में फूल आने और फल पकने का समय अलग-अलग होता है। शाही लीची की क्रॉप में फूल पहले आ जाते हैं, जबकि, चाइना किस्म में थोड़ी देर से आते हैं। इसलिए उसमें 10 से 15 दिन का तुड़ाई का फर्क रहता है।

मंगेतर का सिर काट पेड़ पर लटकाया : बेंगलुरु। कर्नाटक के मादीकेरी से एक ऐसी वारदात सामने आई, जिसने सबका दिल दहला कर रख दिया। यहां एक व्यक्ति नें शादी टलने के वजह से अपनी ही नाबालिग मंगेतर का सिर काट दिया और पेड़ पर लटका दिया। बात शुरू होती है प्रकाश उर्फ ओमकारप्पा की सगाई से. उसकी सगाई एक नाबालिग लड़की से हुई। लड़की नाबालिग थी इसलिए किसी अज्ञात व्यक्ति ने बाल कल्याण अधिकारियों को इस सगाई के बारे में बता दिया था। इसके बाद से दोनों के ही परिवार वालों को 2 साल तक के लिए शादी स्थगित करने की हिदायत मिली थी।

फिलीपींस में पानी के नीचे से निकला 300 साल पुराना शहर

मनीला। फिलीपींस में इस समय भीषण गर्मी का कहर देखा जा रहा है। गर्मी कितनी खतरनाक है उसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि यहां के बांध भी सूखने लगे हैं। फिलिपींस के एक प्रमुख बांध का पानी सूखने के कारण 300 साल पुरानी बस्ती एक बार फिर उभर आई हैं। राष्ट्रीय सिंचाई प्रशासन के पर्यवेक्षक इंजीनियर मार्लोन पलाडिन ने कहा कि कई महीनों तक बारिश नहीं हुई है। इस कारण मार्च में नुएवा एसिजा प्रांत में पेंटाबांगन बांध का पानी सूखने लगा। इस कारण अब एक चर्च, मकबरा और इक कस्बे का हॉल समेत प्रमुख संरचनाएं दिखाई देने लगी हैं। इस कस्बे का नाम पेंटाबंगन है। 1970 के दशक में जब बांध बनाया गया तो यह जलाशय के कारण पानी के नीचे डूब गया। लेकिन इस समय देश के लगभग आधा हिस्से सूखे की चपेट में है। इस कारण बांध का जल स्तर भी नीचे हो गया। फिलीपींस सरकार की मौसम एजेंसी पगासा के आकड़ों के मुताबिक 30 अप्रैल को यह स्तर सामान्य से 50 मीटर कम था। पलाडिन ने आगे कहा, 'बांध बनने के बाद यह छठी बार है जब यह शहर एकबार फिर दिखने लगा है। लेकिन इस बार यह सबसे लंबे समय तक दिख रहा है।'जब भी पानी जलस्तर नीचे जाता है, तो यह वीरान शहर एक टूरिस्ट स्पॉट बन जाता है।

खूनी हो या बादी बवासीर से राहत पाएं
ऐंग्रो अर्श कल्याण कैप्सूल
20 सालों से भरोसेमंद औषधि
सभी मेडिकल स्टोर्स पर उपलब्ध
HELPLINE NO. 8899 500 500

Da´ZEAGRA पावर टैबलेट्स
केवल पुरुषों के लिए
www.wellncare.com, 9896134500
हर प्रमुख दवा विक्रेता के यहां उपलब्ध
खरीदारी के लिए कोड स्कैन करें

आयुष्मान कार्ड से कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी एवं सर्जरी की सुविधा
मित्तल हॉस्पिटल
कैंसर विभाग
भिलाईः सूर्या मॉल के पास, फोन: 77228 80844, 0788 2294440
रायपुरः अवंति बाई चौक, पंडरी, फोन: 93430 79151, 91313 99570
• कैंसर सर्जरी • कीमोथेरेपी • रेडियोथेरेपी
द्वारा अनुबंधित ESIC RAILWAY SECL CGHS TPA

31 मई विश्व तंबाकू दिवस के अवसर पर कैंसर जागरूकता सप्ताह (27 मई से 1 जून)
में कैंसर की स्क्रीनिंग पर निशुल्क परामर्श व स्क्रीनिंग टेस्ट में 50% की छूट
स्क्रीनिंग पैकेज • महिला 10550/- मात्र 5000/- • पुरुष 4980/- मात्र 2000/- SPECIAL OFFER
• डॉक्टरी परामर्श • कंप्लीट बॉडी एग्जामिनेशन • ओरल कैविटी चेक अप • ब्लड टेस्ट (CBC, P.S., RBS, PSA) • एक्स रे, पेट की सोनोग्राफी • यूरीन टेस्ट • महिलाओं में पेप स्मीयर व ब्रेस्ट की सोनो/मैमोग्राफी
हमारे विशेषज्ञों से मिलने हेतु आज ही संपर्क करें
संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ. ग.)
7389904010, 738995010, +91 7714081010, 4061010

एस. एम. सी. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ के अनुभवी पेट एवं लीवर रोग विषेशज्ञ डॉ संजय अग्रवाल अब नियमित रूप से अपनी सेवाएं एसएमसी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में देंगे।
डॉ संजय अग्रवाल (M.D., D.M. Gastroenterology) पूर्व पेट रोग विशेषज्ञ सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली पूर्व पेट रोग विशेषज्ञ बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
पेट सम्बन्धी बीमारियों का इलाज
• गैस, • खट्टी डकार, • खाना निगलने में परेशानी, • पेट फूलना, • फैटी लीवर, • लीवर सिरोसिस, • पैंक्रियाटाइटिस, • उल्टी में खून आना, • लीवर ट्रांसप्लांट
हमारी सुविधाएं: एंडोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, इआरसीपी, सोनोग्राफी, ब्लड टेस्ट
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करें 07712285999, 08839800123
एस.एम.सी.हॉस्पिटल, अशोका रतन के पास रायपुर

24x7 Helpline: 85568 09999
Dr. Juneja's ACCUMASS वज़न बढ़ाए आत्मविश्वास जगाए
एक्यूमॉस आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
पलकों का न खुलना टोसिस PTOSIS का ईलाज
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल: 9827143060/8871003060

कठिन समस्याएं अब न होंगी
सच्ची सहेली है बेहतर स्वास्थ्य के लिए सबसे भरोसेमंद औषधि एवं टॉनिक
पूर्ण स्वदेशी, पूर्ण आयुर्वेदिक
67 दुर्लभ जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक निम्न समस्याओं में विशेष सहायक है।
कठिन दर्द, चिड़चिड़ापन, थकान, कमजोरी, कमर कटना, इम्यूनिटी
SACHI SAHELI सच्ची सहेली
24x7 Helpline: 77106 44444 | www.sachisaheli.in | Available at all medical & general stores

सुयश हॉस्पिटल (NABH से मान्यता प्राप्त)
स्पाईन विभाग
• रीढ़ की हड्डी में चोट या फ्रेक्चर • रीढ़ की हड्डी में ट्यूमर • डिस्क प्रोलेप्स • पीठ दर्द एवं कमर दर्द • सायटिका • Spine TB (Pott's Spine)
एवं रीढ़ की हड्डी से संबंधित सभी प्रकार की बीमारियों के विशेष ईलाज की सुविधा.
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा–गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर

ओम हॉस्पिटल
डॉ. विजय अग्रवाल एम.डी.एस. ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जन
उपलब्ध सुविधाएं
• चेहरे की चोट एवं टूटे हुए जबड़ों का इलाज • चेहरे की जन्मजात विकृतियों का इलाज • गुटखा खाने के कारण मुंह के कम खुलने का इलाज • लार के ग्रंथियों की विभिन्न बीमारीयों का इलाज • छोटे - बड़े एवं जबड़ों के टेढ़ेपन का इलाज • मुंह एवं चेहरे के कैंसर का इलाज
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.) मो. 8370008551
खरोरा रोड़, तिल्दा (छ.ग.) मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.) मो. 8370008558

Hero
Summer SERVICE & EXCHANGE CARNIVAL 24th- 26th May 2024
Upto ₹5000 Exchange Benefits*
25% Off on Paid Service Labour | FREE Washing & Nitrogen
DESTINI 125 XTEC | Pleasure+ XTEC | XTREME 160R 4V
Hero FinCorp | Chola | Suvidha नकद में किश्त का भुगतान करें
*Conditions Apply. Finance at the sole discretion of the finance company. Schemes can not be clubed offer available at select dealership for a limited time.
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. "Highest sales for any 2 Wheeler Corporate Entity in the world for Calendar Year 2022 - Data source: DNA Consult & Advisory's report Assessment of Global Two Wheelers Market (CY22)" ~Finance scheme is at the sole discretion of financiers & subject to its respective terms & conditions. Offer is for limited period or till stock lasts. Offers amount & combination of offers may vary for model/variant & states. For more details please visit your nearest authorised Hero outlet. *Terms and Conditions apply.
अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो 9289922351, आरसन हीरो 9289922864, राजधानी हीरो 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो 9289922623. बलोदाबाजारः अग्रवाल हीरो 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो 9289922355, दुर्गः उत्सव हीरो 9289923114, उत्सव हीरोः (स्टेशन रोड) 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़ 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसीः 6261535855, दोमुहानीः किरण मोटर्स 9754069392, लवनः गणपति ऑटो 9926601111/ 9340379300, भिंभौरीः श्री राम मोटर्सः 8462900028/9340005833 गुरुरः श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458 / 7224880123, बोडलाः विक्की मोटर्सः 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्सः 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटोः 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स 9165525555/9009866899 राजिमः गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स 9977280000, खरोराः अग्रवाल मोटर्स 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर 9131058752, कोण्डागांवः आहुजा ऑटोमोबाईल्स 9131794017, नारायणपुरः गुरुनानक ऑटो 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स 9893199247, जिगड़ीः किरन ऑटोकेयर 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स 9425594144, बेरलाः कान्हा मोटर्स 98931058752 /6260472025 , कसडोलः बजरंग मोटर्स 9425511973, बालोदः जैन ऑटोकेयर 9425563502, लिमतराः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर 8319358443, चरोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स 9977155055, गुंदरदेहीः एम.एम. ऑटो 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी 9826386346, रिसालीः भारत मोटर्स 9993417123, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह) 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला) इंडियन हीरो 0788-4911301, 8305597651, अधिकृत डीलर रीप्रजेन्टेटीवः ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह) 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा) 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स 2226732/7474. Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो 9289922983

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com